Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi
MERRY CHRISTMAS

SHARE

सेंसेक्स	:	78,472.87
निफ्टी	:	23,727.65

SARAFA

सोना	:	7,270
चांदी	:	99.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

5 राज्यों के बदले गवर्नर रघुवर दास ने दिया इस्तीफा

NEW DELHI : मंगलवार की देर शाम में केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के गवर्नर बदल दिए। इस संबंध में राष्ट्रपति भवन की ओर से नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार भेजा गया है। बिहार के राज्यपाल विश्वनाथ अर्लेकर को केरल भेजा गया है। इसके अलावा पूर्व सेनाध्यक्ष वीके सिंह मिजोरम के नए गवर्नर होंगे। मणिपुर में पूर्व गृह सचिव अजय कुमार भल्ला और ओडिशा में डॉक्टर हरिबाबू कंभपति को नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया है।

खाई में गिरा सेना का ट्रक 5 जवानों की मौत, 5 घायल

NEW DELHI : मंगलवार की शाम जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर 300 फुट गहरी खाई में गिर गया, जिससे पांच सैनिकों की मौत हो गई। पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवानों को इलाज के लिए सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना घरोआ इलाके में उस समय हुई, जब सेना का वाहन जिले के बनलोई जा रहा था।

श्रीलंका ने भारत के 17 मछुआरों को किया अरेस्ट

CHENNAI : मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार को सूचित किया कि श्रीलंका ने रामेश्वरम के 17 मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी दो नौकाएं जब्त कर ली हैं। उन्होंने केंद्र से इन मछुआरों को रिहा कराने और उनकी नौकाओं को छुड़ाने के लिए त्वरित कदम उठाने का आह्वान किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना ने 24 दिसंबर 2024 को रामेश्वरम के 17 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और मछली पकड़ने वाली उनकी दो मशीनीकृत नौकाएं जब्त कर ली।

कल 17 बच्चों को सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति

NEW DELHI : 26 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, मंत्रालय वीर बाल दिवस पर भारतीय बच्चों की क्षमताओं और उपलब्धियों को रेखांकित करने वाली देशव्यापी गतिविधियों का आयोजन करेगा और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के विजेताओं को सम्मानित करेगा। यह पुरस्कार सात श्रेणियों– कला एवं संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण–में बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को रेखांकित करता है। पुरस्कार पाने वालों में साथ लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं।

फादर कामिल बुल्के पथ से चर्च रोड और कोकर से कांके तक रहा उल्लास का माहौल
मसीही समुदाय के हजारों लोग शाम से ही आधी रात की बेसब्री से कर रहे थे प्रतीक्षा

प्रभु यीशु का हुआ जन्म, गूंजा जिंगल बेल, जिंगल बेल...

फोटो : समीर

आर्चबिशप का संदेश : आपस में शांति, सद्भाव और एकता के साथ रहें सभी लोग

रांची धर्म प्रांत के आर्चबिशप विंसेंट आइंद ने क्रिसमस के अवसर पर अपने संदेश में कहा कि साल 2025 सबके लिए उन्नति का द्वार खोलेगा। सभी लोग आपस में शांति, सद्भाव और एकता के साथ रहें। प्रभु यीशु का जन्म प्यार और खुशियां लेकर आता है। परमेश्वर की योजना में मानव जीवन सर्वोत्तम है। क्रिसमस प्रेम और शांति का संदेश बांटने का समय होता है। मुक्तिदाता का आगमन जीवन के लिए आत्मिक है। धरती पर यीशु के आगमन के पीछे विशेष योजना रही। 12 साल की आयु में ही यीशु को पता था कि उनका जन्म क्यों हुआ है। इसके बाद उन्होंने अपना सारा जीवन मनुष्य के जीवन को संवारने और प्रेम से भरने में लगा दिया। यीशु का आगमन हर विश्वासी के मन चमन में अमन और प्रेम के सुमन खिलाने का आधार है।

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को राजधानी रांची के फादर कामिल बुल्के पथ से लेकर चर्च रोड और कोकर से लेकर कांके तक उल्लास क माहौल रहा। फादर कामिल बुल्के पथ शाम से ही गुलजार हो गया था। मसीही समुदाय के हजारों लोग आधी रात की बेसब्री से प्रतीक्षा करते हुए दिखे। महागिरजाघर से लेकर जीईएल चर्च तक सजे हुए थे। बिशप हाउस में भी एक अलग ही उल्लास था। घरों में भी चरनी सजाई गई। मध्य रात जैसे ही घड़ी की सुई 12 पर पहुंची, प्रभु यीशु ने जन्म लिया और गिरजाघरों में घंटे बजने लगे। जिंगल बेल-जिंगल बेल की गूंज शुरू हो ई। इधर, आधी रात में कैथोलिक चर्च में मिस्सा धर्म विधि आर्च बिशप विंसेंट आइंद ने पूरी कराई। हर चेहरे पर एक असीम शांति और सुकून नजर आ रहा था। लोग प्रभु को चूम रहे थे। गीतों से वातावरण उल्लसित हो

रात में जैसे ही घड़ी की सुई 12 पर पहुंची, गिरजाघरों में बजने लगीं घंटियां | **आर्च बिशप विंसेंट आइंद ने पूरी कराई चर्च में मिस्सा धर्म विधि**

रहा था...आज एक बालक जन्मा है, जो संसार का राजा है, ग्लोरिया-ग्लोरिया...। कई क्रिसमस आधारित कैरोल के साथ क्रिसमस पर्व का आगाज हुआ। शाम से कैरोल सर्विस के साथ क्रिसमस पूर्व धार्मिक विधि पूरी की गई, जो पुण्य रात की विशेष मिस्सा व आराधना तक चली। क्रिसमस को लेकर रांची के सभी चर्चों में आकर्षक साज-सज्जा की गई थी। चर्च के अंदर-बाहर की सजावट देखते बनती थी। कहीं-कहीं दो फीट से लेकर छह फीट के क्रिसमस ट्री लगाए गए थे। कहीं यीशु मसीह के जन्म की झांकी को चरनी के माध्यम से प्रदर्शित की गई थी। क्रिसमस को लेकर सभी ईसाई बहुल मोहल्ले सजे हुए थे। घर के अंदर-बाहर यह सजावट दिख रही थी। ईसाई समुदाय नागपुरी, हिंदी व अंग्रेजी में क्रिसमस आधारित गीत गा रहे थे, बजा रहे थे। धुनों पर थिरक भी रहे थे। यीशु मोकें ना छोड़ब...यीशु मोर दिल के भीतरे...आत्मा में रे प्यार भरी दे...जब आवी यीशु मसीह....। तरह-तरह गीत गूंजने लगे थे। शाम से लेकर आधी रात तक

प्रोजेक्ट भवन में सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मीटिंग

राज्यकर्मियों और पेंशनधारियों का 3% बढ़ा डीए, कैबिनेट की लगी मुहर

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की हुई बैठक में 10 प्रस्तावों पर मुहर लगी। इसमें राज्यकर्मियों का महंगाई भत्ता (डीए) 3 प्रतिशत बढ़ाने पर मंजूरी दी गई। इसके अलावा राज्य कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। इसमें पेंशनधारियों को भी महंगाई भत्ता देने की स्वीकृति दी गई है। पेंशनधारियों के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। कैबिनेट ने एजी की रिपोर्ट को विधानसभा में रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

राज्य की वित्तीय स्थिति और गतिविधियों की पारदर्शिता होगी सुनिश्चित

- बढ़ा डीए 1 जुलाई 2024 से लागू होगा। ऐसे में 5 से 6 महीने का बकाया भुगतान भी किया जाएगा। पहले डीए 50% मिलता था अब 53% मिलेगा।
- खान विभाग के 11 अफसरों को एक बार की व्यवस्था के साथ मिलेगी सेवा संपुष्टि।
- सीएजी के 2023-24 की वित्त लेखा रिपोर्ट को विधानसभा में रखने की मंजूरी दी गई।

इन प्रस्तावों को भी मिली मंजूरी

- छठी झारखंड विधानसभा के प्रथम सत्र में राज्यपाल द्वारा दिए गए अभिभाषण पर मंत्रिपरिषद की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।
- प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पीएबी की बैठक में मेरू के अंतर्गत स्वीकृत योजना विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के लिए 99,56,10,604 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।
- हाईकोर्ट में दायर याचिका पर आदेश के अनुपालन में डॉ. तुलसी महतो, तत्कालीन प्राध्यापक, एफएमटी विभाग, रिम्स, रांची को प्रोन्नति प्रदान करने की स्वीकृति दी गई।

चुनाव नियमों में बदलाव को कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती, याचिका दाखिल

केंद्र सरकार ने पोलिंग बूथ के फुटेज सार्वजनिक करने से किया है इनकार

इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए हुआ था बदलाव

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को कांग्रेस ने चुनाव से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स पब्लिक करने से रोकने के नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस नियम बदलाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था। याचिका पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- चुनाव आयोग को ऐसे महत्वपूर्ण कानून (चुनाव संचालन नियम, 1961) में एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। नियमों में बदलाव के बाद 21 दिसंबर को रमेश ने कहा था- चुनाव आयोग पारदर्शिता से इतना डरता क्यों है। आयोग के इस कदम को जल्द ही कानूनी चुनौती दी जाएगी।

- जयराम रमेश ने कहा- चुनाव संचालन नियम 1961 में एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती
- चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज 'नियमानुसार' पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का फैसले बना कारण

अधिकारियों ने बताया था कि पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। इसी कारण इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड पब्लिक करने पर रोक लगाई गई है। हालांकि बदलाव के बाद भी ये रिकाड्र्स कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। दरअसल, पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक केस में हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़े दस्तावेज याचिकाकर्ता से साझा करने का निर्देश दिया था। इसमें सीसीटीवी फुटेज को भी नियम 93(2) के तहत माना गया था। हालांकि चुनाव आयोग ने कहा था कि इस नियम में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल नहीं है। इस अस्पष्टता को दूर करने के लिए नियम में बदलाव किया गया है। इलेक्शन कमीशन (इसी) ने बताया कि नामांकन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्ति, चुनाव रिजल्ट और इलेक्शन अकाउंट स्टेटमेंट जैसे दस्तावेजों का उल्लेख कंडक्ट आफ इलेक्शन रूल में किया गया है। आचार संहिता के दौरान उम्मीदवारों के सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते हैं।

मंईयां सम्मान योजना : 2500 रुपये ट्रांसफर करने की खुद दी जानकारी

56 लाख महिलाओं को हेमंत देंगे न्यू ईयर गिफ्ट

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य की 56 लाख महिलाओं को न्यू ईयर का बड़ा गिफ्ट देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने खुद उनके खातों में ₹2500 ट्रांसफर करने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। 23 दिसंबर को मुख्यमंत्री आवास में अधिकारियों के साथ हाई लेवल मीटिंग करने के बाद 24 दिसंबर को अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर सीएम ने ट्वीट किया और स्पष्ट कर दिया कि 28 दिसंबर को मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों के खाते में 2500 रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे।

28 दिसंबर को राशि भेजे जाने की मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर की पुष्टि

सीएम ने की कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा

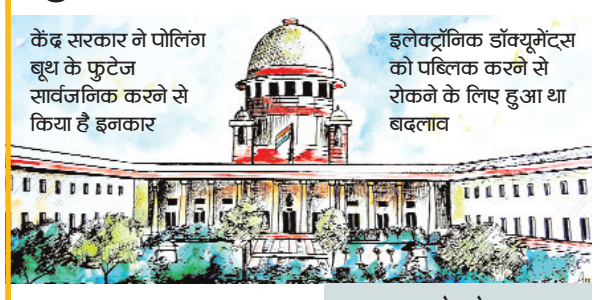

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि लाभुकों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। हेमंत सोरेन ने 'एक्स' पर लिखा, आवास में 28 दिसंबर को होने वाले ऐतिहासिक झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम की तैयारियों, राजस्व संग्रहण और झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग से जुड़े विषयों पर वरीय पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में शामिल हुआ। इसके साथ ही स्पष्ट हो गया कि मंईयां सम्मान योजना की बढ़ी हुई किस्त 28 दिसंबर को महिलाओं के अकाउंट में आ जाएंगे।

लाखों महिलाओं के बैठने का किया जा रहा इंतजाम

नामकुम में होने वाले कार्यक्रम में राज्य के सभी 24 जिलों से 3 लाख से अधिक लाभुकों के शामिल होने की उम्मीद है। ग्राउंड में मुख्य मंच के साथ-साथ लाभुकों के बैठने के लिए भी ब्लॉक बनाए जा रहे हैं। मुख्य मंच के आसपास की सुरक्षा में पुलिस मुस्तैद रहेगी। जगह-जगह बैरिकेडिंग की जा रही है। सड़कों पर आवागमन प्रभावित न हो, इसका भी ध्यान रखने के लिए अधिकारियों को कहा गया है।

ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर को मिल सकता है खेल रत्न

NEW DELHI : पेरिस ओलिंपिक में 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर को सरकार मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड दे सकती है। खेल पुरस्कारों के लिए शॉर्ट लिस्ट किए गए खिलाड़ियों में मनु भाकर का नाम नहीं था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेशनल राइफल एसोसिएशन आफ इंडिया (एनआरएआई) ने मनु भाकर का नाम खेल रत्न के लिए नहीं भेजा था, लेकिन इस पर विवाद के बाद अब एसोसिएशन नॉमिनेशन के लिए खुद खेल मंत्रालय के पास पहुंचा है। खेल मंत्रालय भी अब खुद मनु के नॉमिनेशन की तैयारी कर रहा है। मंत्रालय आर्टिकल 5.1 और 5.2 के तहत मनु को नॉमिनेट कर सकता है। नियम में कहा गया है कि अगर खिलाड़ी खेल रत्न के लिए दी गई गाइडलाइंस को पूरा करता हो तो वो खुद ही अपना नाम अवॉर्ड के लिए भेज सकता है। इसके अलावा मंत्रालय के पास भी ऐसे 2 नाम भेजने के अधिकार होते हैं। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा- 'अभी नाम तय नहीं हुए हैं और एक हफ्ते में पुरस्कारों का खुलासा हो सकता है। खेल मंत्री एक या दो दिन में इस पर फैसला लेंगे।

- खेल मंत्रालय खुद नॉमिनेट करने की तैयारी में राइफल एसोसिएशन की गलती से हुआ विवाद

चिंताजनक रबी फसलों की बुवाई के साथ कई राज्यों में गिरा भू-जल का स्तर

बारिश की कमी ने किसानी के लिए पैदा किया संकट

AGENCY NEW DELHI : प्रकृति के निर्धारित नियमों के अनुसार मौसमों का आना-जाना होता है। इसका प्रभाव सभी जीवो पर पड़ता है। वर्षा ऋतु में अपेक्षित बारिश का होना खेती और किसानी के लिए जरूरी है। अगर अपेक्षित बारिश नहीं होती है, तो यह न केवल किसानों के लिए बड़ा संकट है, बल्कि यह पेयजल के लिए भी बड़ी समस्या है, क्योंकि इससे भूमि में जलस्तर घट जाता है। भूमि में जलस्तर घटने से धरती पर अपेक्षित पानी नहीं मिल पाता है। इससे खेती के लिए जरूरी पानी संकट के रूप में सामने खड़ा हो जाता है। फसलों का उत्पादन प्रभावित होने पर पूरा सिस्टम असंतुलित होने लगता है। प्राकृतिक रूप से यह देखा जा रहा है कि रबी फसलों की बुवाई और इसके बाद धरती में पानी का जलस्तर घट गया है। विस्तृत आकलन करने के बाद कृषि मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, रबी फसलों की बुवाई के साथ ही जिन क्षेत्रों में कम बारिश हुई है, वहां भू-जल का स्तर गिरने लगा है। अब तक 558 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बुवाई हो चुकी है।

यूपी, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान में तेजी से कम हो रहा वाटर लेवल
वर्षा कम होने के कारण किसानों ने बुवाई के लिए भारी मात्रा में भू-जल का किया उपयोग

- स्थिति का आकलन कर केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने जारी की विस्तृत जानकारी
- देश में अब तक 558 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में हो चुकी है बुवाई
- पिछले सीजन की समान अवधि में 556.67 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई थी बुवाई
- मध्य प्रदेश में 15 और झारखंड में सामान्य से 13% कम हुई है बारिश

देश के लगभग 90 फीसद भू-जल का कृषि के लिए किया जाता है उपयोग

यूपी में 14, असम में 13 फीसद कम वर्षा

देश के तकरीबन 90 फीसदी भू-जल का कृषि के लिए उपयोग किया जाता है। 2022 के सरकारी आकलन के अनुसार, जल संसाधनों के अस्थिर उपयोग के कारण ब्रेडबास्केट राज्यों- पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भू-जल निष्कर्षण की दर 100 फीसद से अधिक है। पिछले मानसून के दौरान उत्तर प्रदेश में 14 फीसद बारिश की कमी, जबकि असम में यह कमी 13 फीसदी दर्ज की गई थी।

चने की बुवाई में इजाफा

पानी की कमी को देखते हुए चने की बुवाई में इजाफा देखने को मिला है। इस बार अब तक 86 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में चने की बुवाई हो चुकी है, जबकि पिछली सीजन में यह क्षेत्रफल 84.42 लाख हेक्टेयर रिकॉर्ड किया गया था। दूसरी तरफ मसूर की 2023-24 में 16.29 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई हुई थी। इस बार अब तक 16.03 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हो चुकी है। मसूर, मटर, कुल्थी, उड़द, मूंग और लतरी की बुवाई के मामले में अभी किसान पिछड़े हुए हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभागकी मानें, तो पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष समान अवधि में गेहूं की बुवाई में बढ़ोतरी देखने को मिली है। अब तक देश में 293.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई का काम पूरा हो चुका है।

वर्तमान में यहां 158 अधिकारी ही कार्यरत

नए साल में झारखंड को मिलेंगे 15 आईएएस अफसर

PHOTON NEWS RANCHI : साल 2025 में झारखंड को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मिलने जा रहे हैं। इनमें झारखंड प्रशासनिक सेवा (जेएएस) के 9 और गैर प्रशासनिक सेवा के 6 अफसरों को आईएएस संवर्ग में प्रोन्नति दी जानी है। इसके बाद आईएएस अफसरों की संख्या 173 हो जाएगी। वर्तमान में झारखंड में 158 अफसर ही कार्यरत हैं, जबकि पदों की स्वीकृत संख्या 224 है। इस बार झारखंड प्रशासनिक सेवा से नौ अफसरों को आईएएस संवर्ग में प्रोन्नति मिलेगी। इनमें से सात अफसरों ने अपना एनओसी दे दिया है। जानकारी के अनुसार, जिन अफसरों को आईएएस संवर्ग में प्रोन्नति दी जानी है, उनमें सुधीर

- जेएएस के 9 और गैर प्रशासनिक सेवा के 6 अधिकारियों को मिल रहा प्रमोशन
- इसके बाद राज्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की संख्या हो जाएगी 173

BRIEF NEWS

धनबाद की अनंदिता का अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप में चयन

DHANBAD : मलेशिया में 18 जनवरी से शुरू हो रहे आइसीसी अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गई। इसमें धनबाद की अनंदिता किशोर को भी जगह मिली है। निक्की प्रसाद की कप्तानी में अनंदिता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती नजर आएंगी। यह टूर्नामेंट 18 जनवरी 2025 से दो फरवरी 2025 तक मलेशिया में खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेनेवाली अनंदिता धनबाद की पहली महिला खिलाड़ी बन गई। रेलवे के काट्रिक्टर मनीष सिंह की बेटी अनंदिता का चयन पिछले दिनों बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस में किया गया था।

भारतीय टीम में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। खुशी बयां नहीं कर सकती। परिवार का हर सदस्य खुश है। टूर्नामेंट में बढ़िया प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करना है। यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। - अनंदिता किशोर

चौकीदार नियुक्ति के लिए मांगे जा रहे पैसे

HAZARIBAG : ज़िला में चौकीदार पदों पर बहाली की प्रक्रिया जारी है। ज़िला प्रशासन को विभिन्न माध्यमों से ऐसी सूचना प्राप्त हो रही है, जिसमें चौकीदार पदों पर नियुक्ति के लिए पैसों की मांग की जा रही है। ज़िला प्रशासन ने सभी से अपील की कि ऐसे किसी भी प्रकार की मांग पर ध्यान न दें तथा इस प्रकार की सूचना ज़िला नियंत्रण कक्ष (06546-264159/8002529349) को दें।

फसल बीमा कराएं, सुरक्षा कवच पाएं

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय द्वारा जिला के किसानों से बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेने के लिए 31 दिसंबर तक नामांकन करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि फसलों के नुकसान की स्थिति में किसानों की आर्थिक भरपाई को लेकर रबी मौसम- वर्ष 2024-25 के लिए बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करने में सात दिन बच गए हैं। जिला के वैसे किसान जिन्होंने अब तक आवेदन नहीं किया है, वे जिला सहकारिता पदाधिकारी का कार्यालय और प्रखंड कार्यालय या कृषि रक्षक टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा https://pmfby.gov.in/farmer पर पूरी जानकारी देख सकते हैं।

पांच वर्ष से अधिक पुराने मामले निपटाएं : एसपी

HAZARIBAG : अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग ने मंगलवार को सभी थाना प्रभारियों व पुलिस पदाधिकारियों की बैठक की, जिसमें उन्हें पांच वर्ष से अधिक पुराने मामले अविलंब निष्पादित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जमानती तथा गैरजमानती वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की- जब्ती, सिविल कोर्ट की सुरक्षा की नियमित रूप से समीक्षा करने, अवैध पोस्ता व अफीम की खेती करने वाले लोगों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध सीसीए का प्रस्ताव समर्पित करने, महिला प्रताड़ना एवं हिंसा तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित कांडों को 60 दिनों के भीतर निष्पादन करने, नशाखोरी के पदार्थ की खरीद-बिक्री करने वाले गिरोह, विभिन्न सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग करने, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाने संगठित अपराध गिरोहों, अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों तथा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सीसीए-एनएसए लगाने, सरकारी जमीन से संबंधित मामले, अवैध कोयला, बालू एवं पत्थर उत्खनन पर पूर्ण रोक लगाने का निर्देश दिया।

शिरडी साईं मंडल के शिविर में 100 यूनिट रक्त संग्रह

CHAKRADHARPUR : श्री शिरडी साईं भक्त मंडल द्वारा मंगलवार को 24वां रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 100 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। परम श्रद्धेय गुरु जी चंद्र भानु सतपति के जन्मदिवस पर श्री शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति के सहयोग और त्रिवेणी इंजीकॉन प्रा. लि. जमशेदपुर के सौजन्य से यह शिविर चक्रधरपुर की तम्बाकू पट्टी में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन विधायक सुखराम उरांव ने किया। इस मौके पर उद्यमी आदर्श दोदराजका, भाजपा नेता अशोक षाड़ंगी, दिनेश जाना, समरेश सिंह उर्फ गुड्डू ,राजेश गुप्ता सुरेश साव, संजय पासवान,अनूप दुबे, डिक्की राव, बिनोद भगेरिया आदि मौजूद थे।

प्रवीण तोगड़िया को सम्मानित करेंगे धर्मचंद्र पोद्दार

JAMSHEDPUR : अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक व अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया वीर सावरकर फाउंडेशन द्वारा 28 दिसंबर को क्रांतिकारी मदन लाल ढींगरा अवार्ड से सम्मानित किए जाएंगे। यह सम्मान जमशेदपुर निवासी फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष धर्मचंद्र पोद्दार प्रदान करेंगे। पोद्दार ने बताया कि समारोह कटक में होगा।

प्रेम-प्रसंग व लेन-देन के विवाद में की गई थी नर्तकी की हत्या

डांसर को मारने के लिए बिहार के शूटर को दी गई थी सुपारी, चार आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS MEDININAGAR : जपला की नर्तकी पूजा कुमारी उर्फ सावित्री (25) की हत्या प्रेम-प्रसंग व लेन-देन के विवाद में हुई थी। उसके प्रेमी संदीप कुमार ने उसकी हत्या के लिए बिहार के शूटर को 60 हजार रुपये की सुपारी दी थी।

पलामू की एसपी रीष्मा रमेशन ने मंगलवार को एसपी कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि नर्तकी पूजा कुमारी उर्फ सावित्री का छतरपुर थाना के करमा चराई गांव निवासी संदीप सिंह (30) के साथ प्रेम-प्रसंग था। प्रेम-प्रसंग व लेन-देन को लेकर संदीप का पूजा से विवाद हो गया था। उसने पूजा को अपने रास्ते से हटाने के लिए बिहार के औरंगाबाद जिला अंतर्गत बारुन थाना के हबसपुर गांव के अपने रिश्तेदार शुभम सिंह (19) से संपर्क किया। शुभम सिंह ने बारुन थाना के टेंगरा गांव के पप्पू शर्मा से संपर्क किया। पप्पू शर्मा पर औरंगाबाद जिला के बारुन, ओबरा, नवीनगर, मदनपुर आदि थाना में चोरी, मारपीट, रंगदारी,आर्म्स एक्ट आदि मामले में केस दर्ज हैं। पप्पू शर्मा की सहमति के बाद शुभम के साथ संदीप मिला। संदीप के साथ उसका दोस्त करमा चराई का रवि विश्वकर्मा था। पप्पू शर्मा ने 60 हजार रुपये में पूजा को मारने की सुपारी ली। उसके बाद 22 दिसंबर को रवि विश्वकर्मा के साथ बाइक से पप्पू शर्मा जपला के नर्तकी मोहल्ला पहुंचा। रवि के नर्तकी पूजा की पहचान कराने के बाद पप्पू शर्मा ने गोली मारी। उसके बाद बाइक से छतरपुर की ओर भाग निकले। छतरपुर में बाइक को खड़ी कर कार से बिहार की ओर निकले, लेकिन हरिहरगंज में पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। उसकी शिनाख्त पर बारुन थाना की पुलिस के सहयोग से हबसपुर गांव से शुभम सिंह व छतरपुर थाना क्षेत्र के करमा चराई से संदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनलोगों की निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त टीवीएस राइडर बाइक, टाटा पंच कार, सुपारी में लिए गए 10 हजार रुपये, एक आइफोन, दो एंड्रायड मोबाइल, एक की-पैड मोबाइल, एक देसी कट्टा व खोखा समेत कागजात बरामद किया है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व मामले की जानकारी देतीं एसपी रीष्मा रमेशन ● फोटोन न्यूज

छापेमारी अभियान में हुसैनाबाद एसडीपीओ एस मो. याकूब, हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय कुमार यादव, हैदरनगर थाना प्रभारी अफजल अंसारी, देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार, लठेया पिकेट प्रभारी धर्मवीर कुमार यादव समेत विभिन्न थाना के जवान शामिल थे।

करंट की चपेट में आकर एक की मौत

GIRIDIH : जिले के गांडेय थाना क्षेत्र की चंपापुर के मंडरडीह गांव स्थित मैदान में मंगलवार को बिजली पोल के नीचे एक युवक का शव ग्रामीणों ने पड़ा देखा। ग्रामीणों ने इसकी सूचना गांडेय थाना की पुलिस को दी। मृत युवक की पहचान बेंगाबाद थाना क्षेत्र के परसाटांड़ गांव निवासी अनिल मरांडी (23) के रूप में हुई। घटना के सम्बंध में ग्रामीणों ने बताया कि अनिल ने बिजली के खंभे में चढ़कर 11 हजार के तार को हाथ में पकड़ लिया, जिससे वह करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार अनिल मरांडी अपनी पत्नी अनिता मरांडी के साथ दो दिन पूर्व अपने मामा ससुर मनु मरांडी के घर ईरचिट्टा गया था। जहां से अनिल अचानक गायब हो गया। उसके मामा ससुराल के लोगों ने उसकी काफी खोजबीन किया, लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चल पाया। बाद में अनिल के मामा ससुराल के लोगों ने उसके घर बेंगाबाद थाना क्षेत्र के परसाटांड़ गांव में सूचना दी। इस दौरान परिजन चंपापुर, मंडरडीह, ईरचिट्टा सहित आसपास के गांवों में उसकी काफी तलाश किया, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। तब परिजनों ने सोशल मीडिया में अनिल के लापता होने की सूचना शेयर कर आम लोगों से उसकी खोजबीन की गुहार लगाई थी। इस बीच घटना की सूचना पर घटनास्थल पहुंची गांडेय थाना की पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया।

पेपरलेस होगा मेडिकल कॉलेज और सदर अस्पताल में मरीजों का इलाज

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की टीम ने की स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक

PHOTON NEWS DHANBAD : आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की राज्यस्तरीय टीम ने धनबाद दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को सिविल सर्जन कार्यालय में स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक की। टीम का नेतृत्व इनफॉरमेशन सिक्योरिटी ऑफिसर हरेंद्र कुमार दास कर रहे हैं। इसमें सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रतापपन भी मौजूद थे। दास ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत सरकारी अस्पतालों को पेपरलेस करना है। एक बार मरीज का रजिस्ट्रेशन करने के बाद बार-बार रजिस्ट्रेशन करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसी रजिस्ट्रेशन नंबर में मरीज के तमाम डाटा उपलब्ध रहेंगे। अभी पैथोलॉजी या रेडियोलॉजी विभाग में जाने पर मरीज को पर्ची ले जाना पड़ता है, लेकिन यह सेवा शुरू होने के बाद पर्ची की आवश्यकता नहीं होगी। सभी काम पेपरलेस होंगे। दवा वितरण केंद्र में भी मरीज को पर्ची नहीं ले जानी है। सिस्टम के तहत कंप्यूटर पर ही मरीज के दवा की जानकारी दवा वितरण केंद्र में पहुंच जाएगी। पहले चरण में सरकारी अस्पताल में इस काम की शुरूआत की जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को सरकारी अस्पताल में व्यवस्था जल्द शुरू करने का निर्देश दिया। मेडिकल कॉलेज के पदाधिकारी को भी निर्देश दिया गया कि वहां भी जल्दी यह व्यवस्था शुरू की जाए।

बैठक करते स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

नसबंदी पर 3000 व बंध्याकरण पर 2000 रुपये दे रही सरकार

DHANBAD : नसबंदी पखवाड़ा अभियान के तहत मंगलवार को सिविल सर्जन कार्यालय से जागरूकता रैली निकाली गई। वहीं, परिवार नियोजन को लेकर जागरूकता रथ रवाना किया गया। सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रताप ने रथ को रवाना किया। बताया गया कि यह अभियान जनवरी तक चलाया जाएगा। इस अभियान में पुरुषों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है। सिविल सर्जन ने बताया कि नसबंदी पर 3000 और बंध्याकरण पर 2000 प्रोत्साहन राशि सरकार दे रही है। जिले को इस अभियान में 100 पुरुष नसबंदी का लक्ष्य हासिल करना है। सभी सहिया के माध्यम से लाभुक का सर्वेक्षण पहले ही पूरा कर लिया गया है।

मामले की जानकारी देते एसपी कुमार गौरव ● फोटोन न्यूज

लातेहार में पीएलएफआई का उग्रवादी हुआ गिरफ्तार

LATEHAR : पुलिस ने पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के उग्रवादी कैला यादव को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक पिस्तौल और गोली बरामद हुई है। गिरफ्तार उग्रवादी पलामू जिले के पाकी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। लातेहार एसपी कुमार गौरव ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पीएलएफआई उग्रवादी कैला यादव लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र के डोंकी गांव के आसपास भ्रमणशील है और किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना के बाद डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम गठित की गई और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे घर दबोचा। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक पिस्टल और सात गोलियां बरामद हुईं।

मूक-बधिर महिला से दुष्कर्म, भीड़ ने आरोपी के घर में लगाई आग

DHANBAD : धनबाद जिले में एक व्यक्ति ने मूक-बधिर महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया, जिसके बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। आरोपी ने रविवार शाम को महिला को अपने घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया, और सोमवार सुबह उसे छोड़ दिया। इस घटना के बाद, पीड़िता ने अपने माता-पिता को सांकेतिक भाषा में पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। सरायढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी ने बताया कि पीड़िता के परिजनों ने रात भर उसे ढूंढने की कोशिश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। सोमवार सुबह घटना की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों ने आरोपी के घर का घेराव कर लिया और उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

SERAIKELA : जिले के कांड्रा-टाटा मार्ग पर आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित उत्कल ऑटोमोबाइल के समीप मंगलवार को एक ट्रेलर ने मोटरसाइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी । इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार गुरुचरण सिंह (36) नामक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक जमशेदपुर स्थित कदमा शास्त्री नगर का निवासी था और औद्योगिक क्षेत्र की हाइको कंपनी में कार्यरत थे। वह घटना के वक्त अपनी पल्सर बाइक से ड्यूटी जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी गई। टक्कर मारने के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों, राहगीर और मृतक के परिजनों ने शव के साथ बीच सड़क पर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने पुलिस के देर से पहुंचने पर भी नाराजगी जताई और फरार ट्रेलर चालक की जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

विजय बोस मेमोरियल क्रिकेट में करनडीह बना विजेता

GHATSILA : बहरागोड़ा प्रखंड के राजलाबांध पंचायत स्थित वीणापाणि स्टेडियम में मंगलवार को झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में 17 वीं विजय बोस क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच हुआ। इसमें मऊभंडार एकादश को 148 रनों से हराकर करनडीह एकादश विजेता बना। मुख्य अतिथि घाटशिला के पूर्व एसडीओ सत्यवीर रजक और विशिष्ट अतिथि जेएससीए के कोषाध्यक्ष राजीव बदान ने विजेताओं को ट्रॉफी व पुरस्कार प्रदान किया।

लातेहार में जंगली हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत

AGENCY LATEHAR : जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत पिंडारकोम गांव के बगल में स्थित जंगल में जंगली हाथियों ने गुलाब यादव (60) की जान ले ली। मंगलवार को गुलाब यादव का शव जंगल से बरामद हुआ। मिली जानकारी के अनुसार पिंडारकोम गांव निवासी गुलाब यादव अपने मवेशी को चराने सोमवार को जंगल की ओर गया था। इसी दौरान जंगली हाथियों ने उसपर हमला कर दिया। हालांकि खुद को बचाने के लिए वह जंगल की ओर भाग गया था। परंतु रात में घर वापस नहीं लौटा। हाथियों के डर के कारण गांव के लोग रात में जंगल की ओर नहीं गए। मंगलवार को जब गुलाब यादव के परिजन तथा कुछ अन्य ग्रामीण जंगल में खोजबीन करने गए तो वहां गुलाब यादव का शव मिला। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस इलाके में पिछले कई दिनों से जंगली हाथियों का आतंक जारी है। परंतु वन विभाग के द्वारा हाथियों को भगाने के लिए कोई सार्थक पहल नहीं की जा रही है। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद रेंजर नंदकुमार महतो के निर्देश पर वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन की। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया गया है। रेंजर ने बताया कि मृतक के परिजनों को प्रावधान के तहत मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हाथियों को भगाने के लिए विभाग के द्वारा बंगाल से टीम बुलाई जा रही है।

शव के पास जुटे ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

अक्टूबर से शुरू हुआ था काम, कार्यपालक अभियंता ने कहा- पैसे के अभाव में नहीं हो पा रहा कार्य

निर्माण के नाम पर ठेकेदारों ने सड़कों पर बिछा दिया बोल्डर

AGENCY KHUNTI : जिले के ग्रामीण इलाकों में मजबूतीकरण के नाम दर्जनों सड़कों पर संवेदकों ने बड़े-बड़े बोल्डर डालकर छोड़ दिया। इसके कारण आये दिन दो पहिया वान चालक और साइकिल सवार दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। पिछले तीन महीनों से लगभग निमार्णाधीन सभी सड़कों का यही हाल है। अक्टूबर महीने में इन सड़कों के मजबूतीकरण का काम अलग-अलग संवेदकों के जरिये शुरू किया गया। ठेकेदारों ने सड़कों को खोदकर बोल्डर डालकर छोड़ दिया। पिछले तीन महीना से सड़कों का निर्माण कार्य बंद है। तोरपा से जरियागढ़, एरमेरे से ईचा, दियांकेल से बडरूटोली, कतारी मोड़ से सुदारी सहित खूंटी, तोरपा, कर्रा, रनिया और मुरहू प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में सड़कों का निर्माण कार्य बंद है।

सड़क पर बिछाए गए बोल्डर ● फोटोन न्यूज

तोरपा प्रखंड के ईचा गांव के रहने वाले दीपक गुप्ता, चमन महतो, सूरज महतो, दियांकेल गांव के सुमिज सोय, बडरूटोली गांव के माइकल फ्रांसिस धान और शांता सिंह कहते हैं कि सड़कों के निर्माण कार्य बंद होने से लोगों को खासकर स्कूली बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। सड़कों पर बड़े-बड़े बोल्डर डालकर छोड़ दिये जाने से बाइक सवारों और साइकिल चलाने वालों को काफी परेशानी हो रही है। आये दिन लोग दुर्घटना में घायल हो रहे है। लोगों का कहना है कि विधायक को इस दिशा में पहल करनी चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि बहुत जल्द वे विधायक को ज्ञापन सौंपकर सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग करेंगे। सड़कों के अधूरे निर्माण के संबंध में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संतोष जयसवाल ने कहा कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि सड़कों को अधूरा क्यों छोड़ दिया गया है। एदि पैसे के अभाव में काम ठप है, तो आखिर रकम गई कहां? उन्होंने कहा कि सरकार की गलती का खमियाजा आखिर जनता क्यों भुगते। विभिन्न ग्रामीण इलाकों में सड़कों के अधूरे निर्माण के संबंध में पूछे जाने पर ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता सुशील झा कहते हैं कि फंड के अभाव में सड़कों का निर्माण कार्य बंद है। अभी कहना मुश्किल है कि विभाग को रकम कब मिलेगी। उन्होंने कहा कि पैसा मिलते ही सड़कों का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

उपायुक्त ने मनरेगा अंतर्गत अभियंताओं को दिया नियुक्ति पत्र

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में मनरेगा अंतर्गत नवनियुक्त तकनीकी अभियंता (सहायक व कनीय अभियंता) को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। उपायुक्त ने कुल 12 सहायक अभियंता और 19 कनीय अभियंता को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने नवनियुक्त सभी अभियंताओं को शुभकामना देते हुए कहा कि मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं में आपका कार्य काफी महत्वपूर्ण है। आपको सकारात्मक रूप से अपनी काबिलियत का परिचय देते हुए कार्य करना है। आप सभी कर्मी ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं के अतिरिक्त अन्य योजनाओं में भी आपको काम करने का अवसर मिलेगा। वहीं उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने सभी अभियंता को 28 दिसंबर तक ज्वाइन कर लेने और अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण लेने का निर्देश दिया।

फेक न्यूज पर लगेगा अंकुश, सरकार जारी करेगी गाइडलाइन : डॉ. मुरूगन

MEDININAGAR : केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि सरकार फेक खबरों के विरूद्ध सभी की सहमति से आवश्यक गाइडलाइन जारी करेगी, वैसे तो इस संबंध में वे सदन में अपनी बात रख चुके हैं। कोई समाचार प्रकाशित या प्रसारित होने से पहले यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि इससे समाज पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को दीनदयाल नगर भवन में पत्रकारों से कहा कि विभिन्न प्रिंट या इलेक्ट्रोनिक मीडिया द्वारा प्रेस कार्उंसिल ऑफ इंडिया के निदेर्शों का अनुपालन किया जाता है। कोई भी खबर पहले सब एडिटर व बाद में एडिटर की सहमति से ही सार्वजनिक की जाती है। वहीं वर्तमान समय में जिसके पास भी मोबाइल है, वह स्वयं पत्रकार व पब्लिशर है। उनलोगों को भी अपने सामाजिक दायित्वों को समझना होगा। किसी भी खबर को प्रसारित करने से पहले उसके सोर्स व सत्यता की जांच की जानी चाहिए। एक प्रश्न के जवाब में सूचना एवं प्रसारण मंत्री डा. मरूगन ने कहा कि केंद्र सरकार डालटनगंज दूरदर्शन केंद्र में प्रोडक्शन यूनिट आरंभ करने पर विवार कर रही है। पलामू दौरे के उद्देश्य पर केंद्रीय मंत्री ने बताया कि तीन दिवसीय दौरे के क्रम में आकांक्षी जिले में नीति आयोग द्वारा निर्धारित इंडीकेटरों पर किए गए कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इस दौरान ड्राप स्कूलों से ड्रॉपआउट बच्चों का सर्वे करने व अन्य निर्देश दिए गए है।

पत्रकारों को संबोधित करते डॉ. मुरूगन

पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया कुख्यात सजाउद्दीन

रंगदारी-जानलेवा हमले में इस्तेमाल की गई गाड़ी बरामद, पिठोरिया थानेदार को मिली थी अपराधियों की सूचना

छापेमारी करने गई चौपारण पुलिस को देखकर भाग गए अपराधी, तलाश में की जा रही है ताबड़तोड़ रेड

PHOTON NEWS RANCHI :
रांची स्थित पिठोरिया के कोकदोरो का कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन अंसारी पर पुलिस ने नकेल कसना शुरू कर दिया है। मंगलवार को पुलिस को सजाउद्दीन और उसके गुर्गे की हजारीबाग में छुपने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस एक्शन में आई। सजाउद्दीन और उसके गुर्गे को गिरफ्तार करने पुलिस जैसे पहुंची, सभी अपराधी भाग खड़े हुए। पीछा करने के दौरान सभी अपराधी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। इस दौरान थार (जेएच-01-एफएफ-1471) को चौपारण स्थित एक पेटोल पंप के पास छोड़कर भाग गए। चौपारण पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया है। पिठोरिया थाना प्रभारी गौतम कुमार रॉय ने बताया कि सूचना मिली थी- चौपारण स्थित एक पेट्रोल पंप के पास एक थार गाड़ी खड़ी है, जो कि अपराधी सजाउद्दीन की है। मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। चौपारण थाना की पुलिस मौके पर पहुंची तो सभी अपराधी कार को छोड़ भाग गए। इस दौरान वाहन को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। पिठोरिया थाना की पुलिस वाहन को लाने के लिए चौपारण रवाना हो गई है। जानकारी के अनुसार, सजाउद्दीन का भांजा थार चला रहा था। यह वाहन रंगदारी के लिए जानलेवा हमले में इस्तेमाल किया जाता था। कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन, शाहिद उर्फ छोटू व गिरोह के अन्य अपराधियों की तलाश में पिठोरिया पुलिस ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है।

छापेमारी के दौरान बरामद वाहन

रंगदारी के लिए किया था जानलेवा हमला

बीते 18 दिसंबर को कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन और उसके गुर्गों ने जानलेवा हमला की घटना को अंजाम दिया था। घटना को लेकर सफदर सुल्तान ने कोकदोरो निवासी सजाउद्दीन अंसारी, शाहिद अंसारी उर्फ छोटू उर्फ तारीफ अंसारी, रमीज अंसारी, इरशाद अंसारी, खालिक अंसारी, बबलू उर्फ अर्सलान अंसारी, समशाद अंसारी, शहबाज अंसारी, और उपरकोनकी निवासी साहिल अंसारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अपराधी महिंद्रा थार (जेएच-01-एफएफ-1471) और बलेनो कार (जेएच-01-एफबी-3929) में सवार होकर पहुंचे थे।

क्या पैदल परेड कराएगी पुलिस

सूत्रों से खबर है कि कुख्यात सजाउद्दीन व उसके भांजा शाहिद उर्फ छोटू को पुलिस गिरफ्तार करने के बाद हथकड़ी लगाकर पिठोरिया थाना से पैदल परेड कराते हुए कोर्ट ले जाएगी, ताकि इलाके की शांति भंग करने वाले हर अपराधी को सबक मिलेगी। बताते चलें कि एसएसपी चंदन सिन्हा ने कुख्यात जमीन कारोबारियों और अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद पैदल परेड की परिपाटी शुरू की थी। इसके बाद से कुख्यातों के पकड़े जाने बाद ऐसी कार्रवाई जारी है।

कुख्यात अपराधियों के घर पर पुलिस ने चस्पा किया था इश्तेहार

रांची जिले के कई थानों के लिए वांटेड कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन अंसारी के अलावा शाहिद उर्फ छोटू और नैयर के घर पुलिस ने 20 दिसंबर को इश्तिहार चस्पा किया था। पुलिस ने एक सेना के जवान से ठगी करने के मामले में यह कार्रवाई की थी। गौरतलब है कि सजाउद्दीन की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज पीड़ित व ग्रामीणों ने थानेदार गौतम कुमार राय पर संरक्षण के आरोप लगाया था।

BRIEF NEWS

शिक्षा मंत्री रामदास से मिला पासवा का प्रतिनिधिमंडल

RANCHI : मंगलवार को प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) झारखंड चैप्टर के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात की। यह शिष्टाचार मुलाकात थी। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री को प्राइवेट स्कूलों की परेशानी और जमीन की बाध्यता और हर तरह की होने वाली परेशानी से भी आवगत कराया। शिक्षा मंत्री ने पासवा के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त कराया कि प्राइवेट स्कूल जितने भी यू डाइस धारक स्कूल हैं, इनको बंद होने नहीं दिया जाएगा। इनकी परेशानी को दूर करने की कोशिश की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल ने उनका शुक्रिया अदा किया। प्रतिनिधिमंडल में कार्यकारी अध्यक्ष मास्टर उस्मान, महासचिव मसूद कच्छी, उपाध्यक्ष सैयद अंसार उल्लाह, रांची जिला संरक्षक मोहम्मद महताब अंसारी थे।

ऑर्किड हॉस्पिटल में बाइलेटरल यूरेटरोकोएल की हुई सर्जरी

RANCHI : राजधानी रांची के ऑर्किड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक महिला की दुर्लभ बीमारी बाइलेटरल यूरेटरोकोएल की सफल सर्जरी की गई। 35 वर्षीय महिला को पेट में दर्द, उल्टी और पेशाब में दिक्कत की समस्या थी। यूरोलॉजिस्ट डॉ. अरविन्द कुमार प्रभात ने तुरंत सर्जरी का निर्णय लिया। इसके बाद डॉक्टरों ने महिला का लेजर एक्सिजन विधि से ऑपरेशन किया। दो दिन में ही महिला को डिस्चार्ज कर दिया गया। ऑर्किड का यूरोलॉजी डिपार्टमेंट सीएपीएफ, सीजीएचएस, टीपीए और आयुष्मान भारत योजना के तहत सूचीबद्ध है।

मुख्यमंत्री हेमंत से आर्च बिशप ने की मुलाकात

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आर्च बिशप राजीव सतीश टोप्पो और बिशप निस्तार कुजूर ने मुलाकात की। इस दौरान बिशप ने मुख्यमंत्री को क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी राज्य की समस्त जनता और पूरे मसीही समुदाय को क्रिसमस पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समस्त झारखंडवासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान विधायक राजेश कच्छप, सुजीत कुजूर, तारा तिर्की, सुजीत टोप्पो, राजीव एक्का, रवि बारला एवं विकास तिर्की उपस्थित थे।

नगर आयुक्त संदीप सिंह ने अधिकारियों के साथ की मीटिंग

व्यावसायिक प्रतिष्ठान मिक्स कूड़ा देंगे, तो निगम नहीं करेगा उठाव

- सभी टीमों को एकजुट होकर माइक्रो लेवल पर काम करने का दिया निर्देश
- सोर्स पर ही गीला और सूखा कचरा अलग करने पर दिया गया जोर
- पूरे शहर के लिए 370 बल्क वेस्ट जेनरेटर की तैयार की गई है सूची

PHOTON NEWS RANCHI :
मंगलवार को रांची नगर निगम में कचरे को अलग-अलग रखने को लेकर नगर आयुक्त संदीप सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें सोर्स पर ही कचरे को अलग-अलग करने पर जोर दिया गया। नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि कामर्शियल प्रतिष्ठानों को हर हाल में सूखा और गीला कचरा अलग देना होगा। इसके लिए उन्हें दो बार चेतावनी दी जाएगी। इसके बावजूद भी कामर्शियल प्रतिष्ठान मिक्स कूड़ा देते हैं, तो निगम उनके कूड़े का उठाव बंद कर देगा। बैठक में उप प्रशासक रविंद्र कुमार, सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की, नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक, अभियंता और सुपरवाइजर समेत अन्य निगम अधिकारी मौजूद थे। नगर आयुक्त ने बल्क वेस्ट जेनरेटर के लिए 53 वार्डों में सोर्स पर कचरा अलग करने को गति देने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी टीमों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि शहर के लोगों को गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करने की जानकारी दें। साथ ही झिरी में गेल द्वारा लगाए गए 150 टन बायोगैस प्लांट के बारे में भी बताए। उन्होंने कहा कि सभी टीमों को एकजुट होकर माइक्रो लेवल पर काम करना होगा। उन्होंने ये भी बताया कि अब तक 370 बल्क वेस्ट जेनरेटर की सूची तैयार की जा चुकी है। छोटे-बड़े प्रतिष्ठानों में भी सोर्स पर ही कचरा अलग करने को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रत्येक वार्ड में सब्जी मार्केट में गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग रखने की व्यवस्था की जाए। जानकारी के लिए साइन बोर्ड लगाए जाएं। सभी होटल, रेस्टोरेंट और अन्य कामर्शियल प्रतिष्ठानों को गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग रखने के लिए सख्त निर्देश दिए जाएं। निगम की गाड़ियों में उनका कूड़ा देने का कार्य सुनिश्चित किया जाएं। शहर के लोगों से अपने भवन परिसर या प्रतिष्ठानों में हरे और नीले रंग के डस्टबिन का उपयोग करें, जिसमें सूखा कचरा नीले डस्टबिन में और गीला कचरा हरे डस्टबिन में डाला जाए।

अधिकारियों के साथ बैठक करते नगर आयुक्त संदीप सिंह व अन्य। ● फोटोन न्यूज

रांची व जमशेदपुर के अधिकतम तापमान में दर्ज की गई वृद्धि

झारखंड में ठंड और कोहरे के बीच 28 को हो सकती है बारिश

PHOTON NEWS RANCHI :
मंगलवार को राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य हिस्सों में सुबह में कोहरे के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहे। हवा भी लगातार चल रही है। मौसम विभाग की ओर से पूवानुमान में बताया गया है कि 25, 26 और 27 दिसंबर को भी सुबह में कोहरा छाया रहेगा। धीरे-धीरे मौसम साफ होगा। इसके बाद 28 दिसंबर को राज्य में आंशिक बादल छाए रहेंगे। साथ ही उत्तर पश्चिमी तथा निकटवर्ती उत्तरी भागों में कहीं-कहीं पर हल्की बारिश हो सकती है। रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, हजारीबाग, कोडरमा और गिरिडीह जिले में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में डाल्टनगंज का अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस देवघर में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस पलामू में रहा।

- सबसे ज्यादा उच्चतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस पलामू में किया गया दर्ज

राज्य में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही 108 एंबुलेंस सेवा : बाबूलाल

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य की 108 एंबुलेंस सेवा पर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा, जो आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए जनजीवन का अहम हिस्सा है, गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। मरांडी ने लिखा है कि एंबुलेंस के रिस्पांस टाइम में भारी देरी हो रही है। शहरों में औसतन 25 मिनट और ग्रामीण इलाकों में 40 मिनट का समय लगना तय है लेकिन वास्तविकता इससे भी ज्यादा चिंताजनक है। कई बार कॉल करने के 60 मिनट बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंचती, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने कहा है कि जहां पांच मिनट की देरी में लोगों की जिंदगी और मौत तय हो जाती है।

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक खेलकूद में शंख हाउस बना विजेता

PHOTON NEWS RANCHI :
मंगलवार को एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में चार दिवसीय इंटर हाउस खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हो गया। इस प्रतियोगिता में दामोदर हाउस, कोयल हाउस, शंख हाउस, और स्वर्णरेखा हाउस के जूनियर और सीनियर ग्रुप के बच्चों ने भाग लिया। शंख हाउस को विजेता घोषित किया गया, जबकि कोयल हाउस की टीम उपविजेता बनी। समापन समारोह के दौरान विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। स्कूल के संस्थापक ललित हेंब्रम ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि खेलों से बच्चों में सामूहिकता और जिम्मेदारी की भावना का विकास होता है। निदेशक कुणाल कश्यप और प्रिंसिपल शादान आलम ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद भी बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। प्रतियोगिता के दौरान मटका रेस, कराटे और नृत्य प्रदर्शन जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। जिन्हें अभिभावकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के बीच में सांता क्लॉज भी पहुंचे। सांता क्लॉज को देख बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई।

प्रतीक बने जेसीआई रांची के नए अध्यक्ष

RANCHI : जूनियर चेंबर इंटरनेशनल (जेसीआइ), रांची के नये अध्यक्ष प्रतीक जैन चुने गये हैं। वर्ष 2025 का चुनाव संपन्न होने के बाद नयी टीम का गठन कर लिया गया है। सदस्यों ने मतदान की प्रक्रिया के माध्यम से अध्यक्ष और पदाधिकारियों को चुना। नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रतीक जैन ने कहा कि उनकी टीम संस्था और समाज को नये आयामों तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करेगी और नये मानदंड स्थापित करेगी। सचिव का पदभार सन्नी केडिया संभालेंगेइस बार नयी टीम में छह उपाध्यक्षों के साथ सचिव का पदभार सन्नी केडिया संभालेंगे, जबकि सह सचिव सौरभ जालान व कोषाध्यक्ष जेसी कौशल मुरारका चुने गये हैं। चुनाव प्रक्रिया पूर्व अध्यक्ष जेसी अरविंद राजगढ़िया के नेतृत्व में संपन्न हुई।

कांग्रेस ने निकाला अंबेडकर सम्मान मार्च, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

PHOTON NEWS RANCHI :
मंगलवार को झारखंड में कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ की गई टिप्पणी के विरोध में अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला। इसका नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने किया। मार्च की शुरूआत पुराने हाई कोर्ट के प्रवेश द्वार पर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। यह मार्च कांग्रेस भवन से निकलकर उपायुक्त कार्यालय तक पहुंची। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अमित शाह की बर्खास्तगी की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन उपायुक्त के प्रतिनिधि को सौंपा। इस अवसर पर टाना भगतों ने भी बाबा साहब के सम्मान और संविधान की रक्षा के लिए इस मार्च में भाग लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने अपने संबोधन में कहा कि अमित शाह की टिप्पणी ने संविधान के महत्व को कम कर दिया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर की अध्यक्षता में तैयार संविधान एक महत्वपूर्ण धरोहर है, जो भारतीय लोकतंत्र की नींव है। प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा और उनके नेताओं की टिप्पणी अपमान है। यह संविधान को बदलने की उनकी मंशा का हिस्सा है। प्रमुख नेताओं में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, सुबोध कांत सहाय, डॉ. रामेश्वर उरांव, राजेश ठाकुर, सुरेश बैठा, बंधु तिर्की, राजीव रंजन प्रसाद और कई अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौके पर मौजूद थे।

जबरदस्ती: कांके अंचल व थाना क्षेत्र के ग्राम बोड़ेया में चारदीवारी तोड़कर शुरू किया निर्माण

चिकित्सक की खाली जमीन पर दबंगों ने किया कब्जा

PHOTON NEWS RANCHI :
कांके अंचल व थाना क्षेत्र के ग्राम बोड़या के बोड़या रोड स्थित बैंक कॉलोनी (वृंदावन कॉलोनी) में मुंगेर, बिहार में पदस्थापित चिकित्सक डॉ. रोशन की चार कट्ठा खरीदगी जमीन है। यह जमीन वर्ष 2007 में उनकी मां द्रौपदी कुमारी ने बोड़या मौजा के खाता संख्या -491 प्लॉट संख्या 1818, 1822, 1823 कुल रकबा- चार कट्ठा जमीन अपने नाम पर खरीद कर इस पर पूरी तरह से चारदीवारी कर लोहे का गेट लगाकर बोरिंग करवा रखी थी। इस पर चिकित्सक के परिवार द्वारा घर बनाने के रांची नगर निगम में नक्शा पास करने हेतु आवेदन भी दे रखा है। इस जमीन को बैंक कर्मचारी गृह निर्माण स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड बोड़या रांची कोऑपरेटिव सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी मोहन दुबे कडरू रांची निवासी ने बिक्री की थी। इसी बीच पड़ोसियों ने सूचना दी कि आपकी जमीन पर बैंक कर्मचारी निर्माण कोऑपरेटिव सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी मोहन दुबे और उनके द्वारा रखे हुए दबंग बदलू, रामकिशन और अन्य अज्ञात लोगों ने पूरी तरह से जमीन की चारदिवारी, गेट और बोरिंग को तोड़ दिया है। इस पर नया निर्माण कार्य कर रहे हैं। चिकित्सक डॉ. रोशन ने बताया कि मैं सूचना मिलने पर 24 दिसंबर को अपनी जमीन पर जाकर देखा तो पाया कि मेरे द्वारा निर्माण की गई चारदीवारी, बोरिंग और लोहे के गेट को तोड़ दिया गया है और उसी पर नई चारदीवारी का निमार्ण कार्य मोहन दुबे, रामकृष्ण और अन्य लोगों द्वारा किया जा रहा है। मैंने इसकी सूचना कांके थाना को दी है। इस जमीन का दाखिल खारिज भी 28 अगस्त 2012 को हो चुका है।

अवैध तरीके से कब्जा करने का प्रयास

चिकित्सक ने पुलिस प्रशासन, चिकित्सकों का संगठन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रांची शाखा सहित वरीय पुलिस अधीक्षक से अपनी जमीन को बचाने की गुहार लगाई है। डॉ. रोशन ने कहा है कि मैं लगातार बाहर रहता हूं और मेरी जमीन पर दबंगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है। मैं जब 24 दिसंबर को अपनी जमीन पर चल रहे कार्य को रोकने की कोशिश की, तो दबंगों ने मुझे मारने-पीटने के लिए दौड़ाया और जान से मारने की भी धमकी दी है।

जमीन बचाने के लिए महिला ने लगाई गुहार

RANCHI : रातू थाना क्षेत्र निवासी झिरी देवी अपनी खतियानी जमीन को भू-माफिया के चुंगल से बचाने के लिए दर-दर भटक रही है। मंगलवार को झिरी देवी ने मीडिया के समक्ष अपना मामला रखा। इस दौरान झिरी देवी ने पुलिस पर आरोप भी लगाया। मीडिया के जरिए सीएम हेमंत सोरेन से गुहार लगाते हुए जमीन को जबरन कब्जा करने से बचाने की गुहार लगाई। साथ ही भू-माफिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग की। झिरी देवी ने कहा कि मैं एक आदिवासी महिला हूं। मेरी रातू थाना अंतर्गत मौजा तिलता में खाता नंबर 11-12 में कायमी और खाता नंबर 106 मे बेकास्ट जमीन 2 एकड़ 74 डिसमिल खतियानी जमीन है। यज्ञ खतियान में छोटका कंदुवा मुंडा वल्द लक्ष्मण मुंडा के नाम से दर्ज है।

राज्य की भावना के अनुरूप काम करती है हमारी सरकार : हेमंत

RANCHI : मंगलवार को कैबिनेट की बैठक खत्म होने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम 2024 के अंतिम पड़ाव पर हैं। सभी को 2025 का इंतजार है। 2025 राज्यवासियों के लिए मंगलमय हो। राज्यवासियों को उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि हमारी पूरी मंशा है कि सरकार की आवाज इस राज्य के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। राज्य को बेहतर बनाना हमारा लक्ष्य है। दूरदर्शिता वाली हमारी सरकार इस राज्य की भावना के अनुरूप काम करती है। पेसा कानून राज्य में लागू कराने को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि हम पहले से ही इसे लेकर चर्चा करते रहे हैं। जल्द ही इसको लेकर भी निर्णय आप सबके सामने होगा।

महाकुंभ में शामिल होने के लिए यूपी से मिला हेमंत को निमंत्रण

PHOTON NEWS RANCHI :
मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा (कैबिनेट) मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं कारागार (राज्यमंत्री) सुरेश राही ने मुलाकात की। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री को भारतीय संस्कृति एवं आस्था के प्रतीक प्रयागराज महाकुंभ- 2025 में सम्मिलित होने के लिए न्योता दिया। मुख्यमंत्री हेमंत को मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं सुरेश राही ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उनका आमंत्रण, पवित्र, गंगाजल एवं महाकुंभ का प्रतीक चिह्न भेंट कर महाकुंभ में आने के लिए आमंत्रित किया है। इस विशेष आमंत्रण को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उत्तर प्रदेश के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और सुरेश राही को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

पैसों के लेन-देन में की गई थी हजारीबाग के दंपती की हत्या

कुल्हाड़ी से काटा था पति का गला, महिला को भी मार कर जंगल में फेंका

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में 20 दिसंबर को की सिर कटी पुरुष और मुफस्सिल थाना क्षेत्र में 22 दिसंबर को महिला की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। मृतक की पहचान हजारीबाग जिले के कोर्रा निवासी निर्मल एक्का और उनकी पत्नी रश्मि मोनिका सनमानी के रुप में की गई। इधर, शव मिलने के 48 घंटों के अंदर ही पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में सोनुआ निवासी रामराई सुरीन, मंगता सुरीन और झींकपानी निवासी बुधन सिंह सवैयां शामिल है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी को बरामद कर लिया है। मंगलवार को जिले के एसपी आशुतोष शेखर ने मामले का खुलासा किया।

सेंट्रल जेल में बंद रहने के दौरान हुई थी मुलाकात

एसपी ने बताया कि मृतक निर्मल एक्का पूर्व सैनिक था और फिलहाल हजारीबाग जेल में गार्ड के रुप में तैनात थे। आरोपी रामराई सुरीन हत्या के मामले में हजारीबाग जेल में बंद था। दोनों की पहचान जेल में ही हुई थी। जेल में काम करते हुए निर्मल ने एक जमीन खरीदी थी जिसके लिए उसे रुपयों की जरुरत थी। निर्मल ने रामराई से साल 2021 से कुल 5.50 लाख रुपये लिए और लौटा देने की बात कही। जब निर्मल रुपये वापस नहीं लौटा पाया तो उसने रामराई को रुपयों के बदले अपनी कार देने की पेशकश की, जिसे रामराई ने 9 अक्टूबर को जेल से रिहा होने के बाद निर्मल के घर जाकर कार ले लिया।

दंपती की फाइल फोटो

घाघीडीह जेल में मनोज सिंह की हत्या में जेल में बंद था रामराई

रामराई के बारे में बताया गया कि वह साल 2012 में सोनुआ में हुए एक हत्या के मामले में जेल में सजा काट रहा था। वह घाघीडीह जेल में बंद था जहां साल 2019 में हुए मनोज सिंह हत्याकांड में उसे कोर्ट ने फांसी की सजा भी सुनाई थी। हालांकि बाद में हाइकोर्ट ने उसे बरी कर दिया था।

परिजनों ने दर्ज कराई थी लापता होने की शिकायत

निर्मल के परिजनों ने हजारीबाग में निर्मल और रश्मि के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। परिजनों ने पुलिस को बताया था कि 17 दिसंबर को निर्मल और रश्मि चक्रधरपुर के लिए निकले थे। 19 दिसंबर तक दोनों से फोन पर बात हुई पर उसके बाद फोन बंद हो गया। इसके आधार पर दोनों शवों की पहचान कर पुलिस जांच में जुटी। अंत में तकनीकी सहायता से पुलिस हत्यारे तक पहुंची।

सिर को पास में ही पत्थर से छिपा दिया था

रामराई निर्मल को घने जंगलों में ले गया जहां अपने साथियों के साथ मिलकर निर्मल की हत्या कर सिर को धड़ से अलग कर दिया। इसके बाद धड़ को कार की डिक्की में रखकर उड़वा के जंगलों में फेंक दिया, जबकि सिर को थोड़ी ही दूर पत्थर से छिपा दिया। इसके दूसरे दिन 20 दिसंबर को रश्मि की भी हत्या कर दी। कार को बुधन के घर पर खड़ी कर खुद अपने घर चला गया।

कार खराब निकलने पर शुरू हुआ था विवाद

रामराई के अनुसार कार में कुछ खराबी थी, जिसे लेकर विवाद शुरू हो गया था। रामराई ने निर्मल से पैसे मांगे तो निर्मल ने अपनी कार वापस लौटाने के लिए कहा। इसी बीच 17 दिसंबर को निर्मल अपनी पत्नी रश्मि के साथ कार लेने बस से चाईबासा आया था, जहां खुद रामराई ने दोनों को उसी कार से रिसीव किया। इसके बाद दोनों को अपने साथी बुधन सिंह के झींकपानी स्थित आवास में ले गया, जहां दोनों को दो दिनों तक रुकने को कहा। 19 दिसंबर को रामराई ने निर्मल को यह बोलकर बिठाया कि दोनों को चक्रधरपुर छोड़ देंगे।

पारा शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष की हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नीमडीह रेलवे स्टेशन से पकड़ाया, हथियार छिपाने वाला भी हत्थे चढ़ा

PHOTON NEWS SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना क्षेत्र के बड़डीह गांव में पारा शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष और यशपुर पंचायत की मुखिया पार्वती सरदार के पति सोनू सरदार की 13 दिसंबर की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए पूर्व में पांच आरोपियों को गिरफ्तार जेल भेज दिया था, जबकि मुख्य आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने मुख्य आरोपी बीरबल सरदार को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा बीरबल के साथी रवि महतो उर्फ कोंका भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त स्कूटी और पिस्टल भी बरामद कर लिया है।

जिला से भागने की फिराक में था बीरबल

मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद सभी फरार चल रहे थे। मामले मे पूर्व में गंजिया निवासी आशीष गोराई, विश्वजीत नायक, बड़डीह निवासी अनिल सरदार, राजगांव निवासी आनंद दास और सूरज मार्डी को गिरफ्तार किया था। बीरबल और लक्खीचरण फरार थे। पुलिस के दबाव में आकर लक्खीचरण ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था, जबकि बीरबल पुलिस की नजरों से भाग रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बीरबल नीमडीह रेलवे स्टेशन के आसपास छिपा है और जिला छोड़ने की तैयारी कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर बीरबल को गिरफ्तार कर लिया।

अवैध कारोबार का विरोध बना हत्या की वजह

सोनू सरदार क्षेत्र में चल रहे अवैध कारोबार का कड़ा विरोध कर रहा था। आरोपी इसी अवैध कारोबार में संलिप्त थे, जिससे वे सोनू से नाराज चल रहे थे। हत्या की साजिश मास्टरमाइंड बीरबल सरदार ने रची थी। योजना के अनुसार, सभी आरोपियों ने मिलकर सोनू सरदार की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए।

समाचार सार

हर-हर महादेव सेवा संघ ने जरूरतमंदों में बांटे कंबल

GHATSILA : बढ़ती ठंड को देखते हुए हर-हर महादेव सेवा संघ ने मंगलवार को जरूरतमंदों में कंबल वितरित किया। संघ के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले के नेतृत्व में घाटशिला के जिला परिषद सदस्य कर्ण सिंह की देखरेख में घाटशिला के विभिन्न क्षेत्रों में कंबल वितरण हुआ। इस मौके पर काले ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना संघ की प्राथमिकता है। पिछले 24 वर्षों से संघ के सदस्य समर्पित भाव से सेवा कर रहे हैं। कार्यक्रम में काशिदा की उपमुखिया लक्ष्मी सिंह, दीपक मिश्रा, हरेश्वर सिंह, साहिल आनंद आदि थे।

आयोग से बांग्ला पाठ्य पुस्तक देने की मांग

GHATSILA : राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष को ज्ञापन सौंप कर भाषाई अल्पसंख्यक विद्यालयों में विभिन्न समस्या का समाधान करने की मांग की गई है। जगदीश चंद्र उच्च विद्यालय, घाटशिला की प्रबंध समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी ने बताया कि यह एक भाषाई अल्पसंख्यक माध्यमिक विद्यालय हैं. जो लगभग 100 वर्ष पुराना है। इस विद्यालय को 1943 में मान्यता मिली थी। वर्तमान में पंचम वर्ग से दशम वर्ग तक कुल 1015 छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं। आयोग से कहा कि यहां छात्रों को जिला स्तर से कोई भी बांग्ला पुस्तक उपलब्ध नहीं कराया जाता है। विद्यालय प्रबंध समिति अपने स्तर से पश्चिम बंगाल से पुस्तकें खरीद कर छात्रों को उपलब्ध कराता है।

बंगाली स्कूल में धूमधाम से मना वार्षिकोत्सव

CHAKRADHARPUR : बंगाली बालिका उच्च विद्यालय में मंगलवार को धूमधाम से वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में विधायक सुखराम उरांव बतौर मुख्य अतिथि और बीईओ संजीव कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। इस दौरान स्कूल की छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। छात्राओं के द्वारा जिन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया उनमें, स्वागत नृत्य, बिहू नृत्य, मादक पदार्थ पर नाटक, तमिल हिंदी रीमिक्स, मानव तस्करी पर नाटक, सुंदर झारखंड, हास्य नाटक, हो नृत्य, बाल विवाह पर नाटक, महाभारत टाइटल गीत, फैशन शो, डांडिया नृत्य, आदिवासी नृत्य और क्रिसमस नृत्य शामिल थे। इसके बाद विधायक ने स्कूल की मेधावी छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किया।

टाटा-इतवारी एक्सप्रेस 29 को रहेगी रद्द

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण 29 दिसंबर को टाटानगर-इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। वहीं ट्रेन नंबर-18478 योगनगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस, जो 28 दिसंबर को खुलेगी, डायवर्ट रूट से चलेगी। यह ट्रेन 29 दिसंबर को टाटानगर नहीं आएगी। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक यह ट्रेन ईब-झारसुगड़ा रोड-संबलपुर -तालचर रोड़-कटक के रास्ते चलेगी। अचानक ट्रेन के डायवर्ट रूट से चलने से पूर्व से टिकट कराएं, यात्रियों को परेशानी होगी।

मंत्री ने बांग्ला स्कूल में बांटे स्वेटर

CHAIBASA : चाईबासा के आदर्श नगरपालिका बांग्ला मध्य विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के बीच मंत्री दीपक बिरुवा ने स्वेटर वितरण किया। इस मौके पर बतौर अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज टोप्पो व जिला शिक्षा अधीक्षक प्रवीण कुमार भी मौजूद थे। एसआर रूंगटा ग्रुप के सौजन्य से विद्यालय प्रबंधन समिति को कुल 435 बच्चों के लिए स्वेटर उपलब्ध कराए गए थे।

वसुंधरा एस्टेट में आज होगा शिव कथा का शुभारंभ

JAMSHEDPUR : मानगो के एनएच-33 स्थित वसुंधरा एस्टेट (नियर इरिगेशन कॉलोनी) में सात दिवसीय त्रिशूल शिव महापुराण कथा का 25 दिसंबर से शुभारंभ होगा, जो 1 जनवरी बुधवार तक चलेगा। श्रीधाम वृंदावन के स्वामी वृजनंदन शास्त्री जी महाराज श्री शिव कथा का प्रसंग रोजाना संध्या 4 से 7 बजे तक करेंगे। महाराज द्धारा व्यासपीठ से कथा वाचन के दौरान भगवान के अलग-अलग रूपों की झांकियों का दर्शन भी कराया जाएगा। इसका आयोजन किरण-उमाशंकर शर्मा परिवार द्धारा किया जा रहा है। प्रथम दिन बुधवार 25 दिसंबर को कलश यात्रा से श्री शिव कथा का शुभारंभ होगा। अंतिम दिन एक जनवरी की शाम को भव्य भंडारा के साथ इस धार्मिक कार्यक्रम का समापन होगा। शिवकथा महोत्सव का आस्था चैनल पर सीधा प्रसारण होगा।

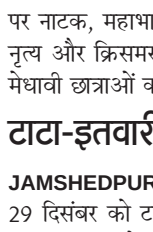

युद्धस्तर पर हो रहा अंडरपास का निर्माण दोपहर से ही हावड़ा-मुंबई रेलमार्ग रहा ठप

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल में हावड़ा-मुंबई मुख्य मार्ग पर मंगलवार को चक्रधरपुर में भारत भवन के पास फकीर मोहल्ला में अंडरपास का निर्माण शुरू हुआ। अंडरपास निर्माण में दो 140 टन के क्रेन और चार पोकलेन मशीन सहित अन्य मशीनों की मदद ली गई। इस कार्य में सैकड़ों रेलकर्मी, ठेका मजदूर लगाए गए। वहीं मौके पर रेल अधिकारी और ठेकेदार भी मौजूद रहे।अंडरपास निर्माण के कारण दोपहर के बाद चक्रधरपुर स्टेशन में ट्रेनों का परिचालन ठप पड़ गया। आठ यात्री ट्रेनें रद्द रहीं। वहीं निर्माण कार्य को देखने के लिए कार्यस्थल पर लोगों की भीड़ भी मौजूद रही। दोपहर 11.30 बजे अंडरपास निर्माण के लिए प्लान के मुताबिक रेलवे द्वारा 6 घंटे का ब्लॉक लिया गया।

अंडरपास निर्माण देखने जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

विधायक सुखराम उरांव का छात्रों ने किया स्वागत

चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव भी कार्यस्थल पर पहुंचे। यहां आसपास के लोगों और उर्दू स्कूल के छात्रों ने विधायक का स्वागत फूल से किया। मालूम रहे कि इस अंडरपास निर्माण में विधायक सुखराम की अहम भूमिका है। विधायक की ही पहल पर रेलवे को तकरीबन 4 करोड़ का फंड राज्य सरकार ने डीएमएफटी से उपलब्ध कराया है। इसके बाद रेलवे ने अंडरपास का निर्माण शुरू किया। इस अंडरपास को पूरा होने में एक से डेढ़ महीने का वक्त लगने की बात कही जा रही है। क्योंकि अंडरपास का फिनिशिंग वर्क, गार्ड वाल, जल निकासी, अप्रोच रोड निर्माण कार्य भी किया जाएगा। बहरहाल लोगों में अंडरपास निर्माण से काफी खुशी है। लोगों का कहना है कि अंडरपास के बनने से अब लोगों को जान जोखिम में डालकर रेल पटरी को पैदल या साइकिल लेकर पार नहीं करना पड़ेगा। इसका ज्यादातर लाभ बच्चे, बूढ़े, बीमार, छोटे वाहन और ठेला चलाने वालों को होगा, जिन्हें रेलवे ओवरब्रिज को पार करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता था।

रामलीला मैदान के पास डिवाइडर से टकराया मोक्ष वाहन

JAMSHEDPUR : साकची स्थित रामलीला मैदान के पास एक मोक्ष (शव) वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। घटना मंगलवार सुबह की बताई जा रही है। इस घटना में वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि किसी को चोट नहीं आई है। इधर, घटना के बाद चालक वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार वाहन साकची से काशीडीह की ओर जा रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुकान के उधार को लेकर हुआ विवाद, युवक पर चाकू से हमला

JAMSHEDPUR : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के कल्याण नगर में आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मंगलवार दोपहर 37 वर्षीय शैलेंद्र साहू को 7-8 युवकों ने चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल शैलेंद्र को तुरंत इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में घायल शैलेंद्र के भाई उपेंद्र साहू ने बताया कि उनकी किराने की दुकान में स्थानीय निवासी राजेश साहू नशे की हालत में आया और उधार सामान मांगने लगा। जब उपेंद्र ने पहले का बकाया चुकाने की बात कही, तो राजेश गुस्से में उलझ पड़ा और थोड़ी देर बाद 7-8 युवकों को साथ लेकर दुकान में आ धमका। राजेश और उसके साथियों ने उपेंद्र से झगड़ा शुरू कर दिया। शोर-शराबा सुनकर शैलेंद्र साहू मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव करने की कोशिश की। इसी दौरान झगड़ा कर रहे युवकों ने चाकू से उस पर कई बार हमला कर दिया। घटना के बाद शोर सुनकर स्थानीय लोग जमा हो गए, जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। परिजन घायल शैलेंद्र को लेकर पहले सीतारामडेरा थाना पहुंचे और घटना की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने शैलेंद्र को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा। उपेंद्र ने बताया कि झगड़ा करने वाले सभी युवकों के पास चाकू था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इलाजरत घायल

मैट्रिक में 25,380 और इंटर में 22,256 परीक्षार्थी होंगे शामिल

समाहरणालय सभागार में बैठक को संबोधित करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

JAMSHEDPUR : जिले में मैट्रिक और इंटर की परीक्षा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। मंगलवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में परीक्षा केंद्र निर्धारण को लेकर बैठक हुई। इसमें परीक्षा संचालन की सुगमता और सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एडीएम अनिकेत सचान, एसडीएम धालभूम शताब्दी मजूमदार, सिटी एसपी कुमार शिवाशीष, सांसद और विधायकों के प्रतिनिधि, जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष पांडेय, जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार समेत शिक्षा संघों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उपायुक्त ने बताया कि इस साल मैट्रिक परीक्षा में जिले के 25,380 और इंटर परीक्षा में 22,256 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें इंटर कला संकाय के 13,595, विज्ञान के 4,697 और वाणिज्य के 3,964 छात्र हैं।

जिले में परीक्षा केंद्रों का निर्धारण कर लिया गया है। धालभूम अनुमंडल में मैट्रिक के 45 और इंटर के 23 केंद्र बनाए गए हैं। वहीं, घाटशिला अनुमंडल में मैट्रिक के 26 और इंटर के 12 केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

अंबेडकर सम्मान मार्च में उमड़े कांग्रेस कार्यकर्ता

साकची में नारेबाजी करते कांग्रेस कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला, जिसमें काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में यह मार्च पुराना कोर्ट के समीप पहुंचा, जहां डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किया गया। कार्यकर्ताओं ने गृह मंत्री अमित शाह को बर्खास्त करो..., नरेंद्र मोदी गद्दी छोड़ो..., भाजपा की मानसिकता हाय-हाय..., अमित शाह माफी मांगो... आदि नारे लगाए। इसके बाद कार्यकर्ता उपायुक्त कार्यालय पहुंचे, जहां सम्मान मार्च सभा में तब्दील हो गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि विगत दिनों राज्यसभा में घटित घटना व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर फर्जी एफआईआर दर्ज किया गया। यह कृत्य अंबेडकर के बारे में अमित शाह की बेहद अपमानजनक टिप्पणी से ध्यान हटाने और असहमति की आवाजों को दबाने का प्रयास है। भाजपा की कार्यवाही न केवल नेताओं पर, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। प्रदर्शन के उपरांत उपयुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मांगपत्र सौंपा गया। इसमें अमित शाह के इस्तीफे की मांग की गई है। प्रदर्शन में राकेश कुमार तिवारी, परविंदर सिंह, देबु चटर्जी, अतुल गुप्ता, के-के शुक्ल, सामंता कुमार, शफीअहमद खान, गुलरेज अख्तर अंसारी, जसवंत सिंह जस्सी, अरुण कुमार सिंह, ब्रजेंद्र तिवारी, संजय सिंह आजाद आदि भी थे।

कांग्रेसियों ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

CHAIBASA : प. सिंहभूम जिला में कांग्रेसियों ने मंगलवार को बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला। जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास के नेतृत्व में निकला मार्च कांग्रेस भवन, चाईबासा से प्रारंभ होकर प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचा, जहां विधायक सोनाराम सिंकू के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम आठ सूत्री मांगपत्र सौंपा गया। इस मौके पर देवेंद्रनाथ चांपिया, नीतिमा बारी, लक्ष्मण हांसदा, आनंद सिंकू, मायाधर बेहरा, अशरफुल होदा आदि मौजूद थे।

विजय टू खदान में 14 सूत्री मांग पर ठंड में भी रात भर डटे रहे कर्मचारी-मजदूर, 27 को श्रमायुक्त की अध्यक्षता में वार्ता का प्रस्ताव

टाटा स्टील के आयरन ओर माइंस में आर्थिक नाकेबंदी जारी

PHOTON NEWS CHAIBASA : टाटा स्टील की विजय-टू लौह अयस्क खदान में 23 दिसंबर की सुबह 5 बजे से झारखंड मजदूर यूनियन द्वारा जारी आर्थिक नाकेबंदी दूसरे दिन 24 दिसंबर को भी जारी रही। इस खदान के सैकड़ों मजदूरों ने अपनी 14 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालिन आर्थिक नाकेबंदी करते हुए खदान का उत्पादन व माल ढुलाई को पूरी तरह से ठप कर रखा है।

इस आंदोलन पर टाटा स्टील प्रबंधन भी सक्रिय नहीं दिख रहा है। वह मजदूरों से वार्ता करने अब तक आंदोलन स्थल पर नहीं गया है। इससे समस्या का समाधान होता नहीं दिख रहा है। कड़ाके की पड़ रही ठंड के बीच सैकड़ों मजदूर रात भर आग तापते हुए डटे रहे। मजदूरों ने बताया कि खदान सारंडा के घने जंगल में है। हमलोग 23 दिसंबर को दोपहर बाद सिर्फ खाना खाए थे। रात में खाना नहीं बनाया गया था। ठंड से बचाव के लिए प्लास्टिक को पेड़ों के सहारे टांग तथा कुछ लकड़ियां जलाकर ठंड में जैसे-तैसे रात गुजारे। इन आंदोलनकारी मजदूरों के साथ रातभर पुलिस के पदाधिकारी व जवान भी ठंड में परेशान व ठिठुरते रहे। चारों तरफ से आ रही ठंडी हवाओं से मजदूरों को ठंड लगने का भी खतरा बना हुआ था। इस आंदोलन में साथ दे रही सारंडा की ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षा के दृष्टिकोण से 23 दिसंबर की देर शाम ही वापस भेज दिया गया था। आज पुनः ये महिलाएं दिन भर आंदोलन स्थल पर रहीं। यूनियन के अध्यक्ष दीनबंधु पात्रो ने बताया कि तमाम प्रकार का आंदोलन परेशानियों व शोषण-अत्याचार से हीं उत्पन्न होता है। यह सही है कि रात भर हमारे मजदूर ठंड में ठिठुरते व बिना सोए रहे। हम शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं एवं जीत प्राप्त कर ही लौटेंगे। उन्होंने कहा कि हमने टाटा स्टील की आवश्यक सेवा से जुड़ी तमाम चीजों को मुक्त रखा है। खदान के सुरक्षा गार्ड को छोड़ किसी को भी खदान के अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। बिना पहचान पत्र के सुरक्षा गार्ड के अधिकारी को भी खदान में जाने नहीं दिया गया। हम सभी मजदूर संगठित और जोश से भरे हैं। उन्होंने बताया कि सहायक श्रमायुक्त स्तर पर चाईबासा में 27 दिसंबर को इस मामले को लेकर वार्ता रखी गई है। इसका पत्र हमें मिला है। हमारी मांगें कंपनी वार्ता टेबल पर आकर पूरा करे।

धरना पर बैठे मजदूर ● फोटोन न्यूज

यूनियन ने रखी मांग

झारखंड मजदूर यूनियन ने जो मांगें प्रबंधन पास रखी है उसमे 100 स्थानीय ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को स्थायी रोजगार देना, लंबे समय से कार्यरत स्थानीय मजदूरों का स्थायीकरण करना, मजदूरों को मेडिकल जांच में अनफिट पाए जाने पर कंपनी-वेंडर द्वारा इलाज कराके दोबारा काम पर रखना, कंपनी एवं ठेकादार के अधीन कार्यरत मजदूरों को ईएसआई चिकित्सा सुविधा का लाभ देना, सभी ठेका मजदूरों को योग्यतानुसार सही वेतन देना, सभी ठेका मजदूरों को 20 प्रतिशत बोनस एवं डस्ट एलाउंस एक समान मिलना चाहिए, मजदूर की मृत्यु हो जाने पर उसका बेटा या पत्नी को नौकरी देना, कार्यस्थल में दुर्घटना होने पर मेडिकल सुविधा एवं वेतन भुगतान जारी रखना, मजदूर का मृत्यु या सेवानिवृत्त होने पर उनको उचित राशि देना, ठेका मजदूरों को नियुक्ति पत्र देना, कंपनी और ठेका मजदूरों के लिए कैंटीन की सुविधा, जब भी ठेकेदार बदली होता है तो 45 से 90 दिन के अन्दर फूल एवं फाइनल राशि का भुगतान होना, 5 साल काम करने पर ग्रेच्युटी मिलना, यदि मजदूर अपने कार्यकाल में गंभीर बीमारी से ग्रस्त होता है तो उसके घरवालों को नौकरी देना आदि शामिल हैं।

इनकी रही सक्रियता : झारखंड मजदूर यूनियन के कोल्हान प्रमंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद मोहंती, जिलाध्यक्ष आशीष कुदादा, उपाध्यक्ष करनेश जेराई, महासचिव राजेंद्र चांपिया, बराईबुरु इकाई के अध्यक्ष दीनबंधू पात्रो, महासचिव दुलाल चांपिया, उपाध्यक्ष परमेश्वर बुरमा, पूर्व जिप सदस्य बामिया माझी, मधु सिधु, लखन चांपिया, बागी चांपिया, सुखराम सिधु, सादो देवगम, कमल बुरमा आदि के अलावे गुवा व किरीबुरु इकाई के पदाधिकारी तथा सारंडा के विभिन्न गांवों के सैकड़ों ग्रामीण व महिलाएं पारंपरिक हथियारों से लैस हैं।

BRIEF NEWS

सीवान में 782 लीटर अवैध शराब बरामद

SIWAN : सीवान में मद्य निषेध विभाग की टीम ने आज 781.68 लीटर अवैध शराब बरामद की है।साथ ही शराब तस्करी के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीवान सदर की टीम ने एक स्कॉर्पियो गाड़ी से 781.68 लीटर अवैध देसी और विदेशी शराब जब्त की है। इस कार्रवाई के दौरान शराब की तस्करी में शामिल दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने कहा कि यह अवैध शराब उत्तर प्रदेश से सीवान लाई जा रही थी। वाहन को जब्त कर उसके स्वामी और इस तस्करी में शामिल अन्य कारोबारियों की पहचान कर जांच प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

आईजीआईएमएस के पीजी डॉक्टर ने किया सुसाइड

PATNA : पटना आईजीआईएमएस के पीजी डॉक्टर ने सुसाइड कर लिया है। डॉ. आर्यन मूल रूप से सहरसा के रहने वाले थे। घटनास्थल से किसी तरह का कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस को दोपहर करीब 2 बजे सूचना मिली थी। दीघा स्थित अपने आवास पर डॉक्टर आर्यन ने आत्महत्या कर ली है। घर से पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पहुंचे दीघा थानाध्यक्ष ने बताया कि एसएफएल की टीम को बुलाया गया है। वहीं मृतक के पिता भी पटना पहुंच रहे हैं। आपको बता दें डॉ. आर्यन रेडियोलॉजी विभाग में पीजी फर्स्ट ईयर के छात्र थे। जिन्होने अपने आवास पर सुसाइड कर लिया है। लेकिन आत्महत्या की कोई वजह अभी तक निकलकर सामने नहीं आई है। न ही किसी तरह का कोई सुसाइड नोट बरामद हुआ है। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुट गई है।

नाले में नवजात बेटी को फेंककर मां फरार

MUNGER : बिहार के मुंगेर जिले में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। जब एक मां ने अपनी नवजात बेटी को नाले में फेंक दिया, और फिर से भाग गई। नाले में बच्ची की रोने की आवाज सुनकर अस्पतालकर्मियों ने उसे बचाया। अस्पताल प्रशासन ने बच्ची को बाल संरक्षण इकाई को सौंप दिया है। घटना का खुलासा पास में लगे सीसीटीवी से हुआ। जिसमें दिख रहा है कि एक महिला बैग लेकर पहुंचती है। फिर नाली के पास कुछ देर बैठी रहती है। इस दौरान आसपास का माहौल भांपने के बाद नवजात बच्ची को नाली में रख देती है। और फिर वहां से चुपचाप निकल जाती है। इस घटना पर किसी का ध्यान नहीं गया। लेकिन जब नाली में बच्ची मिली, तो फिर पता लगाने की कोशिश की गई कि आखिर बच्च नाली में कैसे गिरी। जिसके बाद आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। घटनास्थल के पास लगे एक सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई। जब अनुमंडल अस्पताल के नवनिर्मित बिल्डिंग के सामने नाले में एक मां अपनी नवजात बेटी को रखकर भाग निकली। फिलहला बच्ची हालत खतरे से बाहर है, और पूरी तरह स्वस्थ्य भी है। बच्ची को अब जिला बाल संरक्षण मुंगेर को सौंप दिया गया है।

प्रगति यात्रा के दूसरे दिन सीएम नीतीश ने स्कूलों का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने पूर्वी चंपारण को दी ₹201 करोड़ की सौगात

AGENCY MOTIHARI : प्रगति यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्वी चंपारण को 201 करोड़ की सौगात दी। यात्रा के दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया। मंगलवार को मोतिहारी के केसरिया में कई योजनाओं का उदघाटन किया। सीएम यहां सुबह करीब 10:37 बजे पहुंचे। उसके बाद सीएम ने नवनिर्मित उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुंदरापुर का उदघाटन किया। यह लगभग 97 लाख 11 हजार की लागत से बना है। सीएम ने 9.89 लाख से विद्यालय परिसर में बने खेल कोर्ट का उदघाटन किया। इसके अलावा विद्यालय परिसर में 9.24 लाख से बने अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने कई योजनाओं का लोकार्पण किया। सीएम ने विद्यालय के कंप्यूटर क्लास का निरीक्षण किया। सीएम को देख बच्चे बेहद उत्साहित थे। इसके बाद

स्कूल का निरीक्षण करते सीएम नीतीश कुमार व अन्य।

सीएम विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। मोतिहारी में कचहरी रेलवे गुमटी पर बने रेल ओवर ब्रिज पर फीता काटकर ब्रिज को आम लोगों को समर्पित किया। इस पुल का निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के द्वारा 29 करोड़ 95 लाख रुपये के लागत से किया गया है। जिसके बाद मुख्यमंत्री सुगौली के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जीविका दीदियों से भी संवाद किया। इस दौरान महिलाओं ने बताया कि सीएम नीतीश कुमार ने हमें मदद करने का आश्वासन दिया है, हमारे काम से मुख्यमंत्री काफी खुश हैं। हम सब आर्थिक रूप से और बेहतर हो गए हैं, और अपने पैरों पर खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो हमारे लिए काम किया है, उससे हमारे परिवार और हमारी आर्थिक उन्नति हुई है।

जीविका दीदियों को सीएम ने 2005 वाले दिन याद दिलाए

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को मोतिहारी पहुंचे। इस दौरान सुगौली में उन्होंने जीविका दीदियों से बात की। अपने संबोधन में सीएम नीतीश ने कहा कि 2005 को जब हम सरकार में आए तो देखा कि महिलाएं काफी परेशान है। 2006 में जीविका दीदी को बेहतर करने के लिए हमें लोन लेना पड़ा था। इसे आप लोग याद रखिएगा, आपके लिए क्या किया है। हमें महिलाएं ही जन्म देती हैं, इसलिए हमें इनका ख्याल रखना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मौके पर 30 जीविका दीदियां थीं। प्रगति यात्रा के दौरान सीएम ने 200 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 110 योजनाओं की सौगात मोतिहारी वासियों को दी। सीएम ने जीविका दीदियों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके आर्थिक विकास पर जोर दिया।

गोदाम में अचानक लगी आग, मची अफरा-तफरी

BHAGALPUR : जिले में मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के बाल्टी कारखाना चौक के समीप मंगलवार को एक गोदाम में अचानक आग लग गई। गोदाम में रखे कूड़े कचरे तथा पॉलिथीन में आग पकड़ने के बाद आग ने भयावह रूप ले लिया। स्थानीय लोगों ने काफी देर तक आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। उधर घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची अग्निशमन दस्ते ने काफी मशक्कत पर आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। आसपास के घरों को काफी नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि पहले यहां पॉलीथिन का कारोबार होता था। इस कारण यहां पॉलिथीन का जमावड़ा था। जिसके कारण आज आग लग गई और आग ने इतना भयावह रूप ले लिया कि लोग काबू नहीं कर पाए। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना के बाद मोजाहिदपुर थाना पुलिस, बबरगंज थाना पुलिस के साथ कई थाने के पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद अग्निशमन दस्ते को बुलाया गया।

वाहन चेकिंग के दौरान कार से 70 लाख रुपये बरामद

AGENCY PATNA : राजधानी पटना में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस के द्वारा लगातार विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उसी कड़ी में कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित आयकर गोलंबर पर एक चार पहिया वाहन से लगभग 70 लाख रुपए बरामद किए गए हैं। इसके बाद पुलिस ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भी इसकी सूचना दी। सूचना के बाद इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम पैसे गिनने की मशीन के साथ मौके पर पहुंची। मशीन से पैसे की काउंटिंग की गई जिसमें लगभग 69 लाख कुछ हजार रुपए मिले हैं। बता दें कि कोतवाली थाने की पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान कारोबारी प्रकाश सिंह की गाड़ी से लगभग 70 लाख कैश बरामद किया है। पकड़ा गया शख्स कदमकुआं का एक जमीन कारोबारी बताया जा रहा है। जिस गाड़ी से पैसे मिले हैं, उसका नंबर झारखंड का है। पुलिस पैसे का स्त्रोत और मकसद की जांच में जुटी है। कैश बरामद होने के बाद पुलिस के द्वारा प्रकाश सिंह थाना लाया गया। बाद में पुलिस ने इसकी सूचना इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को दी, जहां इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। प्रकाश से पूछताछ जारी है। लॉ एंड आर्डर डीएसपी की कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया है कि विशेष चेकिंग अभियान के दौरान चार पहिया वाहन से लगभग 70 लाख रुपए बरामद किए गए हैं।

जेपीसी का सदस्य बनते ही शांभवी चौधरी ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर विपक्ष को घेरा

AGENCY PATNA : मंगलवार को समस्तीपुर लोकसभा सीट से सांसद और लोजपा (रामविलास) की नेता शांभवी चौधरी ने वन नेशन वन इलेक्शन के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस विषय पर बने संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य के रूप में चुने जाने पर लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का धन्यवाद किया। इसके साथ ही उन्होंने वन नेशन वन इलेक्शन को देश हित में बताते हुए कहा कि इससे संसाधनों की बचत होगी। शांभवी चौधरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं आभारी हूं कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने मुझे इस महत्वपूर्ण समिति का सदस्य चुना। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे पार्टी के विचारों और मुद्दों को इस समिति के समक्ष रखने का

समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी।

अवसर मिलेगा। इस फैसले के लिए मैं चिराग पासवान को धन्यवाद देती हैं, जिनके नेतृत्व में मुझे यह जिम्मेदारी दी गई है। वन नेशन वन इलेक्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश में अगर सभी चुनाव एक साथ होते हैं तो इससे कई लाभ होंगे। अक्सर देखा जाता है कि तीन-चार महीने के अंतराल में किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं, जिससे पूरा प्रशासन और चुनावी प्रक्रिया प्रभावित होती है। इससे न सिर्फ संसाधनों का अत्यधिक उपयोग होता है, बल्कि सरकारी कामकाजी प्रक्रिया भी बाधित होती है। अगर वन नेशन वन इलेक्शन लागू होता है तो यह न केवल चुनावी खर्चों में कमी लाएगा, बल्कि सरकार को पांच साल तक काम करने का पूरा समय मिलेगा, जिससे शासन में बेहतर कार्य हो पाएगा। वन नेशन वन इलेक्शन पर विपक्ष की आपत्ति को राजनीतिक हितों से प्रेरित बताते हुए उन्होंने कहा कि यह कोई संवैधानिक संकट नहीं है। इस संदर्भ में संविधान का अनुच्छेद 327 स्पष्ट रूप से संसद को यह अधिकार देता है कि वह चुनावों के आयोजन के तरीके को तय कर सकती है। यह किसी भी राज्य सरकार की शक्तियों को कम करने का प्रयास नहीं है।

घर में घुसकर शिक्षिका की गोली मारकर हत्या

SAMASTIPUR : बिहार में अपराधी इतने बेखौफ हो गए हैं कि घर में घुसकर हत्या करने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही मामला समस्तीपुर से सामने आया है। जहां एक शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है। मृत शिक्षिका की पहचान मनीषा शाह के रूप में हुई है। दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के खोकसाह वार्ड संख्या-4 में वारदात को अंजाम दिया गया है। जहां अहले सुबह 5 से 6 की संख्या में हथियारबंद बदमाशों ने एक महिला की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, मृत शिक्षिका मनीषा शाह का बीपीएससी टीआरई- 1 में बहाली हुई थी। वह सरायरंजन प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मनिका में शिक्षिका के रूप में कार्यरत थी।

रेलिंग तोड़ 50 फीट हवा में लटका वाहन विक्रमशिला नदी के पुल पर लगा जाम

AGENCY BHAGALPUR : भागलपुर के विक्रमशिला पुल पर एक अजीबोगरीब हादसा हो गया। ट्रक और हाईवा की भीषण हादसे हो गया। मंगलवार को विक्रमशिला पुल पर भोर में एक हाईवा हवा में लटक गया। गनीमत रही कि नदी में मिनी हाइवा नहीं गिरा। वहीं घटना के बाद से जाम लग गया। विक्रमशिला सेतु पर राहगीरों ने बताया कि भागलपुर की तरफ से जा रही गिट्टी लोड ट्रक व नवगछिया की तरफ से आ रही मिनी हाईवा में आमने-सामने टक्कर हो गई। ट्रक से टकराने के बाद मिनी हाईवा एक सो मीटर दूर जाकर रेलिंग से टकरा गया। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि पूरी तरीके से अनियंत्रित होकर हाईवा में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मिनी हाईवा पुल से लटक

गया। विक्रमशिला सेतु पर राहगीरों ने बताया कि अहले सुबह 4 हादसा हुई है। ट्रक और हाईवा की जोरदार टक्कर में मिनी हाईवा का चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है, जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मौके पर ट्रक चालक फरार हो गया। बताया जा रहा कि भागलपुर का विक्रमशिला सेतु एक्सीडेंटल जोन के रूप में जाना जाता है। हर वर्ष यहां पर करीब 30 से अधिक एक्सीडेंटल केस देखने को मिलता है। इसकी वजह है पुल की चौड़ाई का कम होना। दो लेन का पुल होने से दो बड़ी वाहन के आवागमन में परेशानी बढ़ती है और इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है।

बिहार में महागठबंधन की होगी अगली सरकार : तेजस्वी यादव

AGENCY PATNA : पटना स्थित आरजेडी के प्रदेश कार्यालय में आज पार्टी के सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने की। बैठक में 2020 के सभी जीते और हारे राजद उम्मीदवार, जिला अध्यक्ष और प्रधान महासचिव और जिलों के प्रभारी मौजूद रहे। इस मौके पर तेजस्वी ने कहा कि पार्टी के सदस्यों की संख्या बढ़ाने और आगामी बिहार चुनाव को लेकर चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि बिहार में अगली सरकार महागठबंधन की होगी।राजद की सदस्यता अभियान समीक्षा बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह मौजूद नहीं रहे। इस दौरान तेजस्वी ने कार्यकताओं को पार्टी के विस्तार को लेकर टिप्स दिए। राजद के सदस्यों की संख्या कैसे बढ़ाई जाए, इस पर मंथन हुआ। वहीं बिहार में अगली सरकार राष्ट्रीय जनता दल महागठबंधन की बनने का दावा किया। वहीं बाबा साहेब आंबेडकर पर गृह मंत्री अमित शाह

के बयान की आलोचना करते हुए कहा, कि उन्हें माफी मांगना चाहिए, जो टिप्पणी उन्होने आंबेडकर के लिए की है, उसके लिए उन्हें इस्तीफा देना चाहिए, माफी मांगनी चाहिए। लेकिन भाजपा के लोगों को शर्म कहां है आपको बता दें बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तेजस्वी यादवा कार्यकर्ता संवाद यात्रा भी कर रहे हैं। जिसके दो चरण पूरे हो चुके हैं। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं से फीड बैक रहे हैं। हाल ही में तेजस्वी ने कई बड़ी घोषणा की हैं। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि अगर उनकी सरकार बनी तो माई बहिन मान योजना के तहत गरीब महिलाओं को 2500 रुपए दिए जाएंगे।

पंचायत भवन निर्माण को लेकर झड़प, एक की मौत

NAWADA : मंगलवार को नवादा में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई ।जबकि दो लोग घायल हुए हैं। मृतक की पहचान 70 वर्षीय मो सज्जाद के रूप में की गई है। जिले में कौआकोल थाना क्षेत्र के करमाटांड़ गांव का ये पूरा मामला है। दो पक्षों में हुई हिंसक झड़प के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी अभिनव धीमान मौके पर पहुंचे। उन्होंने खुद स्थिति का जायजा लिया। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस मौजूद है। ताकि किसी तरह का विवाद फिर से शुरू ना हो। हालांकि दोनों पक्षों के बीच तनाव का माहौल कायम है। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान के नेतृत्व में छापेमारी की गई है, जिसमें 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि पंचायत सरकार भवन बनाने को लेकर ये विवाद शुरू हुआ है। इसी विवाद में मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है।

दिल्ली में चार करोड़ का हीरा लूटकर बांका में छिपे थे अपराधी, दो अरेस्ट

AGENCY BANKA : दिल्ली में डकैती मामले में बड़ा खुलासा हुआ। डकैती का तार बिहार से जुड़ा था। दिल्ली और बिहार पुलिस ने मिलकर दो आरोपी को बांका से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कटोरिया थाना क्षेत्र के बलियमारा निवासी महेंद्र यादव और बेरमो गांव के गुड्डू ठाकुर के रूप में हुई है। दोनों को वाहन चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। दरअसल, डकैती की घटना 17 दिसंबर की है। दरअसल, दिल्ली के मॉडल थाना क्षेत्र के सेक्टर 5 के विजय नागपाल के घर जो नौकर काम करता है। वह इसी दो आरोपियों का दोस्त है। नौकर को पहले पता था कि उसके मालिक के पास काफी धन संपत्ति है। आरोपियों ने नौकर दोस्तों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने का प्लान बनाया। 17 सितंबर विजय नागपाल घर में नहीं थे। इसी दौरान दोनों आरोपी और नौकरों ने मिलकर महिलाओं को बंधक बना

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

लिया। चाकू का भय दिखाकर सोना-चांदी, हीरे और नकद रुपये लूट लिए। घटना को अंजाम देने के बाद सभी बिहार का बांका जिला आ गया। यहीं छिपकर रह रहा था। पुलिस के मुताबिक लूटे गए चीजों में 4 करोड़ के करीब हीरा, सोना के आभूषण और करीब साढ़े तीन लाख रुपये नकद है। पुलिस ने लूट के सारे गहने और नकद रुपये बरामद कर ली है। इस सम्बंध में बेलहर एसडीपीओ राजकिशोर कुमार ने बताया कि दोनों अभियुक्तों को कानूनी कार्रवाई के बाद दिल्ली ले जाया जा रहा है।

दरभंगा में दवा दुकानदार की हत्या से सनसनी

बिहार के दरभंगा जिले के मनीगाछी में एक दवा दुकानदार की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नारायणपुर गांव निवासी मनोज कुमार साहु (40) के रूप में हुई है। वह बीते नेहरा थाना इलाके के रागोपुर दक्षिणी पंचायत स्थित नैना गांव में दवा दुकान चलाता था। रोजाना की तरह वह सोमवार रात को दुकान से घर लौट रहा था। इसी बीच अज्ञात अपराधियों ने उसकी हत्या कर शव को रेलवे गुमटी के पास ईंट-भट्टे में फेंक दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पटना में छापेमारी करने गई एसआईटी पर हुआ हमला

PATNA : राजधानी पटना के मनेर में छापेमारी करने गई एसआईटी की टीम पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। सादिकपुर बगीचा गांव में छापेमारी के दौरान एसआईटी और गांव के कुछ लोगों के बीच झड़प हो गई। डीआईजी ने फायरिंग की बात से इनकार किया है। वहीं मनेर थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार के मुताबिक छापेमारी में नौबतपुर की पुलिस व एसआईटी की टीम शामिल थी। पटना में एसआईटी टीम पर हमलाः बताया जाता है कि छापेमारी करने के लिए एसआईटी की टीम सादे लिबास में एक कार से पहुंची और सादिकपुर बगीचा में छापेमारी कर सारण के एक अपराधी को पकड़ा। इससे गांव वाले नाराज हो गए और छापेमारी करने पहुंची एसआईटी पर हमला कर दिया। हमले के दौरान पकड़ा गया अपराधी फरार हो गया। इस बीच गांव में कई राउंड फायरिंग भी हुई है। हालांकि अब तक फायरिंग की पुष्टि नहीं की जा रही है। डीआईजी सह एसएसपी राजीव मिश्रा ने बताया कि पुलिस एक मामले के आरोपित को पकड़ने के लिए गई थी।

खुशखबरी : मार्च 2025 से शुरू होगा निर्माण कार्य, जाम की समस्या से मिलेगी मुक्ति

3900 करोड़ से बनेगा पटना-आरा-सासाराम फोरलेन

AGENCY PATNA : केंद्र सरकार ने पटना-आरा-सासाराम (4-लेन) हाईवे परियोजना के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। इसका निर्माण मार्च 2025 से शुरू हो सकता है। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में 3,900 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बताया जा रहा है कि इस हाईवे को केंद्र सरकार ने हाइब्रिड एन्युटी मोड में बनाने का फैसला लिया है। सड़क के निर्माण के बाद पटना, भोजपुर और रोहतास जिलों के बीच आवागमन आसान हो जाएगी। हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) का मतलब है, सड़क निर्माण और राजमार्ग परियोजनाओं के लिए एक ऐसा मॉडल जिसमें सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर

काम करते हैं। इस मॉडल में, सरकार परियोजना लागत का 40% हिस्सा देती है और बाकी 60% हिस्सा निजी क्षेत्र को उठाना होता है। इस मॉडल के तहत, सरकार पहले पांच सालों में परियोजना लागत का 40% हिस्सा पांच बराबर किस्तों में देती है। बाकी 60% हिस्सा, परियोजना के पूरा होने के बाद, निर्मित परिसंपत्तियों के मूल्य के आधार पर दिया जाता है। इस मॉडल में, परियोजनाओं के मुकदमेबाजी में फंसने, विलंब से पूरा होने, और लागत बढ़ने की आशंका कम रहती है। जानकारों के मुताबिक, यह हाईवे पटना से शुरू होकर आरा और सासाराम होते हुए ग्रैंड ट्रंक रोड से जुड़ेगा। इस परियोजना से पटना और आसपास के क्षेत्रों के बीच यात्रा समय में कमी आएगी और यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। यह हाईवे एक्सेस कंट्रोल टाइप का होगा, जिसका मतलब है कि गाड़ियों के चढ़ने और उतरने के लिए निर्धारित स्थान होंगे, जिससे ट्रैफिक सुगम रहेगा। इस पर अधिकतम गति 100 किमी प्रति घंटा होगी। इस हाईवे में एक महत्वपूर्ण हिस्सा आरा शहर के लिए रिंग रोड का भी होगा, जिससे शहर के ट्रैफिक को व्यवस्थित किया जा सकेगा।

मुजफ्फरपुर में आश्रय गृह बनकर तैयार सीएम करेंगे उद्घाटन

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी प्रखंड स्थित नरौली क्षेत्र में 30 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित वृहद आश्रय गृह का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सीएम नीतीश कुमार 27 दिसंबर को अपनी प्रगति यात्रा के दौरान इसका उद्घाटन करेंगे। यह आश्रय गृह तिरहुत प्रमंडल के सभी जिलों के जरूरतमंद बच्चों को लाभ पहुंचाएगा। इस वृहद आश्रय गृह में बालक गृह और बालिका गृह दोनों के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं। यह सुविधा मुजफ्फरपुर ही नहीं, बल्कि तिरहुत प्रमंडल के अन्य जिलों के बच्चों को भी उपलब्ध होगी। आश्रय गृह में अधीक्षक और अन्य कर्मचारियों के लिए विशेष आवास की व्यवस्था की गई है।

हथियार व चोरी की बाइक के साथ दो बदमाश अरेस्ट

PATNA : बसमतिया थाना पुलिस ने आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के लिए निकले दो बदमाशों को चोरी की मोटरसाइकिल,एक देशी कट्टा,एक जिंदा कारतूस और दो मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया है। बसमतिया थानाध्यक्ष अमर कुमार को मिली गुप्त सूचना पर बसमतिया थाना पुलिस ने यह कार्रवाई रात के एक बजे बेला स्थित मेन रोड पर की।जानकारी फारबिसगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार साहा ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता कर मंगलवार को दी। एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने बताया कि रात्रि करीबन एक बजे बसमतिया थानाध्यक्ष अमर कुमार के नेतृत्व में गुप्त सूचना पर छापामारी बेला मेन रोड में छापेमारी की।

पुरुष शिक्षक को गर्भवती बता दे दी मैटरनिटी लीव

AGENCY HAZIPUR : बिहार में एक पुरुष शिक्षक को मैटरनिटी लीव यानी मातृत्व अवकाश देने का अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। इस कारनामे की वजह से शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह रोचक मामला वैशाली जिले के महुआ प्रखंड का है। हसनपुर सरकारी हाई स्कूल में बीपीएससी से नियुक्त शिक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने दिसंबर महीने में 10 दिन की छुट्टी ली। शिक्षा विभाग के ई शिक्षा कोष पोर्टल पर जब छुट्टियां अपलोड हुईं तो उसमें मैटरनिटी लीव दिखने लगा। सरकारी रिकॉर्ड में शिक्षक जितेंद्र कुमार एक से 10 दिसंबर तक मातृत्व अवकाश पर रहे। जबकि, यह संभव नहीं है। मातृत्व

अवकाश सिर्फ महिला कार्मिकों और शिक्षिकाओं को ही मिलती हैं। गर्भवती होने के दौरान महिला कर्मी मैटरनिटी लीव ले सकती हैं। किसी भी विभाग में पुरुषों को मातृत्व अवकाश देय नहीं हैं। हालांकि, पिता बनने पर बच्चों की देखभाल के लिए उन्हें पैटरनिटी लीव यानी पैतृक अवकाश जरूर मिलता है। फिलहाल, बीपीएससी शिक्षक की मैटरनिटी लीव का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

मनु की रचना नहीं, उनकी स्मृति में लिखी गई कृति है 'मनुस्मृति'

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 'मनुस्मृति' लेकर सदन में गए। मनुस्मृति के हवाले से तमाम छोटी बातें की। वे इतिहास बोध से नहीं जुड़ते। आखिरकार इन मनु का परिचय क्या है। ऋग्वेद वाले मनु या शतपथ ब्राह्मण वाले मनु। हम मनुष्य हैं। मनुष्य का अर्थ है मनु के या मनु का। मानव का अर्थ भी यही है-मनोः अपत्याम मानवः। संस्कृत विद्वान डॉ. सूर्यकांत बाली ने ऐसे तमाम उद्धरण देकर मनुज को मनु की संतान बताया है। मनुज, मनुष्य या मानव मनु के विस्तार हैं। कालगणना की बड़ी इकाई है मन्वंतर। इसके पहले छोटी इकाई है युग। सत्युग, त्रेता, द्वापर और कलयुग चार युगों को जोड़कर महायुग बनता है। 31 महायुग का जोड़ मन्वंतर है। हरेक मन्वंतर में एक मनु हैं। मन्वंतर दो मनुओं के बीच का अंतर काल है। अब तक अनेक मनु हो चुके हैं। एक मनु ऋग्वेद में हैं। ऋग्वेद के ऋषि ने मनु को पिता कहा है। हरेक मंगल कार्य में आगे-आगे चलते हैं। शतपथ ब्राह्मण में वर्णित मनु जलप्रलय में वे मछली की सहायता से अकेले ही बच निकले थे। मनु ने ही सृष्टि बीजों की रक्षा की थी। अथर्ववेद वाले मनु भी ऐसे ही हैं और मत्स्य पुराण वाले मनु भी। जयशंकर प्रसाद की कामायनी में भी इन्हीं मनु का वर्णन है। भारतीय काव्य, पुराण और वैदिक मंत्रों में विस्तृत मनु हमारी राष्ट्रीय स्मृति के रहस्यपूर्ण प्रतीक हैं। मनु की स्मृति में लगभग 2000 वर्ष पहले एक ग्रंथ रचा गया मनुस्मृति। मनुस्मृति की भाषा वैदिक संस्कृत छंदस में नहीं है। मनुस्मृति के श्लोक व्याकरण के अनुशासन में हैं। व्याकरण का अनुशासन पाणिनि ने तय किया। मनुस्मृति की संस्कृत ऋग्वेद-अथर्ववेद के बाद की है। श्लोकों की रचना में भाषा का आधुनिक प्रवाह है। 2000 वर्ष पहले का इतिहास बहुत प्राचीन नहीं है। इसके 500 बरस पहले बुद्ध हैं। मनुस्मृति मनु की रचना नहीं है। यह मनु की स्मृति में लिखी गई किसी अन्य विद्वान की कृति है। वैसी ही जैसी गांधीजी की स्मृति में लिखी कोई पुस्तक है। गांधी का लिखा साहित्य उपलब्ध है, इसलिए हम गांधीजी की स्मृति में लिखे गए ग्रंथों व गांधी द्वारा लिखे गए साहित्य में फर्क कर लेते हैं। मनु ने स्वयं कोई पुस्तक लिखी नहीं। ऋग्वेद में मनु संबधी विवरण ऋषियों के हैं। शतपथ ब्राह्मण या पुराणों के मनु विषयक उल्लेख अन्य रचनाकारों के हैं। जल प्रलय कवि कल्पना या छोटी घटना नहीं थी। इसका उल्लेख बाइबल में है, कुरान में भी है। चीन की कथाओं में है। यूनान के भी कथा सूत्रों में है। जल प्रलय में अकेले बचे मनु ने कोई ग्रथ लिखा नहीं। वे मनुस्मृति के लेखक नहीं हैं। मनुस्मृति के कतिपय अंश वर्ण विभेदक हैं। इसी आधार पर मनुस्मृति की निंदा होती है। इसी किताब को लेकर मनु को गालियां दी जाती हैं। मनु पर जाति व्यवस्था को जन्म देने के आरोप लगाए जाते हैं। बेचारे मनु इस आरोप का उत्तर या स्पष्टीकरण देने के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वे तब भी उपलब्ध नहीं थे, जब मनुस्मृति की रचना हुई। इस विषय पर कुछ भी बोलने वाले मनुवादी कहे जाते हैं। मैं प्रतीक्षा में हूं कि मुझे मनुवादी वगैरह कहा जाए। मूलभूत प्रश्न है कि क्या कोई भी एक व्यक्ति वृहत्तर भारतीय समाज को जाति-पांति में विभाजित करने की शक्ति से लैस हो सकता है। क्या समाज उसके आदेशानुसार जातियों में बंट जाने को तैयार था। क्या उसके आदेशों के सामने पूरा समाज विवश था। वह मनु हों या कोई भी शक्तिशाली सम्राट। क्या एक व्यक्ति ऐसा कार्य करने में सक्षम हो सकता था। क्या शक्ति संपन्न तानाशाह, राजा या बादशाह ऐसी व्यवस्था लागू करने में सक्षम हैं। ऐसे प्रश्नों का उत्तर है- नहीं। डॉ. बीआर अंबेडकर ने जाति के जन्म और विकास पर गहन विवेचन विश्लेषण किया था। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय न्यूयार्क में 9 मई 1916 के दिन एक लिखित भाषण दिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने 1993 में डॉ. बाबा साहब अंबेडकर लेख व भाषण (खंड 1) प्रकाशित किया था। इस पुस्तक में न्यूयार्क वाला भाषण संकलित है। संपादक ने भूमिका (पृष्ठ 14) में भारत में जातियां शीर्षक देकर लिखा है, डॉ. अंबेडकर के अनुसार, भारतीय प्रायद्वीप के एक छोर से दूसरे छोर तक लोगों को सांस्कृतिक एकता ही एक सूत्र में बांधती है। जातियों के संबंध में विद्वानों के मतों का मूल्यांकन करने के बाद अंबेडकर का कथन है कि बहिर्विवाह के ऊपर अंतर्विवाह का अध्यारोपण ही जाति-समूह बनने का मुख्य कारण है। अंबेडकर के अनुसार, समाज के छोटे-छोटे भाग बनना एक प्राकृतिक प्रक्रिया या घटना है। इन्हीं छोटे भागों या समुदायों ने बहिष्करण व अनुकरण द्वारा विभिन्न जातियों का रूप ले लिया। अंबेडकर का यह भाषण पठनीय है। लिखा है, मैं सर्वप्रथम भारत के स्मृतिकार के संबंध में कहूंगा। प्रत्येक देश में आपातकाल में अवतार के रूप में स्मृतिकार उत्पन्न होते हैं, ताकि पतित समाज को सही दिशा बोध कराया जा सके और न्याय तथा नैतिकता का विधान दिया जा सके। स्मृतिकार मनु यदि वास्तव में कोई व्यक्ति थे तो निश्चित ही वह अदम्य साहसी थे। यदि यह कथन सही है कि मनु ने जाति विधान की रचना की थी तो वह अवश्य ही एक दुस्साहसी व्यक्ति रहे होंगे। जिस समाज ने उनके समाज विभाजन नियम को स्वीकार किया, वह अवश्य ही उससे भिन्न रहा होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी : दृष्टि और नेतृत्व का प्रतीक

ANALYSIS

✍ विश्वजीत कुमार सिंह

मीडिया प्रभारी

रांची महानगर जिला

भाजपा

अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में हुआ था। उनके पिता का नाम कृष्णबल्लभ वाजपेयी और मां का नाम कृष्णा देवी था। उनका परिवार एक ब्राह्मण परिवार था, और उनके पिता एक प्रसिद्ध कवि और शिक्षक थे। वाजपेयी जी के प्रारंभिक जीवन में ही साहित्य और कविता के प्रति रुचि विकसित हुई, जो उनके जीवनभर बनी रही। वाजपेयी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्वालियर से प्राप्त की और फिर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री भी प्राप्त की। उनका अध्ययन बहुत ही गहरे और विचारशील तरीके से हुआ था, और यही गुण उनके राजनीतिक जीवन में दिखे। वाजपेयी जी का राजनीतिक जीवन बहुत ही रोमांचक और संघर्षपूर्ण था। उनका राजनीति में प्रवेश भारतीय जनसंघ से हुआ, जो बाद में भारतीय जनता पार्टी के रूप में परिणत हुआ। वाजपेयी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी गतिविधियों से की थी। वह 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल हुए थे और इसी कारण उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। इसके बाद, उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर राष्ट्रीय स्तर पर अपने राजनीतिक कार्यों की शुरूआत की।

अटल बिहारी वाजपेयी की सौंवीं जयंती 25 दिसंबर 2024 को मनाई जाएगी। वह भारतीय राजनीति के एक महान नेता, कवि, और दूरदृष्टि वाले प्रधानमंत्री थे, जिनका जीवन समर्पण, सेवा और राष्ट्र के प्रति प्रेम से प्रेरित था। सौंवीं जयंती अटल जी की महानता का उत्सव है। वाजपेयी जी की सौंवीं जयंती एक ऐतिहासिक अवसर है, जब देश उन्हें उनके योगदान, विचार और दृष्टिकोण को याद करेगा। यह दिन भारतीय राजनीति, कूटनीति, और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सम्मान करने का है। उनकी जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें उनके जीवन और कार्यों पर चर्चा, उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक निर्णयों का स्मरण और उनकी विरासत को संजोने के प्रयास किए जाएंगे।

प्रारंभिक जीवन : अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में हुआ था। उनके पिता का नाम कृष्णबल्लभ वाजपेयी और मां का नाम कृष्णा देवी था। उनका परिवार एक ब्राह्मण परिवार था, और उनके पिता एक प्रसिद्ध कवि और शिक्षक थे। वाजपेयी जी के प्रारंभिक जीवन में ही साहित्य और कविता के प्रति रुचि विकसित हुई, जो उनके जीवनभर बनी रही। वाजपेयी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्वालियर से प्राप्त की और फिर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री भी प्राप्त की। उनका अध्ययन बहुत ही गहरे और विचारशील तरीके से हुआ था, और यही गुण उनके राजनीतिक जीवन में दिखे।

राजनीतिक जीवन : वाजपेयी जी का राजनीतिक जीवन बहुत ही रोमांचक और संघर्षपूर्ण था। उनका राजनीति में प्रवेश भारतीय जनसंघ से हुआ, जो बाद में भारतीय जनता पार्टी के रूप में परिणत हुआ।

भारत छोड़ो आंदोलन और शुरूआती जुड़ाव : वाजपेयी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी गतिविधियों से की थी। वह 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल हुए थे और इसी कारण उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। इसके बाद, उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर राष्ट्रीय स्तर पर अपने राजनीतिक कार्यों की शुरूआत की।

भारतीय जनसंघ में शामिल होना : 1950 के दशक में वाजपेयी जी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ से जुड़कर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। जनसंघ एक समर्पित राष्ट्रवादी पार्टी थी, जो भारतीय संस्कृति और राजनीति को लेकर विशेष दृष्टिकोण रखती थी। वाजपेयी की राजनीतिक विचारधारा भी इसी के अनुरूप थी, जिसमें भारतीयता, राष्ट्रीयता और धर्मनिरपेक्षता का मिश्रण था।

लोकसभा में प्रवेश : 1957 में वाजपेयी ने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा और दिल्ली से जनसंघ के उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की। इसके बाद, उन्होंने लगातार लोकसभा में जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व किया। वाजपेयी का भाषण कला और उनकी बौद्धिक क्षमता ने उन्हें संसद में एक प्रमुख स्थान दिलवाया।

भारतीय जनता पार्टी का गठन : 1980 में भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ और वाजपेयी जी इसके प्रमुख नेताओं में से एक बने। भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई दिशा दी और एक सशक्त वैकल्पिक पार्टी के रूप में उभरी। वाजपेयी ने बीजेपी के माध्यम से भारतीय राजनीति में अपने विचारों को फैलाया, जो भारतीय संस्कृति, समाजवाद, और राष्ट्रवाद पर आधारित थे।

प्रधानमंत्री बनने की यात्रा : वाजपेयी जी की राजनीति में एक अहम मोड़ 1996 में आया, जब वह पहली बार भारत के प्रधानमंत्री बने। हालांकि, वह केवल 13 दिनों तक प्रधानमंत्री रहे, क्योंकि उनकी सरकार विश्वास मत हार गई। फिर 1998 में वाजपेयी जी की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी ने आम चुनावों में विजय प्राप्त की और उन्होंने दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इस बार उनकी सरकार 2004 तक चली, जो भारतीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण दौर था। वाजपेयी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, उन्होंने भारत को एक नए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। उनके नेतृत्व में भारत ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए, जैसे कि पोखरण-क्कपरमाणु परीक्षण, सड़क निर्माण के लिए गोल्डन क्वाड्रिलैटरल योजना और पाकिस्तान के साथ शांति प्रयासों की दिशा में कदम।

वाजपेयी जी की अटल विरासत : अटल बिहारी वाजपेयी की राजनीति, उनके विचार और उनकी नेतृत्व शैली ने भारतीय राजनीति को एक नया दिशा दी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को एक प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी के रूप में स्थापित किया और 1998 में भारत को परमाणु शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर किया। उनकी सरकार के दौरान किए गए सुधार, कूटनीतिक पहल, और आर्थिक नीतियाँ आज भी भारतीय विकास के आधार हैं। वाजपेयी जी की सौवीं जयंती पर, देशभर में उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए विभिन्न आयोजन होंगे, जैसे कि स्मृति सभाएं, चर्चाए, कविता पाठ (क्योंकि वे स्वयं एक कवि थे)ज्ञऔर राजनीतिक विचारों पर विमर्श। यह अवसर उनके नेतृत्व के सिद्धांतों और विचारों को पुनः लागू करने का भी होगा, जो आज के भारत को एक मजबूत, समावेशी और सशक्त राष्ट्र बनाने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के एक महान नेता और भारत के तीन बार प्रधानमंत्री रहे थे। वे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं में से एक थे और भारतीय राजनीति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनकी नेतृत्व शैली और विचारों ने भारत के विकास और विदेश नीति पर गहरी छाप छोड़ी।

अटल बिहारी वाजपेयी के प्रमुख विचार और आदर्श

राष्ट्रीयता और देशभक्ति : वाजपेयी जी भारतीय राष्ट्रीयता के सशक्त समर्थक थे और उन्होंने समग्र मानवतावाद के सिद्धांत को प्रोत्साहित किया। यह सिद्धांत उनके राजनीतिक गुरु दीनदयाल उपाध्याय द्वारा विकसित किया गया था, जिसमें पारंपरिक भारतीय मूल्यों को आधुनिकता के साथ मिलाने की बात की गई थी। उनका मानना था कि भारत का विकास उसकी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ा होना चाहिए।

धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रीय एकता : वाजपेयी जी की धर्मनिरपेक्षता का दृष्टिकोण राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का था, जिसमें भारत की विविधता का सम्मान किया गया। वे भारतीय संविधान के तहत भारत की धर्मनिरपेक्षता को बनाए रखने के पक्षधर थे।

आर्थिक सुधार और विकास : प्रधानमंत्री के रूप में वाजपेयी जी ने भारत में आर्थिक सुधारों और अवसंरचना विकास पर जोर दिया। उनकी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था को उदारीकरण की दिशा में अग्रसर किया। उन्होंने स्वदेशी उद्योगों के लिए समर्थन किया, और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। गोल्डन क्वाड्रिलैटरल जैसे परियोजनाओं की शुरूआत उनकी सरकार के समय हुई, जिससे प्रमुख शहरों को जोड़ने के प्रयास किए गए।

विदेश नीति और कूटनीति : वाजपेयी जी का मानना था कि भारत को अपने पड़ोसियों के साथ शांति और सहयोग के संबंध बनाने चाहिए, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने 1999 में पाकिस्तान के साथ शांति प्रक्रिया की शुरूआत करने के लिए लाहौर बस यात्रा की, लेकिन कारगिल युद्ध के बाद उनकी नीति अधिक सतर्क और मजबूत हो गई। उनका दृष्टिकोण था कि विदेश नीति में भारत को अपने हितों की रक्षा करते हुए शांति कायम रखनी चाहिए। अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के एक महान नेता थे, जिनका दृष्टिकोण और विचारधारा आज भी भारतीय राजनीति और समाज पर गहरा प्रभाव डालते हैं। उनका नेतृत्व दूरदृष्टि, समावेशी विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। वाजपेयी जी का विजन भारतीय राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्षता, और आत्मनिर्भरता पर आधारित था, जो उन्हें भारत के भविष्य के लिए एक मजबूत और स्थिर दिशा दिखाने में मदद करता था।

'ग्राहक संप्रभुता' का मार्ग : अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी

भारतीय चिंतन के दृष्टिकोण से अर्थव्यवस्था के केंद्र बिंदु 'ग्राहक संप्रभुता' पर विचार करने से पहले 'ग्राहक' शब्द का अर्थ समझना आवश्यक है। वैश्विक ग्राहक आंदोलन 'ग्राहक' को बाजार में की जाने वाली खरीद-बिक्री की गतिविधियों तक ही सीमित रखता है, जबकि 'ग्राहक' शब्द अंग्रेजी में 'उपभोक्ता' या 'कस्टमर' का पर्याय नहीं है। इसे हिंदी शब्द 'उपभोक्ता' का पर्याय भी नहीं माना जा सकता। 'उपभोक्ता' शब्द उपभोग की अवधारणा से लिया गया है, जबकि 'ग्राहक' शब्द प्राप्त करने या स्वीकार करने की क्रिया से उत्पन्न हुआ है। दोनों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। उपभोग असीमित है और आवश्यकता के बजाय क्षमता को संतुष्ट करता है, जबकि प्राप्ति आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित है। आवश्यकता पूरी होने पर संतुष्टि प्राप्त होती है। 'ग्राहक' शब्द सुनकर वास्तव में विचार यह होना चाहिए कि ग्राहक ही अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। ग्राहक केवल वस्तुओं और सेवाओं के खरीदार नहीं हैं। ग्राहक आर्थिक ढांचे का केंद्रीय तत्व हैं। ग्राहक की मांग ही उत्पादन प्रक्रिया की शुरूआत करती है और यही मांग अर्थव्यवस्था की गति को बनाए रखती है। ग्राहक की प्राथमिकताएं और शक्ति अर्थव्यवस्था को दिशा देती हैं। अगर ग्राहक उत्पादों या सेवाओं के प्रति उत्साह नहीं दिखाते हैं तो उद्योग और व्यवसाय मंदी का अनुभव कर सकते हैं, जिससे अंततः उत्पादन में कमी और अर्थव्यवस्था में संभावित ठहराव आ सकता है। इसका मतलब है कि आर्थिक समृद्धि के लिए ग्राहक का आत्मविश्वास और क्रय शक्ति आवश्यक है। आर्थिक परिदृश्य में विभिन्न बाजार विकल्पों की उपलब्धता बढ़ रही है, परंतु ग्राहक को प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। उनकी जरूरतें और प्राथमिकताएं अद्वितीय हैं। इसलिए सरकार और विभिन्न व्यवसायी अपने ग्राहक अनुभव और संतुष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतियां तैयार करते हैं। इस संदर्भ में ग्राहक की संप्रभुता का उल्लेख भी महत्वपूर्ण है। ग्राहकों के पास अब ज्ञान और विकल्प दोनों हैं और वे इनका उपयोग संतोषजनक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए करते हैं। उनके लिए अपने अधिकारों और विकल्पों के बारे में जागरूक होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे न केवल उनकी संप्रभुता मजबूत होती है, बल्कि अर्थव्यवस्था भी सशक्त होती है। अंततः हम कह सकते है, 'ग्राहक' अर्थव्यवस्था के विकास और सुधार के लिए जरूरी कुंजी हैं। उनकी संतुष्टि और भरोसा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। किसी भी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ग्राहक की सक्रिय भागीदारी एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन, वर्तमान में वैश्विक आर्थिक गतिविधियां ग्राहक की अनदेखी करते हुए संचालित की जा रही हैं। पारदर्शिता का पूर्ण अभाव है। यही कारण है कि दुनिया की अधिकांश अर्थव्यवस्था इस समय संकट में हैं। सरकार, उत्पादक, कॉरपोरेट और व्यापारी 'ग्राहकों' को अंधेरे में रखकर न केवल उनका शोषण कर रहे हैं, बल्कि अर्थव्यवस्था के पोषक तत्वों को भी नष्ट कर रहे हैं। वे भूल जाते हैं कि जैसे ही ग्राहक का बाजार से भरोसा डगमगाता है, वैसे ही मंदी की काली छाया बाजार को अपनी चपेट में लेने लगती है। ऐसी स्थिति में अर्थव्यवस्था के सभी घटक प्रभावित होने लगते हैं और वे ग्राहकों को बाजार की ओर आकर्षित करने के लिए अप्राकृतिक तरीकों का सहारा लेते हैं। पश्चिमी दुनिया में ग्राहकों की प्रकृति, व्यवहार और विशेषताओं के कारण बाजार मंदी से उबर जाते हैं, लेकिन इसकी कीमत ग्राहकों को चुकानी पड़ती है, जो लगातार कर्ज के बोझ तले दबते जाते हैं। इसके विपरीत हमारे देश में ग्राहक, भारतीय ग्राहक आंदोलनों और सांस्कृतिक प्रवृत्तियों से प्रभावित होकर अपनी आवश्यकताओं को सीमित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। सरकार विभिन्न वित्तीय संस्थानों के माध्यमों से ग्राहकों को अपनी जरूरत बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आसान पूंजी और ऋण उपलब्ध कराने के बाद भी स्थानीय ग्राहक अपनी जरूरतें बढ़ाने में बहुत कम रुचि दिखाते हैं, क्योंकि वे अपने कर्ज का बोझ नहीं बढ़ाना चाहते। भारतीय बाजार में ग्राहक मांग बढ़ाने के कृत्रिम तरीकों से दूर रहते हैं। हालांकि यह स्पष्ट है कि बाजार की समृद्धि पूरी तरह से ग्राहक के व्यवहार और आवश्यकताओं पर निर्भर करती है। इसके बावजूद वर्तमान में सरकार, उत्पादक और व्यापारी ग्राहक की अनदेखी कर रहे हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

सामाजिक कल्याण और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए, भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी नीतियां लागू की हैं। पीएम आवास योजना और मत्स्य सम्पदा योजना जैसी हमारी पहलों ने अनगिनत लोगों के जीवन में उल्लेखनीय सुधार किया है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा, जो आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए जनजीवन का अहम हिस्सा है, गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एंबुलेंस के रिस्पांस टाइम में भारी देरी हो रही है। शहरों में औसतन 25 मिनट और ग्रामीण इलाकों में 40 मिनट का समय लगना तय है, लेकिन वास्तविकता इससे भी ज्यादा चिंताजनक है। कई बार कॉल करने के 60 मिनट बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंचती, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ रही है। जहां 5 मिनट की देरी में लोगों की जिंदगी और मौत तय हो जाती है, वहीं झारखंड में एंबुलेंस 20 से लेकर 30 मिनट तक देरी से पहुंच रही हैं, समय पर इलाज की सुविधा मिलने से जो मरीज ठीक भी हो सकते हैं वो भी एंबुलेंस और इलाज के अभाव में अपनी जान गंवाने को विवश हैं। राज्य में कुल 543 एंबुलेंस हैं, लेकिन इनमें से 77 एंबुलेंस खराब हालत में हैं और सेवा से बाहर हैं। नियमानुसार हर 21 हजार की आबादी पर एक एंबुलेंस होनी चाहिए, लेकिन झारखंड में यह औसत 34 हजार से अधिक है। खराब प्रबंधन और संसाधनों की कमी से मरीजों को समय पर मदद नहीं मिल पा रही है, जिससे परिवारजनों को अपनी जान तक गंवानी पड़ रही है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नए रूप में साम्राज्यवादी शक्तियां

संसद के हालिया सत्र का एक बड़ा हिस्सा विवादित अमेरिकी उद्यमी जार्ज सोरोस को लेकर सत्तापक्ष एवं विपक्ष में तल्ख बयानबाजी की भेंट चढ़ गया। सोरोस उस अधिनायकवादी और साम्राज्यवादी विचारधारा के प्रतीक हैं, जो अपने वैश्विक दृष्टिकोण और व्यापारिक-रणनीतिक हितों के लिए वैश्विक भूगोल, इतिहास और संस्कृति को बदलने पर आमादा हैं। याद रहे कि पारंपरिक औपनिवेशवाद के दिन अब लद चुके हैं। अब न तो सैन्यबल से किसी समाज को नष्ट किया जाता है और न ही किसी देश पर कब्जे से। इसके बावजूद साम्राज्यवादी मानसिकता का अंत नहीं हुआ है। उसने केवल अपना चोला बदला है। अब इसके हथियार सांस्कृतिक, सामाजिक, मजहबी और आर्थिकी पर गढ़ा जाने वाला नैरेटिव है। विदेशी ताकतें लक्षित देशों में बिकाऊ लोगों की एक फौज खड़ी करती हैं, जो लोग इशारा मिलते ही उनके बनाए नैरेटिव पर अपने देश को विरूपित करना शुरू कर देते हैं। इससे माहौल बिगड़ना शुरू हो जाता है। अपने कुत्सित इरादों की पूर्ति के लिए सोरोस ने दुनिया भर में दांव लगाए हैं। इसी कड़ी में 94 वर्षीय सोरोस ने कई अमेरिकी मीडिया संस्थाओं में निवेश किया है। उनकी कुल संपत्ति 44 अरब डालर है, जिसका बड़ा हिस्सा उन्होंने मानवाधिकार और लोकतंत्र के नाम पर खर्च किया है। इस उपक्रम का उद्देश्य दुनिया को अपनी कल्पना के अनुरूप ढालना और अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना है। यही कारण है कि सोरोस पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने का आरोप है। वर्ष 1992 में इंग्लैंड के बैंकों को बर्बाद करके अकूत धन अर्जित करना, 1997 में थाइलैंड की करेंसी को गिराना, 2002 में फ्रांसीसी अदालत द्वारा अनैतिक-अनधिकृत व्यापार का दोषी ठहराना और कई देशों द्वारा सोरोस की संस्थाओं पर जुमार्ना-प्रतिबंध लगाना इसके कुछ उदाहरण हैं। सोरोस और उनकी संस्था अपने नापाक एजेंडे की पूर्ति के लिए अक्सर समाजसेवा और परोपकार का मुखौटा लगाए रहते हैं। भारत सहित तमाम देश विदेशी ताकतों के व्यापक हस्तक्षेप के भुक्तभोगी रहे हैं। इसके प्रभावों की गहन पड़ताल भी हुई है। राजनयिक नरेंद्र सिंह सरीला ने अपनी पुस्तक विभाजन की असली कहानी में लिखा कि अंग्रेजों ने दुनिया के इस हिस्से में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए भारत का विभाजन करके इस्लामी पाकिस्तान को जन्म दिया था। इसके लिए अंग्रेजों ने भारतीयों का ही उपयोग किया। अब सोरोस जैसे लोग भी उसी काम में लगे हैं। बीते दिनों सीरिया में जो हुआ, वह किसी से छिपा नहीं। उससे पहले बांग्लादेश भी नाटकीय घटनाक्रम का साक्षी बना। यह सब विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप और संघर्ष का परिणाम रहा। ऐसे में सोरोस का भारत के आंतरिक मामले में बार-बार दखल देना और उन्हें मिल रहा प्रत्यक्ष-परोक्ष भारतीय समर्थन हमें इतिहास के काले पन्नों की ओर ले जाता है। क्रूर आक्रांता औरंगजेब की मृत्यु के बाद भारत में मुगल शासन कमजोर पड़ा तो मराठा परचम अटक से कटक तक लहरा रहा था। तब सूफी प्रचारक शाह वलीउल्लाह देहलवी ने अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली को भारत पर आक्रमण के लिए लंबी चिट्ठी लिखी, क्योंकि वह काफिर मराठों को पराजित कर भारत में पुनः इस्लामी राज स्थापित करना चाहता था। जब 1761 में पानीपत की तीसरी लड़ाई हुई, तब वलीउल्लाह द्वारा आमंत्रित अब्दाली को भारत में पश्तून रोहिल्लाओं, बलूचियों, शुजाउद्दौला आदि नवाबों के साथ स्थानीय मुस्लिमों का समर्थन मिला और उन्होंने मिलकर मराठों को पराजित कर दिया। इसने मराठाओं का बल घटा दिया, जो वर्ष 1803 के दिल्ली (पटपड़गंज) युद्ध में मराठों की अंग्रेजों के हाथों मिली पराजय का एक बड़ा कारण बना। वलीउल्लाह के विचार ही तालिबान के आधार रहे।

आकाश कुसुम

केंद्र सरकार ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का विचार लागू करने के लिए दो विधेयक पेश कर दिए हैं। अब इस विचार, जिसे सरकार एक राष्ट्र, एक चुनाव कहती है, की व्यवहार्यता या अव्यवहार्यता पर बहस के लिए संसद का मंच सज चुका है। विधेयक पेश करने को लेकर विपक्ष द्वारा मत विभाजन की मांग किए जाने से यह साफ हो गया कि आगे क्या होने वाला है। विधेयक के पक्ष में 263 और विपक्ष में 198 वोट पड़े। एक साथ चुनाव को संभव बनाने की खातिर संवैधानिक संशोधन पारित कराने के लिए सरकार के पास संसद में दो-तिहाई बहुमत नहीं है। एक 39 सदस्यीय संसदीय पैनल दोनों विधेयकों को परखेगा। इन विधेयकों की सामग्री पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अगुवाई वाली समिति की सिफारिशों के अनुरूप है। समिति ने यह परिकल्पना की कि पहले कदम के रूप में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ कराए जाएं और बाद में आम चुनाव के 100 दिनों के भीतर नगरपालिका और पंचायत चुनाव कराए जाएं। नगरपालिका चुनाव कराने की खातिर जरूरी संशोधनों के लिए इन्हें कम से कम आधी राज्य विधानसभाओं से संपुष्टि हासिल करनी होगी। संविधान संशोधन विधेयक एक नया प्रावधान जोड़ना चाहता है, जो एक साथ चुनाव के लिए टाइमलाइन प्रदान करेगा। और जैसा कि विधेयक में उल्लेख है, यह 2034 में ही संभव हो सकता है, बशर्ते कि उससे पहले किसी वजह से लोकसभा के कार्यकाल में कटौती न हो जाए। अन्य प्रावधानों में भी कोविंद समिति की सिफारिशें प्रतिध्वनित होती हैं - उदाहरण के लिए लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ करने के लिए निर्धारित तारीख के बाद अगर कोई राज्य विधानसभा अपने पांच साल के कार्यकाल से पहले भंग होती है, तो ताजा मध्यावधि चुनाव कराए जाएंगे, लेकिन नई विधानसभा के पास पांच साल का पूर्ण कार्यकाल नहीं होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Police reform augurs well for Himachal

HIMACHAL Pradesh is set to usher in a change for its police force. The newly introduced Himachal Pradesh Police Amendment Bill 2024 proposes transitioning police constables from a district cadre to a state cadre. This means that instead of individual districts conducting their own recruitments, a state-level Police Recruitment Board will handle this job. This is in line with the practice followed by states such as Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh, Rajasthan, Andhra Pradesh and Telangana.Supporters aver that centralised recruitment insulates the process from parochial pressures and ensures a more uniform and transparent means of selecting police personnel. A centralised exam eliminates the advantage held by candidates residing near district recruitment centres. The arm's length process also opens the door to a larger talent pool to recruit from. Others, though, feel that it does nothing to level the playing field as urban candidates often have the benefit of better education and accessible coaching facilities than rural folk.

The new amendment also allows for the subordinate police to be deployed outside their district anywhere in the state. Normally, they would stay put in the district they had been recruited from. This has always sparked a debate, with both potential benefits and drawbacks for recruitment, ground-level policing and the constabulary itself.

Proponents argue that a single state cadre for police constables allows for more efficient man management. The government can easily transfer officers to address manpower shortages, respond to emergencies and quickly redress vacancies or gluts across districts as circumstances demand. Quick and fluid deployment is particularly valuable in a state with seasonal tourist influxes.

On the other hand, there is concern that the much used and abused power to shift biased, corrupt or otherwise 'inconvenient' personnel from one place to another, while touted as being in aid of administrative necessity, will tighten executive and legislative hold over the establishment and tend to increase the chance of politicisation.Nevertheless, the change addresses a long-standing grievance of the constabulary: limited promotion prospects within a district cadre. A state cadre system offers more opportunities for advancement, as constables can compete for promotions anywhere across the state. This could boost morale and incentivise better performance. A side benefit: it may reduce litigation born out of perceived injustice in promotions and the like.

The flip side is the potential disruption to personal lives. Constables transferred to new districts often face challenges finding accommodation and adjusting to unfamiliar cultural environments. This could create a sense of instability and distances can fracture family lives and children's education.However, inter-district transfers are much more prone to the dangers of familial disruption and disorientation in large states than a compact one like Himachal. Unlike in big and heavily urbanised states, some of these risks may be minimal in Himachal's case. Police housing arrangements already involve a mix of Police Lines, government-provided housing and private residences. Housing is more easily available and affordable than in big metropolises. Thoughtful postings that send personnel to districts closest to where their families stay could go a long way in maintaining work-life balance.Concerns also exist about the impact on community policing. Critics argue that constables stationed outside the communities they have been born and brought up in may lack the cultural understanding and local knowledge necessary to effectively engage with new communities. This could hinder trust-building and communication, essential for effective ground-level policing.

To foster better police-public relations, some police stations in Himachal have already initiated community policing forums, elsewhere beat policing in specific areas help establish more stable engagement and frequent awareness programmes. Regular meetings and workshops help dispel misconceptions.

Manipur conflict not just a local crisis

It is a microcosm of the broader challenges of managing diversity in a pluralistic society

THE conflict in Manipur, now in its 19th month, shows few signs of an early resolution. In his address on Vijay Diwas on December 16, Chief Minister Biren Singh blamed the unrest on 'certain agencies' that are attempting to destabilise the state. He further cited the role of politically motivated and one-sided information as a major contributor to Manipur's instability. He also claimed that misinformation had been conveyed to Central leaders, creating confusion regarding the appropriate course of action.

In evaluating the situation in Manipur, it is helpful to reflect on how the Indian State has effectively managed insurgencies across the Northeast and why Manipur has now diverged as an exception. The Northeast has long been a battleground of ethnic assertions, with armed movements emerging soon after Independence. These movements, primarily fuelled by tribal groups asserting their identities, have raised demands ranging from secession to calls for greater autonomy. The Indian State has adopted a two-pronged approach to address them: overwhelming military force to establish control and sagacious accommodation of ethnic aspirations.

The Army initially adopted harsh measures, like the forcible relocation of villages, large-scale cordon-and-search operations and retributive punishments. The military's role in suppressing insurgencies has often drawn criticism for human rights violations, yet it succeeded in establishing the writ of the State.Alongside, the government displayed great foresight in addressing the concerns of different ethnic identities. The states of Nagaland, Mizoram and Meghalaya were carved out of Assam, while Manipur and Tripura went from UTs to statehood. Articles 371A, 371C and 371G were incorporated in the Constitution, providing special provisions for the tribal communities. Autonomous councils under the Sixth Schedule further empowered ethnic groups like Bodos, Dimasas, Karbis, Khasi, Garos and Chakmas, giving them legislative and administrative control over land and local customs.

A concerted effort was made to get the armed cadre to eschew violence through generous surrender programmes. One criticism of this was that the cadre remained in designated camps and were never absorbed into civil society through rehabilitation and, thus, retained their militant group identity. While not perfect, the dual strategy of control and accommodation was successful in significantly reducing violence in the Northeast, with terror-related deaths dropping from over 1,000 in 2008 to just 13 in 2022.Manipur represents a volatile blend of three major communities — Meiteis, Nagas and Kukis — each with distinct cultural traditions. All groups maintain armed militant factions, often regarded as crucial for safeguarding their identity in a multi-ethnic landscape. The Meiteis, as the majority community residing in the central valley, have traditionally held significant political power in Manipur. However, they lack the constitutional safeguards available to the tribal Nagas and Kukis, such as quotas in education, jobs and land rights. This imbalance has long been a source of tension. Frequent blockades by tribal groups to press their political demands also affected the Meiteis by disrupting daily life, deepening economic woes and worsening inter-community ties.

On the other hand, the tribal communities view the special provisions as essential protections against cultural erosion — protections that they argue are necessary due to their minority status. State and Central governments have sought to balance a complex interplay of differing types of accommodation — political power for the Meiteis and special safeguards for the tribals. While this meant that some grievances of the Meiteis remained unaddressed, a fragile status quo was maintained.In a sensitive ethnic environment, self-aggrandising politicians can exacerbate conflict by using ethnic identities as a tool to mobilise support, portraying themselves as the protectors of one group while demonising another.

This is what happened in Manipur when the CM's rhetoric against the Kukis became strident. While he justified his actions as acting against illegal immigrants, drug traffickers and encroachers on forest land, they sparked alienation among the Kukis. In March 2023, the state government withdrew from the Suspension of Operations agreements with the Kuki National Army and Zomi Revolutionary Army, signalling an end to negotiated peace efforts.

David Lake and Donald Rothchild, in their seminal work Containing Fear: The Origins and Management of Ethnic Conflict, argue that "stable ethnic relations can be understood as based upon a 'contract' between groups. Such contracts specify, among other things, the rights and responsibilities, political privileges and access to resources of each group… ethnic contracts channel politics in peaceful directions."Any perceived imbalance in this contract can ignite conflict. In Manipur, this imbalance was exacerbated by exploitative politics and ethnic activism that created a deep polarisation between the Meiteis and Kukis. Violence appeared inevitable, and the spark came in May 2023 when the Manipur High Court directed the state government to recommend granting ST status to the Meiteis.Today, the geographical and psychological divide between the Meiteis and Kukis is nearly complete. The state forces appear to be helpless actors as armed civilian gangs from both sides roam the countryside in search of defenceless victims. Amid the civil war in Myanmar and instability in Bangladesh, the situation in Manipur is acquiring a larger national security dimension.We must learn some lessons. Manipur's conflict is not just a local crisis but a microcosm of the broader challenges of managing diversity in a pluralistic society. India's ethnic mosaic is both its strength and a vulnerability. Handling ethnic diversity is not about sharpening differences, but embracing them within the framework of mutual respect and shared aspirations. The Northeast experience shows that peace is possible when governance is inclusive, leadership responsible and ethnic harmony treated as the foundation of a resilient democracy.

Blow to transparency

Tweaking of poll rule raises eyebrows

WHEN the Supreme Court declared the electoral bonds scheme unconstitutional in February this year, it emphasised the voter's inalienable right to information — including the right to know the details of individuals and companies making donations to political parties. The landmark verdict also served as a reminder to the Union Government, which had backed the controversial scheme to the hilt, that there should be no compromise on transparency as the integrity of the entire electoral process was at stake. The Centre seems to have conveniently forgotten the SC's ruling. Based on a recommendation of the Election Commission of India (ECI), the Law Ministry has amended Rule 93(2)(a) of the Conduct of Election Rules in order to prevent public scrutiny of electronic documents such as CCTV and webcasting footage as well as video recordings of candidates. The unconvincing argument is that such material, if made accessible to one and all, can be misused to the detriment of voter safety.

Such fears and concerns just don't hold water in the age of social media. Footage of voters coming out of polling stations is widely available. In many cases, electors themselves share their photos and videos on digital platforms. The CCTV cameras installed at polling stations merely keep an eye on the poll officials – they do not violate the secrecy of the ballot. There is no camera that records the voter pressing a certain button on the EVM. Still, the ECI is losing sleep over this non-issue.

The timing of the amendment is a dead giveaway. It comes in the wake of the Punjab and Haryana High Court's order that all documents related to the Haryana Assembly elections be shared with the petitioner in the 'Mehmood Pracha vs ECI' case, including CCTV camera footage as permissible under Rule 93(2). The ECI would be well advised to lift the veil of secrecy in the best interest of electoral democracy.

Academic institutions must raise the bar to be future-ready

As foreign universities set up campuses in India, the existing domestic beacons of literacy face many challenges.

THe National Education Policy has offered opportunities for progressive institutions to step into the new dynamics of millennial academics. Subsequent statutes have envisaged an era where collaborative uplift, shared synergies, global partnerships and Vision-2050 shall define the academics of tomorrow.As foreign universities set up campuses in India, partnering with local organisations or embarking on singular forays, the existing domestic beacons of literacy face many challenges.Some institutions of faith had long back acquired significance and developed into arenas of higher learning. They include Banaras Hindu University, Aligarh Muslim University and Khalsa College, Amritsar. Khalsa College did not get the status of a university by default because of its non-cooperative attitude towards the British. Its pro-Independence stance led to its stagnation. That discrimination, however, did not stop in independent India either. Its aspiration of graduating into a university has been stalled at many junctures in its history since 1892.

Meanwhile, the Anglo-Vedic college network of DAV institutions grew at an aggressive pace, delivering sanatan-accented education across the northern region. In 2016, both Khalsa College and the DAV, along with nine other private bodies, were granted university status by the Akali-BJP government in Punjab.However, within months of this development, the subsequent Congress government singled out the Khalsa institution and repealed the Act under which it was set up. By then, it had 180 masters and PhD scholars on its rolls. They had to run helter-skelter to continue their courses. The fact that Khalsa University, independent of the Khalsa College, eventually came into being and was rescinded, was a body blow to the Khalsa College Charitable Society. It had aspired for this honour and nurtured many other universities from within its campuses.

However, in October this year, after a six-year delay, the Supreme Court gave a landmark judgment, setting aside an Act of legislature and adjudicated status quo to the 2017 formation. This victory for academic institutions has laid bare the illogical stance of politics.

Meanwhile, despite these adversities, the Khalsa society had made significant progress in the last two decades. It had set up professional colleges of pharmacy, nursing, law, veterinary sciences, education, engineering and others, while consolidating and increasing the number of students in the legacy institutions. A hospital and medical college is also in the offing.

The role of faith institutions in the field of school education, too, has been colossal. Over 55,000 Christian missionary schools are catering to 25 million children of all faiths in India. It is said that the majority of Indian Prime Ministers have received convent education at some point in their lives. In contrast, there are only around 24,010 madarsas and some 4,500 Vedic gurukuls in the country. In the Sikh community, the Guru Harkrishan Public School movement and SGPC schools number just a few hundred.Various faiths follow an inclusive and secular approach to primary education, while Islamic institutions run on the strict madrasa system with a religious and ideological approach to learning. Though the higher echelons of learning are more transparent, the appetite for openness is limited.The Economic Survey 2024 has highlighted serious gaps in the education system, wherein 52.8 per cent of the graduates were found to be 'unemployable'. This is a telling comment on systemic failure and necessitates introspection.For academic institutions, especially those with extensive networks, the time has come to either make it in the business of literacy or be left behind. Vice-President Jagdeep Dhankhar recently termed the quest for overseas education a 'new disease' which has caused a $6-billion hole in our foreign exchange kitty. Now, the global village itself is planting seeds of competition in our midst.

To stem academic procrastination within India, the Central Government has opened its doors not just to the Cambridges and Harvards of the world, but also any institution that has substantive prowess and history of excellence in the field of knowledge. It has, perhaps, set a purposeful cat among the pigeons.

The question, thus, shall be of leadership and educational acumen of institutions. It shall be a test of the managements — whether they can ride the change or will go under. Some faith organisations have built-in systems of governance to improve their competence and service delivery. Anglo-Vedic institutions have a policy of bringing on board stalwarts like retired Army Generals, judges and government servants.

Christian missionary institutions have incorporated structures to ensure that new blood is nurtured. A case in point is the succession strategy of Christian Medical College. It selects its leadership five years in advance. The person is nurtured for the task at hand and even sent for an executive training programme to the IIM-Ahmedabad to hone his/her skills.

The future of successful enterprises in higher learning, thus, hinges on whether they can forsake nepotistic tendencies, political encumbrances and leadership fatigue. They must adopt a professional approach. The managements will be tested for their wisdom as well as the acumen and dynamism of their executive teams and educators. The latter will need to be open to unlearning and relearning the art of teaching. Their goalpost should be the placement and successful careers of their wards. The alumni base is an unmatchable asset of any school. It will also be required to be primed for participation in this onward march.GenNext cannot be given short shift if we are to convert the nation's demography into a dividend. While India@75 has fallen way short of its target of having a fully productive generation, India@100 will require a larger number to be serviced along with more options and opportunities as well. It is the learners who will, henceforth, have the option to choose from a wider bouquet of academic institutions, of faith or otherwise. The deliverer of knowledge will need to compete and be future-ready. Otherwise, it is likely to be in for a future shock.

GSTR-9 simplified: Filing, features, deadlines and other details

BENGALURU. Fintech major Razorpay is awarding employee stock option plans (ESOPs) worth Rs 1 lakh to all its current employees as part of its 10 years celebration. For many employees, this marks their first-ever ESOP allocation.

ESOPs have long been a valuable means of wealth creation in the start-up ecosystem. Razorpay said it believes that employees are the driving force behind its growth, and ESOP allocations show appreciation for their contributions.Its first ESOP buyback was in 2018, and that enabled 140 employees to liquidate their vested shares. In 2022, the $75 million ESOP buyback benefitted 650 existing and former employees.Over the past decade, it has grown exponentially, and has reached over 300 million end consumers across the country. With an annualised payment volume (TPV) of $180 billion, Razorpay has launched over 40 products every year. The fintech major powers payments for 80 of the country's 100 unicorns.Harshil Mathur, co-founder & CEO of Razorpay, said, "Back in 2014, when we started Razorpay, we didn't think of it as a start-up, it was a massive customer problem we wanted to fix - the complexity of integrating payment systems intrigued us. That's been the common denominator till now."

TRAI asks telcos to offer tariff vouchers for calls, SMS

NEW DELHI. The Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) has directed telecom service providers to offer separate special tariff vouchers (STVs) for voice calls and SMS services.

With this change, telcos such as Reliance Jio, Vodafone Idea, and Bharti Airtel are now required to offer tariff plans that include only voice and SMS services, not necessarily bundled with data.

The TRAI has introduced these amendments to the telecommunication tariff order (TTO) and the Telecom Consumers Protection Regulations (TCPR). This change will allow consumers to pay only for the services they use, offering greater flexibility in telecom spending. The move is beneficial for rural users and elderly, who may predominantly use voice and SMS services and may not require data services.Introduction of these vouchers aims to cater to users who prioritise voice communication, offering them a cost-effective solution without the need for data features. The TRAI said the change is beneficial for elderly people, especially in rural areas, who do not use data services due to limited understanding of technology. Families with broadband at home may also find it burdensome to pay for data services that they don't require.

Moreover, data collected from telcos indicate about 150 million users still rely on feature phones, highlighting a continuing demand for voice and SMS-only plans, as these users typically require basic telecomm services.The new regulations introduce an extension of the validity period for STVs and combo vouchers. The validity period has been raised from the previous 90 days to 365 days, giving users more flexibility in how they recharge their accounts. TRAI has done away with the colour coding of vouchers, which was earlier used for physical forms, in response to the growing prominence of online recharges.

Women now represent 20 per cent of HNI investors: Crypto exchange CoinDCX

BENGALURU. With increasing adoption of cryptocurrency, women are now representing 20 per cent of crypto exchange CoinDCX's HNI (high net-worth individual) customers.With 28.3 per cent, Delhi, Lucknow (19.16 per cent), and Hyderabad (16.5 per cent) are driving this trend, with ETH, BTC, MATIC, and DOGE, among their preferred tokens, says the crypto exchange in its Annual Report for 2024.The report highlights a significant shift in investor behaviour and how cryptocurrencies are widely being used in tier-2 cities as they accounted for 40 per cent of nationwide crypto activity. Delhi and Mumbai led with a combined 22 per cent.

With over half of investors now holding Bitcoin and Altcoins in their portfolios, the exchange points out that Indian crypto traders are maturing, becoming more strategic in their asset allocation, and embracing the transformative potential of digital assets.

From its all-time high of USD 1,07,000 last week, Bitcoin (BTC) has been fluctuating and on Monday it fell to about USD 96,056.

CoinDCX said that about 51.5 per cent of investors' portfolios are now held in BTC, and Altcoins, indicating a strong shift toward long-term investment strategies. Altcoins lead with a 34.5 per cent allocation, driven by rising confidence in projects like DeFi, Layer 2 solutions, and decentralized applications. Interestingly, there has been a 253.33 per cent surge in SIP adoption.aThe crypto exchange also said that post-US election, which is from November 5 to December 10, investments in crypto climbed to USD 1.2 billion in just 34 days, with a daily average of USD 35.3 million. Between January 1 and November 5, total investments reached USD 2.94 billion, averaging USD 9.5 million daily.

Tokens like SUI (374.30 per cent) and DOGE (338.60 per cent) led gains among assets with valuations exceeding USD 10 billion. Emerging tokens such as Popcat surged by 14,844 per cent, underscoring the dynamic nature of the market, it pointed out.

Which Indian insurance companies reject claims the least Report reveals truth

People don't just put in money but trust when they buy insurance policies to cover for medical emergencies or motor accidents. A report by the Insurance Brokers Association of India reveals how many such claims have been accepted or rejected by insurance companies in 2022-23.

NEW DELHI. People buy general insurance to cover for emergencies so that they do not have to make out-of-pocket hefty payments. They do not just put their money in, but trust while paying premiums. However, not all claims get approved. A recent report reveals that the claim-to-settlement ratio, which shows how many claims were honoured by insurers, in 2022-23 at 86%, which is down from the 87% in Fy22.The detailed report by the Insurance Brokers Association of India (IBAI) from data presented by insurance companies reveals that claims repudiation ratio rose to 6% for general insurance, which includes coverage for motor, health, fire and marine cargo.This is the claim rejected by an insurance company as a proportion of the total claims made by its policy buyers.Public sector insurer New India Assurance has the lowest claims repudiation ratio of 0.2%.Other big private insurers with lower rates of claims rejection are HDFC Ergo, Future Generali, Aditya Birla Health and Shriram.Insurance watchdog IRDAI makes it mandatory for insurance companies to put out settlements and rejection data on their websites. The IBAI has collated the data from insurers and put it in a report, which could help people make informed choices about a company's track record while buying insurance policies.In the Policyholder's Handbook, the IBAI has classified the general insurers into four categories -- Public Sector General Insurers, Large Private Sector General Insurers, Other Private Sector Insurers, and Standalone Health Insurers.In the health insurance category too, New India Assurance came on top among the public insurers with a claim-settlement ratio of 95%.Aditya Birla Health, with a claim settlement ratio of 95%, was the best among standalone health insurers.Iffco Tokio and Bajaj Allianz were among the top large private sector general insurers with the best claims-to-settlement ratio of 90% or more, according to the IBAI handbook.

What has to be remembered in the case of health insurance is that it is combined data for group (corporate) and individual policies. Claim-rejection rates are historically lower in the case of corporate policies."Irdai does not give data for individual and group claims separately. Why not? Who is it protecting," asked author-influencer Monika Halan.The real picture will emerge when separate claim-settlement data is available for individual health insurance policies.According to experts, incomplete or false disclosure, consciously or unconsciously, at the time of purchase of policies also contribute to rejection of claims.In settling motor vehicle own-damage claims too, New India Assurance was the best public insurer with a claim-settlement ratio of 92%.

Are stock markets closed on December 25Check the full 2025 holiday schedule

NEW DELHI. The stock markets, including the Bombay Stock Exchange (BSE) and the National Stock Exchange (NSE), will remain closed on Wednesday, December 25, 2024, in observance of Christmas.This holiday marks the last stock market holiday of the year. Along with Indian markets, major global stock exchanges in countries like the United States, the United Kingdom, and across Europe will also remain closed.Both the BSE and NSE will suspend trading across all segments, including equities, derivatives, and securities lending and borrowing (SLB) on December 25. Furthermore, the commodity markets, including the Multi Commodity Exchange (MCX) and the National Commodity & Derivatives Exchange (NCDEX), will also remain shut for both morning and evening sessions. Trading will resume as usual on Thursday, December 26, 2024.

2025 stock market holiday calendar

The stock market holiday schedule for 2025 includes several national and religious holidays. The markets will close on February 26 for Mahashivratri, March 14 for Holi, and March 31 for Id-Ul-Fitr (Ramadan Eid). In April, there are closures on April 10 for Shri Mahavir Jayanti, April 14 for Dr Baba Saheb Ambedkar Jayanti, and April 18 for Good Friday. Maharashtra Day on May 1 and Independence Day on August 15 are also holidays. Later in August, the market will be shut on August 27 for Ganesh Chaturthi.October has three holidays, including Mahatma Gandhi Jayanti/Dussehra on October 2, Diwali Laxmi Pujan on October 21, and Diwali Balipratipada on October 22. November 5 is reserved for Prakash Gurpurb Sri Guru Nanak Dev. Christmas on December 25 will again mark the final holiday for 2025.

In addition, the markets will hold Muhurat Trading on Tuesday, October 21, 2025, during Diwali. The exact timings for this special trading session will be announced later.

On regular weekdays, the Indian stock market operates from 9:15 AM to 3:30 PM. A pre-opening session takes place from 9:00 AM to 9:15 AM to set the tone for the trading day. The market is closed on Saturdays and Sundays.

Carraro India IPO: Check GMP, aprice band and subscription status

NEW DELHI. The Carraro India IPO, which opened for subscription on December 20, has seen a lukewarm response so far. Only 28% of the issue was subscribed to over the first two days.

The retail investor segment saw the highest response among the subscription categories, reaching 35%, while no category has been fully subscribed yet.The IPO is a Rs 1,250 crore offer for sale (OFS) consisting of 1.77 crore shares. As this is a pure OFS, the entire proceeds will go to the selling shareholders, and the company will not raise fresh capital.

The IPO is priced between Rs 668 and Rs 704 per share. Investors can bid for a minimum of 21 shares in a single lot and in multiples thereafter.

KEY DATES

The IPO closes on December 24, with allotments expected to be finalised on December 26. Shares are likely to list on December 30.

Investors are advised to evaluate long-term prospects while considering the IPO amid muted initial subscription trends.

GMP UPDATE

The grey market premium (GMP) for Carraro India shares remains nil, both before and during the IPO, signaling weak demand in the unofficial market.

BROKERAGE VIEWS

Despite the subdued response in the grey market, analysts have issued positive recommendations for long-term investors.Bajaj Broking noted the company's strong financial performance, robust market presence, and favorable industry trends as key reasons to consider the IPO. "Carraro India's ability to sustain growth, innovate, and adapt to changing market dynamics positions it well for future success," the brokerage added.

Tata Capital to raise up to $2 billion from overseas market

MUMBAI. Tata Capital, which after the merger with the group company Tata Motor's NBFC subsidiary has become the 12th largest non-bank player in terms of AUM, is tapping the global debt market to raise up to $2 billion as part of its medium-term notes (MTN) programme.lobal rating agency S&P on Monday assigned a BBB- rating to the issue.It is not immediately known when the company will hit the market or how much they are going to raise in the first tranche, but typically a rating comes when an issuer is already in the market.ata Capital did not respond to an email from TNIE. "We equalized the ratings on the senior secured and senior unsecured notes under the MTN programme with our long-term issuer credit rating on the issuer. This is because the company is prudentially regulated," S&P said in a note.The senior unsecured notes will constitute direct, unconditional, and unsubordinated obligations of the issuer. They shall at all times rank equally with all other senior unsecured

obligations of the finance company, the rating agency said.

Under the MTN programme, Tata Capital may also issue index-linked notes. Under our rating criteria, we do not rate the notes if principal payments are linked to fluctuations in equity or commodity prices, or equity or commodity indices, the agency added.Earlier this year, the Reserve Bank had approved the merger of Tata Motors Finance with Tata Capital, forming the 12th largest NBFC in the country. Under the RBI regulations, Tata Capital has to go public by next September.The move by Tata Group is in line with RBI's mandatory requirement for "upper layer" NBFCs to list within three years of being notified, i.e September 2025. Tata Capital Financial Services, which merged with Tata Capital later in January 2024, is on the regulator's list.

As of March 2024, Tata Capital had a wide funding base from multiple lenders, including non-convertible debentures (NCDs) at 39%, term loans at 42 percent and external commercial borrowings at 7 percent.

For the financial year 2024, Tata Capital had reported a net profit of Rs 2,492 crore on revenue of Rs 13,309 crore.

GST rate hike: Used car market faces challenges

Industry experts believe that this increase could slow growth and impact businesses that rely on second-hand vehicles.

NEW DELHI. Used car market is expected to face headwinds following the GST Council's recent decision to increase the tax rate on used vehicles from 12% to 18%.Industry experts believe that this increase could slow growth and impact businesses that rely on second-hand vehicles."Used cars are the backbone of mobility for millions of Indians, especially in Tier 2/3 cities and rural areas, where they serve as an affordable way to achieve the dream of car ownership. In a country with single-digit car ownership, policies that impact affordability, like the recent GST hike, can unintentionally slow down this progress," said Vikram Chopra, Founder & CEO of CARS24.

The GST revision applies to vehicles sold by businesses that claim depreciation and transact on a margin basis. For example, if a used car platform buys a car for Rs 2 lakh and sells it for Rs 2.4 lakh after refurbishment, the GST will be charged at 18% on the margin (Rs 40,000). Earlier, GST on such transactions were at 12%. Individual buyers and sellers of used cars will continue to pay 12% GST rate.

Sandeep Aggarwal, founder and CEO of Droom, a used car marketplace.Sandeep Aggarwal, founder and CEO of Droom, a used car marketplace.Sandeep Aggarwal, founder and CEO of Droom, a used car marketplace, said businesses that purchase pre-owned cars as capital assets such as certain ride-hailing companies and e-commerce platforms, will be hit the hardest by the higher tax rates. "In the last few years, due to ride-hailing, quick commerce, and food delivery, automobiles have become a significant asset to make money. For such businesses, buying used cars has now become more expensive," Aggarwal said.The tax hike is mainly concerning for the second-hand electric vehicle (EV) segment. While new EVs are taxed at a reduced 5% to encourage adoption, the 18% GST on used EVs may dampen demand in the resale market. Businesses reselling EVs will also face rising operational costs, as repair and maintenance services already attract an 18% GST. Last week, Korean automaker Kia had expressed concerns over the hike in GST on used EVs from 12% to 18%, emphasising that such a move could hinder the Indian automotive industry's electrification journey.

After Free Treatment For Seniors, AAP's Next Poll Promise Is 24-Hour Water

▸In the 2020 Assembly elections, AAP secured a landslide victory, winning 62 out of 70 seats. The BJP managed only eight.

New Delhi. AAP chief Arvind Kejriwal today announced plans to provide a 24-hour water supply across Delhi ahead of Assembly elections next year. Mr Kejriwal said that the 24-hour supply has already begun in the Rajendra Nagar area of the national capital.

"Good news. From today, 24-hour water supply is starting in a colony of Rajendra Nagar. Very soon, it will be available in the entire city too," Mr Kejriwal said.

This announcement is part of a series of welfare measures unveiled by the AAP recently. The party has announced the Sanjeevani Yojana, aimed at providing free medical treatment to Delhi residents aged 60 and above. Registration for the scheme has already begun in the Jangpura assembly constituency, where the AAP has fielded its former deputy chief minister, Manish Sisodia, as a candidate for the upcoming elections.

"Under the Sanjeevani Yojana, if elderly individuals above 60 years of age fall ill, whether they visit a government hospital or a private hospital, the Delhi government will cover the entire cost of their treatment," Mr

Kejriwal said on Monday. He added that the scheme has the potential to benefit approximately 20-25 lakh senior citizens in Delhi.The former Delhi chief minister also claimed that there has been a positive response to the Mahila Samman Yojana, a scheme aimed at providing a monthly allowance of 2,100 to women residing in Delhi. According to the Chief Minister, approximately 2.5 lakh women registered for the scheme within hours of its launch.

Listen to the latest songs, only on JioSaavn.com

AAP recently announced the Dr Ambedkar Scholarship, which aims to support the higher education of Dalit students. However, specific details about the scholarship's budget and implementation remain undisclosed.

In the 2020 Assembly elections, AAP secured a landslide victory, winning 62 out of 70 seats. The BJP managed only eight.

With the next elections expected in early 2025, both parties are doubling down on efforts to sway voters.

Popular Delhi restobar Bohca directed to stop serving liquor

New Delhi. The excise department has suspended the liquor licence of Bohca restobar in Delhi's Qutub Hotel and issued a show-cause notice and order, asking the management to explain why the licence should not be cancelled.

Stating that the tourism certificate, on the basis of which an L-16 liquor licence was given to Bohca, had expired in July, the excise department gave the licensee 15 days to explain why the licence should not be cancelled for the lapse.

Messages and calls to the restobar management went unanswered. "…the Licensee (Bohca) has not submitted a renewed certificate from the Tourism Department till date and by non renewal of the certificate…the Licensee has violated the provision of Rule 51 (10) of Delhi Excise Rule 2010, and therefore, the license (of Bocha)…is hereby suspended with immediate effect for the above said lapse," the order dated December 20 said.

"In the meanwhile the Licensee (Bohca) is directed to cease the operation of service of liquor with immediate effect," read the order. It also directed Bohca to submit its reply, pointing out that failing this, it would be presumed that "the licensee is not in possession of certificate from Ministry of Tourism".

Panchkula hotel shooting: Mitraon village in spotlight again, victims were uncle & nephew, their houses locked

New Delhi. The death of two persons from South West Delhi's Najafgarh in Panchkula's Pinjore, in what police believe is the fallout of a gang war, has brought the spotlight back on the Mitraon village in the area. Police said 30-year-old Vineet was a resident of the village, which has seen bloody shootouts in the past.

According to the villagers, the 17-year-old shot dead alongside Vineet was his nephew. The houses of the two, close to each other's, were locked on Monday evening. Speaking about the minor, a neighbour said, "He was a good kid… I heard that he was going to Chandigarh when he died… there's no one at their house." Pointing to her grandson, she added, "They were friends." The boy, silently listening to the conversation, refused to comment. Another neighbour added, "The boy had recently completed class 12. He used to play here in these streets along with others… We got the news in the afternoon. The other victim was his maternal uncle."Villagers said the family had left for their native village of Luksar in Haryana's Jhajjar. At Luksar, three villagers sat under the light of three dim bulbs. They had heard about the incident but said the families had lost touch decades ago. Also, the families of the two victims rarely ever came to Luksar, they added."There has been some sort of estrangement, so they no longer come here… We also came to know of the incident through WhatsApp messages and YouTube…," said a man stationed at a temple in the village as a night guard. Najafgarh's Mitraon village is no stranger to shootouts or gang wars. Over the past three decades, it has borne the brunt of bloody gang wars.

Delhi Records Above-Average Minimum Temperature For Second Consecutive Day; Air Quality Remains Near 'Severe' Category

New Delhi. North India is experiencing severe cold weather as temperatures drop across several states. In Delhi, the minimum temperature was recorded at 7 degrees Celsius on Tuesday, with parts of the city covered in a thin layer of fog. On Monday, the city registered a minimum temperature of 8 degrees Celsius, while the maximum reached 20 degrees Celsius. To cope with the cold, residents of Delhi were seen gathering around bonfires, while some sought shelter in night homes as temperatures declined further. Delhi experienced above-average minimum temperatures for the second consecutive day, with cloudy skies contributing to the trend. On Monday, the Safdarjung weather station, which represents Delhi's overall climate, recorded a minimum temperature of 9.9 degrees celsius, 2.4 degrees celsius above normal—compared to 8.6 degrees celcius the previous day. Other areas, like Palam, reported even higher minimum temperatures, with 10.4 degrees celsius, which is 2.5 degrees celcius above normal.

Meanwhile, air quality remained close to the "severe" category. At 9 a.m. on Tuesday, the city recorded an Air Quality Index (AQI) of 400 ("very poor"), slightly better than Monday's 24-hour average of 406 ("severe") and Sunday's 409 ("severe"). The maximum temperature on Tuesday is expected to reach around 19 degrees celcius.

An official from the India Meteorological Department (IMD) attributed the rise in temperatures to persistent cloudy skies. "The heat from the earth's surface is trapped at night due to cloud cover, causing temperatures to rise," the official explained.On Monday, Srinagar recorded a minimum temperature of minus 7 degrees Celsius and a maximum of 7 degrees Celsius, according to the IMD. The IMD defines a cold wave as when the minimum temperature is 10 degrees Celsius or below in plains and 0 degrees Celsius or lower in hilly areas.The IMD has predicted a severe cold wave in Jammu and Kashmir starting December 24. Dense fog and cold wave conditions are also expected in Rajasthan, Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, and other states from December 23 to 25.

Kuldeep Sengar's interim bail extended by four weeks, asked to surrender on January 20

NEW DELHI. Kuldeep Sengar, a former BJP MLA serving a 10-year prison sentence for the custodial death of the Unnao rape survivor's father, has been granted an extension of his interim bail.

Justice Manoj Kumar Ohri of the High Court, while considering Sengar's plea for medical relief, noted that a division bench had already extended his suspension of sentence in the related Unnao rape case till January 20.The court order specifies that Sengar must surrender on January 20 following the extension. On December 20, a bench comprising Justices Prathiba M. Singh and Amit Sharma extended Sengar's interim bail in the Unnao rape case.

The court imposed conditions on him, including restricting his movements to his residence, except for medical visits to AIIMS, and prohibiting him from leaving Delhi. The division bench justified the extension by considering Sengar's health issues,

including recovery from eye surgery, and other ailments. It emphasised that this would be the final extension and no further relief would be granted.

Earlier, on December 5, the court had granted a temporary suspension of Sengar's sentence till December 20. In the custodial death case, the single judge aligned with the division bench's decision, extending Sengar's sentence suspension until December 20 and providing him 10 days of interim bail.

Sengar was convicted in December 2019 for raping a minor and sentenced to life imprisonment. He has appealed against the trial court's verdict and sought to overturn the sentencing. The case pertains to a 2017 incident where Sengar allegedly kidnapped and raped the minor survivor. In a separate judgment in March 2020, Sengar was sentenced to 10 years of rigorous imprisonment for the custodial death of the survivor's father, who was arrested on fabricated charges under the Arms Act.

Delhi Police arrest 11 people for aiding illegal entry of Bangladeshi immigrants

South Delhi police said the accused, including Aadhaar operators and tech experts, created fake websites to create fake documents for Bangladeshi immigrants.

New Delhi. The Delhi Police have recently arrested 11 people for their alleged involvement in aiding the entry of Bangladeshi nationals into India by forging documents, including Aadhaar cards and voter IDs, the police said. Ankit Chauhan, Deputy Commissioner of Police (South Delhi), said on Tuesday that the accused, including Aadhaar operators and tech experts, created fake websites to create the fake documents, and facilitated the entry of illegal immigrants through forest routes and express trains.

On Sunday, a senior police officer said that 175 individuals have been identified as suspected illegal Bangladeshi immigrants during an extensive verification drive conducted in outer Delhi. The Delhi Police launched a drive for identifying illegal Bangladeshi immigrants on December 11, a day after L-G Secretariat ordered a crackdown on such persons residing in Delhi. Ravi Kumar Singh, DCP (South East Delhi), had said that 916 people were verified in South East Delhi till December 13 and eight illegal immigrants had been detained, including six Bangladeshi nationals. Two of them – Abdul Ahad, 22, and Mohammad Azizul, 32, were arrested on December 10 and 12, respectively, from Hazrat Nizamuddin for illegal stay in India, the officer said.

The police had produced both the men before the Foreigners Regional Registration Office (FRRO) for deportation proceedings.

The police conducted an operation in the E-44 Jhuggis of New Seemapuri in Shahdara on December 12 to identify illegal immigrants. Prashant Priya Gautam, Deputy Commissioner of Police, Shahdara, had said that police teams visited multiple slums and collected documents of 32 people for further verification.

BJP MLAs move Delhi HC again over delay in tabling of CAG reports

▸When the bench inquired about the urgency, the senior counsel highlighted that with elections looming, assembly sessions may not be convened, delaying further action.

NEW DELHI. Seven BJP legislators on Monday filed a petition in the Delhi High Court seeking the immediate tabling of 14 Comptroller and Auditor General (CAG) reports concerning the city's administration before the assembly.

Senior counsel representing the petitioners mentioned the matter before a bench comprising Acting Chief Justice Vibhu Bakhru and Justice Tushar Rao Gedela.

The court directed the matter to be listed for hearing in the "normal course." This is the second petition by the legislators about the CAG reports. Despite a prior writ petition addressing the same concern, the Delhi government has yet to present the reports to the assembly, the petitioners' counsel argued.When the bench inquired about the urgency, the senior counsel highlighted that with elections looming, assembly sessions may not be convened,

delaying further action. The petitioners include Opposition Leader Vijender Gupta and BJP MLAs Mohan Singh Bisht, Om Prakash Sharma, Ajay Kumar Mahawar, Abhay Verma, Anil Kumar Bajpai, and Jitendra Mahajan.The group previously sought intervention over the non-tabling of CAG reports. In the latest plea, filed through advocates Neeraj and Satya Ranjan Swain, the MLAs claimed that the Speaker of the Delhi Legislative Assembly had not received the reports.

"On December 20, 2024, petitioner No. 1 inquired again and was informed by the Speaker that the CAG reports had not been received as of 12:51pm," the petition stated.

The petition alleges that this inaction violates a prior undertaking made by the Delhi government before the court. The BJP MLAs have requested the court to direct the Delhi government, along with the chief minister and finance minister, to forward the CAG reports to the Speaker promptly to ensure necessary actions are taken without further delay.The court has yet to announce a date for the hearing.

Delhi coaching centre deaths: L-G nod to suspend two fire officers for negligence

On July 27, the basement of Rau's IAS coaching centre in Old Rajender Nagar was flooded within minutes due to rainfall, leading to the death of the three students.

New Delhi. Lieutenant Governor (L-G) V K Saxena has approved immediate suspension of two Delhi Fire Services officers over alleged negligence of duty in connection with the death of three civil services aspirants in a flooded basement of a coaching centre in Delhi in July, his office said on Monday.

Those suspended are Divisional Officer Ved Pal and Assistant Divisional Officer Udai Vir Singh, both Group A officers, facing allegations of negligence in issuing a fire safety certificate to the coaching centre despite knowing that it was illegally using its basement as a library, a note from the L-G office said.

The L-G has directed the suspension of the officers, categorising the action as an initial step toward ensuring accountability. The matter will now be

referred to the National Capital Civil Service Authority for further disciplinary measures against Ved Pal and Udai Vir Singh, the note added.

On July 27, the basement of Rau's IAS coaching centre in Old Rajender Nagar was flooded within minutes due to rainfall, leading to the death of the three students — Shreya Yadav (25) from Uttar Pradesh, Telangana's Tanya Soni (25), and Nevin Dalvin (24) from Kerala — trapped in the basement of the building, which was being used as a library."A detailed inquiry conducted by the District Magistrate (Central) revealed that the two suspended officers had inspected the premises for the issuance of a fire safety certificate… However, they were found to have concealed information about the misuse of the basement as a library and failed to refer the matter to the Municipal Corporation of Delhi (MCD). Consequently, the fire safety certificate was erroneously issued on July 9," the note said. "The investigation also pointed fingers at some MCD authorities, who were found to have neglected their duty to inspect and seal the illegally operating basement library and issued a completion-cum-occupancy certificate in September 2021," it said, adding that strict action is also being initiated against other MCD and Public Works Department officials, responsible for the poor drainage infrastructure in the area.

NEWS BOX

Middle-east war: Israeli's defense minister accepts killing Hamas leader Ismail Haniyeh

World srael's defense minister has confirmed that Israel assassinated Hamas' top leader last summer and is threatening to take similar action against the leadership of the Houthi rebel group in Yemen.

The comments by Israel Katz appeared to mark the first time that Israel has acknowledged killing Ismail Haniyeh, who died in an explosion in Iran in July.

Israel was widely believed to be behind the blast and leaders have previously hinted at its involvement.

In a speech Monday, Katz said the Houthis would meet a similar fate as the other members of an Iranian-led alliance in the region, including Haniyeh.

He also noted that Israel has killed other leaders of Hamas and Hezbollah, helped topple Syria's Bashar Assad and destroyed Iran's anti-aircraft systems.

"We will strike (the Houthis') strategic infrastructure and cut off the head of the leadership," he said.

"Just like we did to Haniyeh, Sinwar and Nasrallah in Tehran, Gaza and Lebanon, we will do in Hodeida and Sanaa," he said, referring to Hamas and Hezbollah leaders killed in previous Israeli attacks.The Iranian-backed Houthis have launched scores of missiles and drones at Israel throughout the war, including a missile that landed in Tel Aviv on Saturday and wounded at least 16 people.

Israel has carried out three sets of airstrikes in Yemen during the war and vowed to step up the pressure on the rebel group until the missile attacks stop.

Where Does Santa It Is Not Finland, Greenland Or Sweden

Queensland.Sending a letter to Santa can be difficult as no one can agree on where exactly Santa lives. Several countries are competing to claim Santa as one of their citizens.Finland's tourism industry suggests Korvatunturi in Lapland is where Santa keeps his workshop, and the link between Santa and Lapland brings in hundreds of millions of tourist dollars.

Danes say Santa is in Greenland. Sweden suggests Mora is the place, and has built the theme park Santaworld.These places certainly look the part with white snow in winter and reindeer. They're also close to the North Pole.

Not so jolly traditions

They also have old and often quite disturbing folklore about the man in red.Pagan Finns celebrated St Knut's Day in wintry January by having men in furry jackets, the nuuttipukki, go from house to house with a sack of presents. Except the nuuttipukki weren't giving gifts and would likely make children cry. They came demanding gifts and would curse bad luck to any household not handing over a present.The Finnish tradition nuuttipukki, photographed here in 1928, saw men in furry jackets demanding presents. Finnish Heritage Agency, CC BYEventually, the gift grabbing nuuttipukki became the gift giving Joulupukki. Like other northern traditions such as the Yule Lads of Iceland, this visitor gave gifts but only to well behaved children.

By the 19th century, Santa Claus was settled in popular awareness more or less what we think of now: a jolly old man with a beard, a sleigh, reindeer and presents, living somewhere northern and cold. That image built on but sanitised the more grotesque European folklores of elves, gnomes and other supernatural creatures who either brought or demanded gifts.But standardising Santa's appearance did not settle where he actually lived and worked.In the mid-19th century the illustrator Thomas Nast portrayed Santa as a jolly old man in Harper's Weekly, and the illustration and the archetype took off. But Nast just showed Santa in a wintry landscape.

Low Birth Rates, Ageing Population Make South Korea 'Super-Aged Society'

Seoul, South Korea. South Korea has become a "super-aged society", with 20 percent of its population aged 65 or older, official data showed on Tuesday, a gloomy trend driven by an alarmingly low birth rate.

Asia's fourth-largest economy recorded just 0.7 births per woman late last year -- one of the lowest birth rates in the world and far below the replacement rate of 2.1 needed to sustain the current population.

That means South Korea's population is ageing and shrinking rapidly.Those aged 65 and older "account

for 20 percent of the 51.2 million registered population, numbering 10 million", the interior ministry said in a news release on Tuesday, placing South Korea alongside Japan, Germany and France as a "super-aged society".t also means the elderly population has more than doubled since 2008, when it numbered fewer than five million, according to the ministry.Men account for 44 percent of the current 65-and-older group, the data showed.The government has poured billions of dollars into encouraging more births, with Seoul authorities offering subsidies for egg freezing in one recent effort.However, such efforts have failed to deliver the intended results and the population is projected to fall to 39 million by 2067, when the median population age will be 62.

Experts say there are multiple causes for the twin phenomena of low marriage and birth rates, ranging from high child-rearing costs and soaring property prices to a notoriously competitive society that makes securing well-paid jobs difficult.

Explained: Donald Trump's Big Warning Over Panama Canal Amid Rising Chinese Influence

Washington DC. The thought of China is haunting Donald Trump who is troubled over Beijing's growing influence right under US' tail - the Panama Canal - a bridge connecting the Atlantic Ocean and the Pacific Ocean through strategically located Panama, the country which links North and South America.US President-elect Trump, who is always ready to threaten others with tariffs, is also perturbed by Panama charging "excessive tariffs" for the use of the Panama Canal. So unsettled is he, by the combination of these two factors, that Mr Trump has openly declared that the US might consider taking control of the Panama Canal.Writing about his concerns on his social media platform Truth Social, Donald Trump warned that he would never let the Panama canal fall into the "wrong hands." Reminding the government in Panama that the canal was originally built by the United States more than a century ago, Mr Trump wrote "It was solely for Panama to manage, not China, or anyone else".He further re-posted a video of himself titled "We would and will NEVER let it fall into the wrong hands!"

BRIEF HISTORY OF THE PANAMA CANAL

Till the early 20th century the shortest way to reach the Pacific Ocean from the Atlantic Ocean and vice versa was to either sail around Cape Horn located in Chile at the southern tip of South America or to sail through the Strait of Magellan - also at the southern end of South America - in Chile. Both meant sailing around the entire continent of South America and nearly reaching Antarctica before sailing back up either into the Pacific or the Atlantic - this was neither economical, nor efficient.

After much thought, research and survey, a narrow, but possible way was discovered cutting across the Isthmus of Panama. However, there was a herculean challenge to be overcome in order to achieve that. The waterway was at different levels and there was no way a ship could either climb or descend where there was a sudden change in topography. For the waterway in the isthmus to be converted into a man-made canal, it would require an engineering marvel - one that was both inconceivable

and unheard of in the early 20th Century.

The United States of America was the only nation at the time that had the technical knowledge and expertise to be able to make it happen. And so, in May, 1904 - less than a year after Panama declared Independence from Colombia in November, 1903, the US began the construction of the Panama Canal. A treaty was signed between the United States and Panama under which the canal would be constructed and managed by the US. After 10 years of engineering works round-the-clock, the Panama Canal became a reality in August, 1914 with the SS Ancon becoming the first ship to pass through the canal.The US continued to control and operate the canal and its surrounding areas until a new agreement was signed between Panama and the US called the Torrijos-Carter Treaty in 1977. This provided for the handover of the canal to Panama after joint operations for nearly two decades. The Panamanian government took full control of the canal in 1999.DONALD TRUMP vs PANAMANIAN PRESIDENT JOSE MULINOApart from the warning that the US would never allow operations of the Panama Canal to be handed over to another country amid China's growing influence and muscular posturing globally, Donald Trump expressed his displeasure over "very high" tariffs being charged by Panama.Writing on Truth Social, Mr Trump said "The fees being charged by Panama are ridiculous, especially knowing the extraordinary generosity that has been bestowed to Panama by the US.

US NSA Jake Sullivan Urges Bangladesh To Protect Human Rights Amid Hindu Attacks

World Amid rising international concern over large-scale attacks on minority Hindus in Bangladesh, US National Security Advisor Jake Sullivan spoke with the interim government's Chief Adviser Muhammad Yunus on Monday. Both leaders reaffirmed their commitment to protecting human rights and promoting religious harmony in the troubled South Asian nation. "Both leaders expressed their commitment to respecting and protecting the human rights of all people, regardless of religion," the White House said in a readout of the call.Sullivan thanked Yunus for his leadership during challenging times and reiterated the United States' support for a stable and democratic Bangladesh. "The United States supports a prosperous, stable, and democratic Bangladesh, and offers continued assistance in addressing the challenges it faces," the White House added.This conversation comes less

than a month before President Joe Biden transfers power to Donald Trump, who will be sworn in as the 47th President of the United States on January 20.Indian American Democratic Congressman Shri Thanedar has been vocal about the issue, urging the White House to address the killings of Hindus and destruction of temples in Bangladesh. "The United States has a storied history of championing the oppressed, and this issue should be no different," Thanedar said last week at the US Capitol. He emphasized the need for Bangladesh to rebuild on principles of equality and justice.HinduACTion, an advocacy group, has reported ongoing violence against Hindus in Bangladesh, including temple burnings, killings, and assaults on priests and community leaders.Utsav Chakrabarti, executive director of HinduACTion, accused Yunus of failing to control extremist groups like Jamaat-e-Islami, which he claimed are behind the violence. "It is incumbent upon our current administration and the upcoming one to impose sanctions on Bangladesh," Chakrabarti said.

He also proposed the creation of autonomous zones for religious minorities, including Hindus, Buddhists, and Christians, to ensure their safety. "We must chart a clear path for the safety of the 15 million Hindus in Bangladesh," he added.

Bangladeshi Traders "Forced" To Import From Pakistan Amid Growing Maritime Ties: Report

Dhaka. In a concern for India, trade and maritime ties between Pakistan and Bangladesh seem to be getting stronger, with a second cargo vessel from Karachi reaching the Chittagong port this week. The Panama-flagged ship 'MV Yuan Xiang Fa Zhan' entered Bangladeshi waters on Sunday afternoon, according to Bangladeshi media reports. The vessel, which travelled via Karachi, Pakistan, and Dubai, United Arab Emirates, is carrying a substantial load of 811 containers of essential industrial materials such as soda ash, dolomite, and marble blocks, along with goods like garments raw materials, sugar, and electronic products, Dhaka Tribune and Daily Observer reported. The development came a day after Bangladesh's interim leader, Professor Muhammad Yunus, met Pakistan's Prime Minister Shehbaz Sharif in Egypt's Cairo, where Dhaka and Islamabad "agreed to strengthen relations."

Concern For India

Quoting sources, The Economic Times reported that traders in Bangladesh are being forced to import goods from Pakistan. It also said that some officials in Bangladesh's shipping ministry are suggesting to review of the India-Bangladesh shipping pact, which gave India access to Chittagong and Mongla ports.

Chittagong Port is a strategically located docking site in the Bay of Bengal. Over the years, India has used its relationship with ousted premier Sheikh Hasina to keep an eye on the activities at Chittagong port, where in 2004, around 1,500 boxes of Chinese ammunition were confiscated.

The consignment, worth an estimated USD 4.5-7 million, was allegedly masterminded by Pakistan's intelligence agency, the Inter-Services Intelligence (ISI). The consignment was allegedly meant to be delivered to banned terrorist outfit ULFA (United Liberation Front of Asom) in India.New Delhi worries a resurgence of Islamist extremism in Bangladesh could target India and support insurgent groups in northeastern states. Adding to India's worries, Bangladesh, in September, removed the clause which required the port authorities to physically inspect cargo from Pakistan on arrival. This makes it easier for Pakistani vessels to use the maritime routes without the physical inspection of cargo. Earlier, the restrictive trade policy under Ms Hasina required cargo from Pakistan to be offloaded in Malaysia, Singapore, or Sri Lanka and then transferred to other vessels that carried them to Bangladesh. Indian officials kept a watchful eye on sea routes that connect Chittagong.

Bangladesh-Pakistan Ties

Muhammad Yunus, the 84-year-old Nobel laureate, who took over as leader of Bangladesh's interim administration in August, is a staunch opponent of Ms Hasina's policies, which were fundamentally pro-India and anti-Pakistan. Since he came to power, one of his areas of focus has been improving relations with Islamabad. A major development in this regard was to initiate direct maritime connectivity between the two previously hostile Muslim-majority nations, which were once one country.

Blogs To Bluesky: How Social Media Changed Our Response To Disasters

Jakarta, Indonesia. The world's deadliest tsunami hit nations around the Indian Ocean two decades ago before social media platforms flourished, but they have since transformed how we understand and respond to disasters -- from finding the missing to swift crowdfunding.hen a 9.1-magnitude quake caused a tsunami that smashed into coastal areas on December 26, 2004, killing more than 220,000 people, broadcasters, newspapers and wire agencies were the main media bringing news of the calamity to the world.Yet in some places, the sheer scale took days to emerge.Survivor Mark Oberle was holidaying in Thailand's Phuket when the giant waves hit Patong beach, and penned a blog post to fend off questions from family, friends and strangers in the days after the disaster."The first hints of the extent were from European visitors who got text messages from friends back home," said Oberle, adding people initially thought the quake was local and small, when its epicentre was actually near western Indonesia, hundreds of miles away."I wrote the blog because there were so many

friends and family who wanted to know more. Plus I was getting many queries from strangers. People were desperate for good news tales," said the US-based physician, who helped the injured.

The blog included images of cars ploughed into hotels, water-filled roads and locals fleeing on scooters because rumours produced "a stampede from the beach to higher ground".Bloggers were named 'People of the Year' by ABC News in 2004 because of the intimacy of first-hand accounts like those published in the days following the tsunami.But today billions can follow major events in real-time on social media, enabling citizen journalism and assistance from afar, despite the real risk of rumour and misinformation.During Spain's worst floods for decades in October, people voluntarily managed social media accounts to assist relatives trying to locate their missing loved ones.After Turkey's devastating earthquake last year, a 20-year-old student was rescued thanks to a post of his location while buried under the rubble.

'Fast picture'

Two decades ago, the online social media landscape was vastly different.

Facebook was launched early in 2004 but was not yet widely used when the tsunami hit.One of YouTube's founders reportedly said an inspiration for the platform's founding in early 2005 was an inability to find footage of the tsunami in its aftermath.Some tsunami images were posted on photo site Flickr. But X, Instagram and Bluesky now allow for instant sharing.Experts are clear that more information saves lives -- hours lapsed between the tremor's epicentre near Indonesia and the giant waves that crashed into Sri Lanka, India and Thailand's coastal areas.

Pakistan May Get 40 5th-Gen Stealth Fighter Jets From China Within 2 Years

World. In a game-changing proposition, China is reportedly in talks with Pakistan for Islamabad to procure 40 advanced stealth fighter jets from Beijing. The J-35A is China's most advanced military aircraft.

If the deal is finalised, Pakistan will be the first and only country globally to have a squadron of the stealth J-35A multi-role fighter jets outside of China. It will also mark the first export of China's most advanced military aircraft by Beijing.

The J-35A is China's second fifth-generation stealth fighter jet. After United States, China is the only other country in the world to have two 5th-gen military aircraft. Pakistan is looking to replace its ageing fleet of US-made F-16s and the French Mirage fighters.As per a report in the Hong Kong-based South China Morning Post, which further quotes the Pakistani media, China will deliver all 40 stealth fighter jest in less than two years. China's entire defence industry is already set up for mass production as it does not depend on any other country for any part of the aircraft.The report also states that Pakistan's Air Force has already approved the purchase of these jets. Though there is no confirmation from Beijing, should such a deal materialise, it will provide Pakistan a massive boost to its air defence and has the potential to tilt the regional dynamic as Islamabad will acquire stealth technology.

WHAT IS KNOWN ABOUT THE CHINESE J-35A STEALTH AIRCRAFT

The Shenyang J-35A stealth fighter is a twin-engine, single-seater, supersonic, air-superiority, multi-role fighter jet that can carry out missions on land and at sea. The J-35A is the second fifth-generation stealth fighter China has developed after the J-20.

The J-35A's design is similar to the US Lockheed Martin F-35, the only difference is that the former is twin-engine and the latter has a single engine. China is known for copying the design of several US aircraft - The J-20 and the US F-22 Raptor are very similar in design except for canards that are present in J-20. The Chengdu J-10, also known as the "Vigorous Dragon", is yet another Chinese aircraft which seems to be a copy of the US F-16 fighter jet.According to a report by the Global Times, the

mouthpiece of the Chinese Communist Party, "J-35A functions within both stealth and counter-stealth combat frameworks. Its mission focuses on gaining and maintaining air superiority, eliminating hostile fourth/fifth generation fighter jets and ground/surface air defence forces, as well as intercepting aerial hostile targets including fighters, bombers and cruise missiles." The article was published the day China unveiled the jet for the first time last month.China plans to induct the aircraft into the Air Force and the Navy, exactly the way the F-35 is used by the United States, having three variants - The F-35A for the Air Force, F-35B for the Marine Corps and F-35C for the US Navy.

PAKISTAN'S ECONOMIC CRISIS

Despite a severe economic crisis in the country, Pakistan, which is surviving on bailout packages by the IMF and World Bank, is reportedly going ahead with the deal. It is not clear though, how such a massive deal will get financed. According to defence experts, it won't come as a surprise should China decide to extend another loan which Pakistan won't able able to pay back.Pakistan has already accumulated so much debt from Beijing that it is not financially possible for Islamabad to pay it back. Many experts believe that at some point Pakistan will have to sell national assets and maybe even parts of the country to be able to settle the debt.Though the buzz is ripe in Islamabad, Beijing has not confirmed the sale of its stealth fighter jet in any official communication. Neither has it mentioned it in the passing.When the J-35A stealth fighter was first displayed publicly by China at the annual air show at Zhuhai city.

NEWS BOX

No pressure on Rishabh Pant, judging him after 3 Tests is not right: Rohit Sharma

New Delhi. India captain Rohit Sharma played down concerns over the form of Rishabh Pant in the Border-Gavaskar Trophy, saying the wicketkeeper-batter knows what is expected of him and that he has been working hard in the nets. Rohit backed Pant, highlighting his success with the bat in the recent past and on the previous tours to Australia when he addressed the press ahead of the Boxing Day Test in Melbourne.Rishabh Pant, who was India's hero in the 2020-21 tour, has struggled to live up to expectations, managing just 96 runs in three Tests of the Border-Gavaskar Trophy so far. Pant has been targeted with short deliveries and Australia captain Pat Cmmins's ploy has worked against him."There is no pressure. He has played just three Tests here. He has scored runs in India. He has been in good form. If two or three Tests go up and down, too much of judgement is not right. He knows what he has to do," Rohit said.See, as I told you, all these youngsters - Rishabh, Gill, Jaiswal, all these youngsters are in the same boat. We don't want to complicate what they are doing. They know what they are expected to

do.

Border-Gavaskar Trophy: Full Coverage

"Our job here is to keep talking them about small, small things like match awareness. I don't think we need to tell them more and complicate stuff."Rishabh Pant knows what he has to do. He himself has a lot of expectations from him. He is working hard. I hope he clicks in the last two matches," Pant added.India's young guns in the batting unit have flattered to deceive so far in the series. While Yashasvi Jaiswal began the series with a second innings hundred in Perth, the opening batter has struggled for consistency.Shubman Gill has managed to get starts, but has not managed to convert them.

INDIA'S YOUNG IN BGT 2024-25

Yashasvi Jaiswal - 193 in 3 Tests at 38.60

Rishabh Pant - 96 in 3 Tests at 19.20

Shubman Gill - 60 in 2 Tests at 20.00

Rohit Sharma, however, backed the youngsters, saying the team management has been keen on not putting pressure on the likes of Pant, Gill and Jaiswal and letting them play freely in the remainder of the series.

ICC U19 Women's T20 World Cup 2025: Niki Prasad to lead India's 15-member squad

Niki Prasad will lead India's strong 15-member squad for the ICC U19 Women's T20 World Cup, scheduled in Malaysia from January 18 to February 2, 2025. Niki led India to a title win at the inaugural ACC U19 Women's Asia Cup in Kuala Lumpur.

New Delhi. India has announced a strong 15-member squad for the ICC U19 Women's T20 World Cup, scheduled to take place in Malaysia from January 18 to February 2, 2025. Niki Prasad, who recently captained India to victory at the inaugural ACC U19 Women's Asia Cup in Kuala Lumpur, will lead the side.The squad retains 14 players from the Asia Cup-winning team, with Sanika Chalka appointed as the vice captain. The only change sees fast bowler Vaishnavi S replacing Nandhana S, who has been named on the standby list alongside Ira J and Anadi T.India, the defending champions, have been placed in Group A alongside hosts Malaysia, the West Indies, and Sri Lanka. They will kick off their campaign against the West Indies on January 19 at the Bayuemas Oval in Kuala Lumpur.The 16-team competition features four groups of four teams each. The top three teams from each group will advance to the Super Six stage, where they will carry forward points, wins, and Net Run Rate (NRR) from their matches against fellow qualifiers.

The Super Six stage will further split the teams into two groups of six:

Group 1: Top three teams from Groups A and DGroup 2: Top three teams from Groups B and CEach team will play two matches against teams that qualify from the opposite group. The top two teams from each Super Six group will advance to the semifinals, set for January 31, with the final scheduled on February 2.India is joined by traditional powerhouses Australia, England, South Africa, and New Zealand, alongside Bangladesh, Ireland, Pakistan, and Sri Lanka, all of whom qualified based on their participation in the 2023 edition. Malaysia earned automatic qualification as hosts, while Nepal, Nigeria, Samoa, Scotland, and the United States secured their spots through regional tournaments.

India's Group Stage Fixtures

January 19: India vs. West Indies

January 22: India vs. Sri Lanka

January 25: India vs. Malaysia

As the reigning champions and with a blend of talent and experience, India will aim to defend their title and further cement their dominance in U19 women's cricket.

Manchester United boss Amorim questions Rashford camp over new challenge comments

New Delhi. Manchester United manager Ruben Amorim has publicly questioned the decision-making of individuals advising Marcus Rashford, following the forward's comments about being "ready for a new challenge." Rashford's remarks have fuelled speculation about his future at Old Trafford after being dropped for several key matches.

Rashford, 27, made the statement two days after being excluded from United's 2-1 derby win against Manchester City on December 15. The England international has since missed the Carabao Cup quarterfinal defeat to Tottenham and United's 3-0 Premier League loss to Bournemouth, intensifying rumours of a January departure.Speaking to Sky Sports, Amorim expressed his concerns about external influences on the player. "It is a hard situation," Amorim said. "These players have a lot of people around them, making choices that are not always the player's first idea. The interview decision wasn't just Marcus's."Rashford, who has scored 138 goals in 426 appearances since debuting for United in 2016, has struggled to maintain consistency in recent seasons. Although he netted 30 goals during the 2022-23 campaign, his form has dipped, drawing criticism from fans and pundits alike.Despite the controversy, Amorim emphasised his commitment to helping Rashford regain form. "I am focused on improving Marcus," he said. "We need a talented guy like him. I forget the interview now and concentrate on what I see on the pitch."Rashford has three goals since Amorim took over last month, but he was substituted in the 56th minute of their 2-1 Europa League win over Viktoria Plzen on December 12, with fans booing the striker as he departed the pitch.

The Portuguese manager acknowledged the complexity of the situation but stressed that decisions about Rashford's future would be addressed internally. "For now, it's better for me and the club to deal with that when the time comes," he added.United's loss to Bournemouth left them in 13th place heading into Christmas, their lowest position at this stage since 1986. Amorim's side faces a challenging festive schedule, with a Boxing Day trip to Wolves followed by a home match against Newcastle on December 30.The club's precarious position has only heightened the spotlight on Rashford's form and future, with Amorim keen to balance player management and squad performance amid mounting pressure.

Ben Stokes promises 'much more left in tank' after injury setback: See you on field

England Test captain Ben Stokes has vowed to overcome his latest injury setback after it was confirmed that he will be sidelined for three months following surgery. The 33-year-old all-rounder is set to undergo surgery after tearing his left hamstring during England's recent series victory over New Zealand.

Stokes is expected to be out until spring, ruling him out of England's T20 and ODI tour of India as well as their Champions Trophy campaign in Pakistan—matches that could have marked his return to one-day cricket.England Test captain Ben Stokes has vowed to overcome his latest injury setback after it was confirmed that he will be sidelined for three months following surgery. The 33-year-old all-rounder is set to undergo surgery after tearing his left hamstring during England's recent series victory over New Zealand.Stokes is expected to be out until spring, ruling him out of England's T20 and ODI tour of India as well as their Champions Trophy campaign in Pakistan—matches that could have marked his return to one-day cricket.Stokes underwent knee surgery in November 2023 to prepare for England's five-match Test series in India earlier this year.

However, he later missed four Tests in the autumn after sustaining an injury during The Hundred. Stokes' fitness remains a major talking point ahead of the next Ashes, especially with fast-bowling duo Jofra Archer and Mark Wood also battling long-term injuries as they aim to secure spots in Brendon McCullum's red-ball squad.The ECB provided an update on Stokes' condition: "England Men's Test captain Ben Stokes has been ruled out of all cricket for at least three months after further assessments confirmed he has torn his left hamstring. The Durham all-rounder will undergo surgery in January. The injury occurred during the third Test in Hamilton, during England's recent 2-1 Test series victory in New Zealand."The injury forced Stokes to relnquish the captaincy to Ollie Pope during the match after bowling a grueling 37 overs and experiencing discomfort.

Amir Jangoo earns maiden Test call-up as West Indies name squad for Pakistan tour

New Delhi Batter Amir Jangoo has received his first call-up to the West Indies Test squad for the two-match series against Pakistan, set to begin on January 16 in Karachi. Meanwhile, left-arm spinner Gudakesh Motie makes his return to the squad after missing the home series against Bangladesh last month.

Shamar Joseph is sidelined with shin splints, which also caused him to miss the ODI series against Bangladesh earlier this month, while Alzarri Joseph is unavailable due to "other engagements," according to Cricket West Indies (CWI).

Batter Amir Jangoo has received his first call-up to the West Indies Test squad for the two-match series against Pakistan, set to begin on January 16 in Karachi. Meanwhile, left-arm spinner Gudakesh Motie makes his return to

the squad after missing the home series against Bangladesh last month.

Shamar Joseph is sidelined with shin splints, which also caused him to miss the ODI series against Bangladesh earlier this month, while Alzarri Joseph is unavailable due to "other engagements," according to Cricket West Indies (CWI).

Motie rejoins the squad to strengthen the spin attack, while Jangoo's selection is a reflection of his consistent performances across formats in regional cricket and his strong ability to handle spin bowling," West Indies head coach Andre Coley said. "For the Test series against Pakistan in January 2025, our focus is on building upon our strengths and converting the lessons from 2024 into tangible success."The rest of the squad is largely unchanged. Kraigg Brathwaite will captain the side, with wicketkeeper-batter Joshua Da Silva serving as his deputy. Mikyle Louis, Alick Athanaze, Keacy Carty, and Justin Greaves form the backbone of the batting lineup

No regrets about not captaining India, but would have enjoyed it: R Ashwin

New Delhi Recently retired, R Ashwin stated that he has no regrets about his career, including missing the opportunity to captain the senior men's national team. However, the off-spinner added that he believed he was capable of leading the side and would have enjoyed the responsibility if given the chance.Ashwin captained his state team in age-group cricket and at the first-class level. He also led Punjab Kings in the Indian Premier League (IPL) for two seasons—2018 and 2019. However, the spin-bowling great never had the opportunity to lead India in Test cricket. He was not even recognised with the vice-captaincy role in the longest format of the game."It's interesting. I am smart enough to know what works for me and what doesn't for another person. When I started my career, I got first-class captaincy very early. I have won a few tournaments for my team. I believe I had it in me. But I did not have any regret that I didn't go on to lead my country because these are not things that I can control," Ashwin told Sky Sports Podcast."I have realised somebody needs to feel that I am good enough to lead the team, I need to get another 15-20 people to come along with me for me to be able to lead the team. It wasn't meant for me in this particular chapter of my life.

"I don't think this office or corporate felt I was good enough to lead the team. That doesn't mean I am not good enough for leadership. Leadership, you don't need a title to do that because, within me, I was a great leader in that group to be able to contribute to other people's success. I looked out for zones of contribution. I did it to the best of my ability," he added.I do not have regrets, but I do think it would have been something I would have enjoyed," he added.Ashwin also captained in the Tamil Nadu Premier League and led the Dindigul Dragons to a title as recently as the 2024 season. While Ashwin has retired from international cricket, the off-spinner will feature for the Chennai Super Kings in IPL 2025.Ashwin was bought for Rs 9.75 crore by the Super Kings at the IPL mega auction in November. The off-spinner is expected to play a key role on his homecoming to the Chennai-based franchise.

Ashwin surprised many by announcing his retirement midway through the Border-Gavaskar Trophy. The off-spinner made the announcement after the third Test of the series in Brisbane on 18 December. Ashwin opted not to stay with the team for the remainder of the series and returned home

3 losses in 14 years: Breaking down Australia's recent record at the MCG

New Delhi. Pat Cummins-led Australia would be raring to go in the Boxing Day Test match against India. Set to be played at the Melbourne Cricket Ground, the Australian team would like to dish out another strong performance after their dominance in Adelaide and Brisbane.Things will not be easy though, as India have time and again come back from adversities. Take the Brisbane Test for example. After nearly conceding follow-on on Day 4, India hit back with a tremendous bowling performance reducing Australia down to 89/7 in the second innings. India once again showed, even when down they cannot be counted out.And the fiery build-up to the Boxing Day Test match has mimicked that attitude. While Australian players have been shifting between national team and family duties, the Indian stars have been hounded by the home media.Pat Cummins-led Australia would be raring to go in the Boxing Day Test match against India. Set to be played at the Melbourne Cricket Ground, the Australian team would like to dish out another strong performance after their dominance in Adelaide and Brisbane.

Things will not be easy though, as India have time and again come back from adversities. Take the Brisbane Test for example. After nearly conceding follow-on on Day 4, India hit back with a tremendous bowling performance reducing Australia down to 89/7 in the second innings. India once again showed, even when down they cannot be counted out.And the fiery build-up to the Boxing Day Test match has mimicked that attitude. While Australian players have been shifting between national team and family duties, the Indian stars have been hounded by the home media.

So, what is Australia's record at the MCG?

Australia have played a total of 116 Test matches on the venue, with the first Test match being played in 1877. The hosts have won 67 matches out of the 116, lost 32 and drawn 17.In more recent times, since 2010, Australia have played 14 matches, out of which they have won 9, lost 3 and drawn 2 Test matches.

And here's where things get a little interesting.

In the last 14 years, where they have played one Test match a year, Australia have lost only 3 Test matches. Out of the three, Australia have lost two games against India - once in 2018, and the other in 2020. Their one loss before that came way back in 2010, when they lost to England by an innings and 157 runs.

INDIA'S MOST RECENT PERFORMANCES AT THE MCG

BGT 2014-15

The only drawn MCG Test match in India's last three tours. Bowling first in the game, India was put in trouble by a prolific Steve Smith, who scored 192 runs in the first innings.India replied with twin centuries from Virat Kohli and Ajinkya Rahane, who helped India score 465 runs in response to Australia's 530. After Australia declared for 318/9, India saw Australia off despite panicking early. Kohli and Rahane once again stabilised the Indian innings, after which Pujara, Dhoni, and Ashwin saw India off to a draw.

Deepika Padukone

Ranveer Singh Introduce Baby Dua To Paparazzi; Hold A Special Meet And Greet

Deepika Padukone and Ranveer Singh are proud parents to their three-month-old daughter Dua Padukone Singh. On Monday, the couple hosted a special informal meet and greet for the paparazzi, during which they introduced their baby girl Dua to the paparazzi. The couple also requested photographers to refrain from taking photos of their daughter.

Pictures of Ranveer Singh and Deepika Padukone from the meet and greet have gone viral on social media. While Deepika looked gorgeous in a beige gown, Ranveer donned an all-white outfit. They were also seen posing with the photographers. Paparazzo Viral Bhayani shared pictures from the meet and greet, and wrote, “Baby DUA who looks as angelic as an angel, is definitely all set to become the cynosure of every eye!" Check out some of the pictures below!

The photographers were reportedly invited to Deepika Padukone and Ranveer Singh’s building’s clubhouse to celebrate the arrival of their daughter Dua. During the meet and greet, Ranveer expressed how elated he is to have ‘Laxmi’ in his home. He also requested privacy for Dua, requesting the photographers to not take pictures of his daughter. Soon after, Deepika Padukone also joined the meet and greet, and the couple posed with the paparazzi for pictures.Ranveer Singh and Deepika Padukone welcomed their daughter Dua Padukone Singh on September 8, 2024. They shared the news of their daughter’s arrival through a lovely post on social media. In November, the couple revealed that they have named her Dua, and explained its significance. “Dua Padukone Singh ‘Dua’ : meaning a Prayer. Because She is the Answer to our Prayers. Our hearts are filled with Love & Gratitude.Deepika & Ranveer," they wrote. They also shared a little glimpse of baby Dua’s tiny feet.

On the professional front, Ranveer Singh has several exciting projects lined up. He will next be seen in Farhan Akhtar’s Don 3, alongside Kiara Advani. He also has Aditya Dhar’s action thriller Durandhar, co-starring R Madhavan, Sanjay Dutt, Arjun Rampal and others.Meanwhile, Deepika Padukone was last seen in Rohit Shetty’s Singham Again.

Sophie Choudry

Enjoys Karan Aujla’s Mumbai Concert With Munawar Faruqui, Riyaz Ali

Karan Aujla, the Punjabi singing sensation, set the stage ablaze with his energetic performance on Sunday in Mumbai. The concert, which was a part of the singer’s It Was All A Dream tour in India, turned out to be a star-studded affair as the who’s who of the entertainment industry attended the grand event. Among all, singer and actress Sophie Choudry had a blast as she arrived with Bigg Boss 17 winner and comedian Munawar Faruqui and social media influencer Riyaz Ali.Taking to her Instagram stories, Sophie shared a series of pictures and videos from Aujla’s Sunday concert in Mumbai. In one of the snaps, she could be seen grooving to the song Ho Gaya Pyaar Ni along with Munawar and Riyaz. “What a night!!!," she wrote in the caption.

In another clip, Aujla is seen performing on stage with singer AP Dhillon by his side. Excited to see the duo, Sophie wrote in the caption, “Epic Epic Epic."A video also featured the trio grooving to Aujla’s superhit track Tauba Tauba from the film Bad Newz at the grand event. Sharing the video on her stories, the actress wrote, “This song is just such a banger."

Sophie opted for a black sleeveless top, while Munawar was seen in a red loose-fitted shirt paired with a cap. Riyaz, on the other hand, opted for a T-shirt.

The singer had a two-day stint in Mumbai with his concerts being held on December 21 and 22. Apart from Sophie, filmmaker Karan Johar also attended the event on Sunday night. He was accompanied by actress Neha Dhupia, who also shared a clip showing the director enjoying Aujla’s foot-tapping performances.The Kuch Kuch Hota Hai director re-shared Neha’s story and wrote, “Tauba Tauba I had a super time at the Karan Aujla concert!!! He’s such a showman!!! Thanks Neha."

Actors Vicky Kaushal and Parineeti Chopra not only attended the concert but also joined the singer on stage. The major surprise came in with Vicky and Aujla performing their hit number, Tauba Tauba, breaking the audience into cheers and applause.

Anupamaa: Alisha Parveen Removed From Show Because Of Rupali Ganguly? Actress Says 'Maybe, Yes...'

Ever since Alisha Parveen has been ousted from Anupamaa, rumours claiming she has been removed because of Rupali Ganguly have been making headlines. Now, Alisha has also reacted to these rumours. In a recent interview, the actress opened up about her bond with Rupali and shared a cryptic response.

“I too have heard of these rumours and know that these things have been linked up with her. I have read about this in the fan messages too. People said ke unhone hi karwaya hai, it’s DKP (Director’s Kut Production) behind it, it’s Rupali mam behind it. Exactly Kya hai ye main kaise batau ab (People said that they have done it, it’s DKP behind it, it’s Rupali mam behind it. Exactly what is the case, how can I say). Maybe yes, maybe no, I don’t know. Maybe nothing," she told India Forums.Alisha mentioned that she shared a very professional relationship with Rupali and that their dynamics were good.

Alisha used to play the role of Ruhi in Anupamaa. However, earlier this week, she alleged that she was ousted from the show without any notice.“It is shocking and disappointing. I am not sure what exactly happened and why I am being replaced! Today was my last day on the set of Anupamaa. It was a fantastic opportunity and everybody loved my chemistry with Shivam Khajuria. But I have no clue why I was suddenly replaced," she told ETimes.“I had a meeting yesterday and was told about this decision. I am completely clueless but it happens sometimes. I will focus on my future projects now," the actress added.

It should be noted that Rajan Shahi has not reacted to Alisha’s exit from Anupamaa as of now.Anupamaa is a popular show that has been ruling the TRP charts for years now. However, in recent times, several actors have left the show due to personal reasons.

Aadar Jain Passionately Kisses Fiancée Alekha Advani, Celebrates Her Birthday In Thailand

Alekha Advani is celebrating her birthday today, and her fiance Aadar Jain just made her day even more special! The lovebirds are currently holidaying in Phuket, Thailand, and Aadar has shared some stunning pictures from their vacay to wish her. The first picture shows them sharing a passionate kiss by the beach, and the photo has gone viral!On Monday, Aadar Jain took to his Instagram account to share a series of pictures from his vacay with Alekha.

The first picture shows him holding her close as they shared a kiss at the beach. Alekha is seen in a white bikini, while Aadar donned black shirts as they posed romantically against the backdrop of the gorgeous sunset. They carved out their initials in the sand, with ‘A&A’ written inside a heart. The next picture shows Alekha sitting on the swing at the beach. “Happy Birthday Fiancé," wrote Aadar, while sharing the pictures. Commenting on Aadar’s post, his cousin Karisma Kapoor wrote, “Happy birthday Alekha @alekhaadvani."

Aadar also took to his Instagram stories to share a few glimpses from Alekha’s birthday celebration at a beach in Phuket. One picture shows her posing with a chocolate cake. Check out the pictures below!

Aadar Jain and Alekha Advani had their Roka ceremony in November, in Mumbai. The intimate ceremony was attended by members of the Kapoor clan including Kareena Kapoor Khan, Karisma Kapoor, Neetu Kapoor, Ranbir Kapoor, Navya Nanda, and many others. Several photos and videos from the Roka ceremony went viral on social media.

For the unversed, Aadar Jain is the son of Rishi Kapoor’s sister Rima Jain, and Manoj Jain. Aadar and Alekha made their relationship Instagram official in November last year. It was in September this year that Aadar proposed to her during their vacay in the Maldives. Sharing lovely pictures from the proposal, Aadar wrote, “My first crush, my best friend & now, my forever." Aadar was earlier in a relationship with actress Tara Sutaria, but they reportedly broke up in January last year.

On the professional front, Aadar Jain has starred in movies such as Qaidi Band, Hello Charlie and Mogul.